सूर्योदय 5:57 सूर्यास्त 6:43

आज का तापमान

शिमला	14.2 न्यू	18 अधि
धर्मशाला	17.8 न्यू	22 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,157.88
निफ्टी	24.579.60
सोना 1,07,200	चांदी 1,26,100

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

राशिद खान टी-20 के टॉप विकेट टेकर बने

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | बुधवार, 3 सितंबर 2025 | 19 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 246, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

केसीआर ने बेटी कविता को बीआरएस से किया निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी कल्वाकुंतला कविता (के कविता) को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। कविता के पिता और पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का फैसला सुनाया। पार्टी लाइन का उल्लंघन करने के आरोप में उन पर ये एक्शन लिया गया है। तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति और पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव के परिवार में चल रही अंदर कलह सबके सामने आ गई है। (अनंत ज्ञान)

हिमाचल के पूर्व डीजीपी आईडी भंडारी का निधन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी का मंगलवार को अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने करीब 3.30 बजे आईजीएमसी शिमला में अंतिम सांस ली। आईडी भंडारी मूल रूप से बिलासपुर जिले के रहने वाले थे, लेकिन शिमला के कसुम्पटी क्षेत्र में रहते थे। उनके निधन के बाद बुधवार को उनके पैतृक गांव बिलासपुर में अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं, आईडी भंडारी के निधन पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

डॉ. मित्तल संयुक्त अरब अमीरात में भारत के नए राजदूत नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि डॉ. मित्तल विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। वह कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। डॉ. मित्तल संजय सुधीर की जगह लेंगे जो अब तक संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत थे। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद उन्होंने भारत और तालिबान शासन के बीच औपचारिक संपर्क शुरू कराने में अहम भूमिका निभाई थी। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- बारिश का कहर; दो मकान गिरे 7 में आई दरारें पेज 2
- बीमा कंपनी उपभोक्ता को 9% ब्याज सहित देगी 35 हजार रुपए -पेज 4
- शिमला व नाथपा डैम के आसपास बारिश का कहर -पेज 6
- ढालपुर में भूस्खलन की चपेट में आई महिला, मौत -पेज 11
- भारत की चीन-रूस से नजदीकी अमेरिका में मची खलबली -पेज 13

'नाम किसी का, खेल किसी और का', सरकार के रडार पर खनन माफिया

हिमाचल में अवैध खनन करने वालों की अब खैर नहीं : मुख्यमंत्री सुक्खू

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को विधानसभा के मानसून सत्र में अवैध खनन को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को, जो अवैध खनन से जुड़ा हो, बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन निष्पक्ष रूप से जांच कर रहे हैं और दोषियों को कटघरे तक पहुंचाने के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। प्रदेश की प्राकृतिक संपदा और जनता के अधिकारों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत करवाया कि सुजानपुर क्षेत्र में एक स्टोन क्रशर, जिसे पिछले साल जुलाई में आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया था, वास्तव में अवैध खनन में सक्रिय था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में 12 अगस्त को छापेमारी के दौरान पोकलेन, दो जेसीबी मशीनें, चार टिप्पर, मिक्सर और करीब 50 खनन सामग्री से भरे टिप्पर जब्त किए गए। साथ ही डीवीआर रिकॉर्ड और मनवीर सिंह के ट्रैक्टर को भी कब्जे में लिया गया।

मुख्यमंत्री सुक्खू मानसून सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में अपना वक्तव्य देते हुए।

सुजानपुर थाना क्षेत्र में दर्ज एफआईआर संख्या 53/2025 दिनांक 12 अगस्त 2025 में चोरी और अवैध खनन का गंभीर मामला सामने आया। बरसात के मौसम में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद, क्रशर का संचालन जारी रहा। नवीनतम जांच में ताजा और पुरानी खनिज सामग्री का मापन लोक निर्माण विभाग से कराया गया और खनन विभाग के अधिकारी रॉयल्टी एवं अन्य दस्तावेजों की जांच में शामिल हैं। आरोपियों के बैंक खाते भी जांचाधीन हैं।

वहीं, मुख्यमंत्री ने बताया कि क्रशर मालिक ने 4 नवंबर 2024 को अपने भतीजे उमेश शर्मा को पॉवर ऑफ अटॉर्नी देकर संचालन सौंप दिया था। उमेश शर्मा की कंपनी सड़क निर्माण सामग्री के लिए क्रशर से सामग्री ले रही थी, यानी नाम किसी और का, खेल किसी और का। प्रवीण शर्मा, उमेश शर्मा और उनके सहयोगियों ने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई 24 सितंबर को होगी।

पीएम बोले-आर्थिक स्वार्थ से अर्थव्यवस्था में आईं चुनौतियां

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया-2025 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया भारत पर भरोसा करती है। दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है।

मोदी ने आगे कहा कि एक तरफ जब दुनियाभर की इकोनॉमी में चिंताएं हैं। आर्थिक स्वार्थ से पैदा हुई चुनौतियां हैं। उस माहौल के बावजूद भारत ने इस साल के पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ रेट हासिल करके दिखाया है। यह वृद्धि मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, कृषि और निर्माण सहित हर सेक्टर दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि भारत अब बैकएंड से निकलकर एक फुल-स्केल सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर है। हम सभी निवेशकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। वो दिन दूर नहीं, जब दुनिया कहेगी, डिजाइंड इन इंडिया, मेड इन इंडिया एंड ट्रस्टेड बाय वर्ल्ड। डिजाइन इन इंडिया और मेड इन इंडिया, यही भविष्य की पहचान होगी।

पीएम ने कहा कि सेमीकंडक्टर की दुनिया में कहा जाता है कि ऑयल ब्लैक गोल्ड था, लेकिन चिप्स डिजिटल डायमंड हैं। पिछली सदी में दुनिया का भविष्य तेल के कुएं से तय होता था, लेकिन 21वीं सदी की शक्ति एक छोटी-सी चिप में सिमट गई है। यह चिप भले ही छोटी है, लेकिन इसमें दुनिया के विकास को गति देने की ताकत है। (अनंत ज्ञान)

मजाकिया अंदाज में पीएम ने की भाषण की शुरुआत

मोदी ने सेमीकॉन इंडिया-2025 कार्यक्रम में अपने भाषण की शुरुआत मजाकिया अंदाज से की। उन्होंने कहा कि मैं कल रात की जापान और चीन की यात्रा करके लौटा हूं। पीएम के इतना कहते ही दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने तालियां बजाईं। इस पर मोदी ने थोड़ा सीरियस होकर कहा, 'गया था इसलिए ताली बजा रहे हो या वापस आ गया इसलिए ताली बजा रहे हो।' उसकी बातों पर लोग जोर से हंसने लगे। इसके बाद मोदी भी मुस्कुराते दिखे।

पंचायत चुनाव नहीं होंगे स्थगित

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पंचायत चुनाव निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ही संपन्न होंगे। नालागढ़ से कांग्रेस विधायक हरदीप सिंह बाबा के सवाल के जवाब में उन्होंने सदन में यह जानकारी दी। विधायक ने कहा कि हाल ही में आए भारी बारिश के कारण पंचायत स्तर पर कई सड़कों और स्कूलों को गंभीर नुकसान हुआ है और कई पोलिंग बूथ क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सरकार चुनाव स्थगित करेगी, लेकिन मुख्यमंत्री ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि कोई पंचायत प्रधान भ्रष्टाचार में दोषी पाया जाता है, तो वह चुनाव नहीं लड़ पाएगा। इस दिशा में प्रदेश सरकार ने विधानसभा में पंचायतीराज से जुड़ा संशोधन विधेयक पारित करवाया है। यह कदम प्रदेश में पंचायत चुनावों की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

परीक्षा में नकल पर जेल और पेपर लीक करने पर एक करोड़ जुर्माना

सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक-2025 पारित

प्रदेश विधानसभा ने मंगलवार को राज्य में भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक, 2025 पारित कर दिया। इस कानून का उद्देश्य पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी पर अंकुश लगाना है। विधेयक को ध्वनिमत से सर्वसम्मति के साथ पारित किया गया। नए कानून के तहत पेपर लीक करने, नकल करवाने या परीक्षा में किसी भी तरह की धोखाधड़ी करने वालों को न्यूनतम तीन साल से लेकर अधिकतम पांच साल तक की कैद हो सकती है। इसके साथ ही दस लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा। वहीं, अगर कोई सेवा प्रदाता इस तरह की गड़बड़ी में लिप्त पाया जाता है तो उस पर एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, संबंधित सेवा प्रदाता से परीक्षा पर हुए सभी खर्च की वसूली होगी और उसे चार साल तक कोई भी भर्ती परीक्षा आयोजित करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। दोषी पाए गए निदेशकों और कर्मचारियों को तीन से दस साल तक जेल की सजा हो सकती है।

जैश आतंकियों ने की जोगिंद्रनगर के टैक्सी चालक की हत्या

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। लडभड़ोल क्षेत्र की ग्राम पंचायत बघैर-रकतल के रकतल गांव से ताल्लुक रखने वाले अनिल कुमार टैक्सी ड्राइवर की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। अनिल चंडीगढ़ में ओला-उबर टैक्सी चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। दो माह पूर्व ही वे घर आए थे, लेकिन 29 अगस्त शुक्रवार की रात से उनका अचानक संपर्क टूट गया। अनिल ने रात करीब 10 बजे अपनी पत्नी सुधा देवी से आखिरी बार फोन पर बातचीत की थी और बताया था कि वह सवारी छोड़ने जा रहा है।

इसके बाद से उसका फोन बंद हो गया। उन्होंने पंचायत प्रधान, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों को जानकारी दी। अनिल की गाड़ी की लोकेशन जालंधर तक ट्रैक की गई, मगर अनिल का कुछ पता नहीं चल पाया। अनिल का शव चंडीगढ़ में झाड़ियों से बरामद किया गया। इस खबर ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। मृतक के पिता रमेश चंद बीएसएफ में कार्यरत हैं, जबकि माता रानी देवी गृहिणी हैं। उनके परिवार में तीन साल का बेटा और एक छोटी बहन भी है। इस बीच पुलिस ने मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए जम्मू-कश्मीर के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि आरोपी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं। गिरफ्तार आरोपी साहिल बशीर हंदवाड़ा जम्मू-कश्मीर निवासी पर पहले से ही यूएपीए व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। उसका भाई ऐजाज अहमद भी पहले जैश से जुड़े हथियारों के जखीरे के साथ पकड़ा जा चुका है। जोगिंद्रनगर के विधायक प्रकाश राणा ने भी इस मुद्दे को मानसून सत्र में उठाते हुए सीएम से जवाब मांगा था। वहीं, पंचायत प्रधान आंचल कुमारी ने घटना को असहनीय बताया है।

मानसून के आक्रामक तेवर जारी रहने का अनुमान

आपदा की मार, परीक्षाओं पर विराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश में भीषण मानसून का दौर जारी है। लगातार बारिश ने भूस्खलन, बाढ़ और मकान ढहने जैसी घटनाओं से पूरे राज्य को हिला दिया है। सड़कों से लेकर बिजली-पानी की योजनाएं तक ठप हो गई हैं। इसी संकट के बीच सरकार और आयोग को प्रतियोगी परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ी हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा को बताया कि पुलिस भर्ती की मौखिक परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग ने भी वन सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 को स्थगित करने की घोषणा की है। यह परीक्षा मूल रूप से 7 सितंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन अब 5 अक्तूबर को संभावित रूप से आयोजित की जाएगी। आयोग ने साफ कहा है कि मौजूदा आपात मौसम स्थिति के चलते परीक्षा करवाना संभव नहीं है।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने सरकार पर सवाल उठाए कि एक ओर कुगती दर्रे में पांच शव अब तक फंसे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर छात्र परीक्षा कार्यक्रम को लेकर असमंजस में हैं। उन्होंने वायुसेना के हेलिकॉप्टरों की तत्काल तैनाती की मांग की। मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि लगातार खराब मौसम के चलते उड़ानें रोक दी गई हैं, लेकिन जैसे ही परिस्थितियां अनुकूल होंगी, बचाव अभियान फिर शुरू कर दिया जाएगा।

मौत और नुकसान के ताजा आंकड़े किए जारी

राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक अब तक 327 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, 385 पशु मारे गए हैं और 1300 से अधिक मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। 2300 से ज्यादा इमारतें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं और 27 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल बरबाद हो चुकी है। आर्थिक नुकसान 3,158 करोड़ रुपए को पार कर गया है। छह राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 1300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं, 3263 बिजली ट्रांसफार्मर और 858 जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं। सतलुज पर नाथपा बांध और बसपा बैराज क्षेत्र में पानी का स्तर बढ़ने के बाद अधिकारियों ने निचले इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया है। कुल्लू के अन्नी क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान ढह गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए।

बैंक धोखाधड़ी के मामलों में दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु प. बंगाल व गोवा में ईडी के छापे

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के दो मामलों की जांच के सिलसिले में अलग-अलग कार्रवाई में मंगलवार को दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में छापेमारी की।

सूत्रों ने बताया कि 'अरविंद रेमेडीज' कंपनी और उसके प्रवर्तक अरविंद बी शाह के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, कोलकाता और गोवा के कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि जुलाई 2021 का धन शोधन मामला अक्तूबर 2016 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें आरोपी कंपनी और उसके प्रवर्तक पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से करीब 637 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। वित्त वर्ष 2009-10 से 2014-15 तक की कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय से प्राप्त कंपनी के ऑडिट किए गए खातों और 294 बैंक खातों का विश्लेषण किया गया। इस जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय ने एक विस्तृत 'मनी ट्रेल' (वित्तीय लेन-देन का रिकॉर्ड) तैयार किया। (अनंत ज्ञान)

शातिरों के झांसे में आकर पूर्व अधिकारी ने लुटा दिए एक करोड़

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

पुलिस और साइबर क्राइम टीम द्वारा लोगों को साइबर ठगों से सचेत रहने हेतु जागरूक किया जा रहा है, इसके बावजूद शातिर लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला धर्मशाला का है, जहां के एक पूर्व अधिकारी ने शातिरों के झांसे में आकर 29 दिन में करीब एक करोड़ रुपए की राशि लुटा दी। पीड़ित को 4 अगस्त को व्हाटसऐप पर पहला मैसेज आया था, जिस पर शातिरों के प्रलोभन में आकर पूर्व अधिकारी ने 5 अगस्त को 15 हजार रुपए की पहली ट्रांजेक्शन कर दी।

यह क्रम ऐसा जारी हुआ कि शातिरों के चुंगल में पूर्व अधिकारी ने पहली सितंबर को 20 लाख रुपए के रूप में अंतिम ट्रांजेक्शन कर दी, इसको मिलाकर ठगी की गई राशि करीब एक करोड़ रुपए बनती है। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाना धर्मशाला में इसकी शिकायत दर्ज करवा दी है।

पांच अगस्त से शुरू हुई ट्रांजेक्शन पहली सितंबर तक रही जारी

जानकारी के अनुसार धर्मशाला निवासी पूर्व अधिकारी को व्हाटसऐप पर 4 अगस्त को मैसेज आया, जिसमें ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर चौखी कमाई का झांसा दिया गया। इस पर पूर्व अधिकारी ने 5 अगस्त को 15 हजार रुपए की ट्रांजेक्शन की। ऑनलाइन ट्रेडिंग में शातिरों द्वारा ज्यादा से ज्यादा राशि का निवेश करने पर अधिक मुनाफा होने की बात कही गई, जिसके चलते पूर्व अधिकारी भी झांसे में आ गए और करीब 15 ट्रांजेक्शन के माध्यम से एक करोड़ के लगभग राशि ट्रांसफर कर दी। अब कुछ भी हाथ न आने पर पूर्व अधिकारी ने ठगी की शिकायत साइबर थाना में दर्ज करवा दी है।

उधर, साइबर थाना नॉर्थ जोन धर्मशाला के एएसपी प्रवीण धीमान ने पुष्टि करते हुए बताया कि इस तरह के ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश के नाम दिए जा रहे झांसों से सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे मामलों में जरा सी चूक से किसी पर भारी पड़ सकती है।

मैगी बनाने वाली नेस्ले के सीईओ बर्खास्त

एजेंसी, नई दिल्ली। दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनी नेस्ले ने लॉरेंट फ्रेक्स को सीईओ पद से तत्काल हटा दिया है। कंपनी ने बताया कि फ्रेक्स अपनी एक जूनियर कर्मचारी के साथ रोमांटिक रिलेशन में थे। जांच में यह बात सामने आई कि फ्रेक्स ने इस बारे में कंपनी को नहीं बताया था। यह नेस्ले के नियमों का उल्लंघन है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि लॉरेंट फ्रेक्स को इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्होंने कंपनी के नियमों को तोड़ा था। फ्रेक्स 1986 में कंपनी के साथ जुड़े थे और पिछले साल सितंबर में उन्हें सीईओ बनाया गया था। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान में मुठभेड़, पांच आतंकवादी ढेर

एजेंसी, पेशावर

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमले के बाद हुई मुठभेड़ में कम से कम पांच आतंकवादी मारे गए और छह पुलिसकर्मी घायल हो गए।

जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम अब्बास कलाची के अनुसार, मंगलवार को बन्नू में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी कार को फेडरल कॉन्स्टैबुलरी लाइंस (एफसी लाइंस) के मुख्य द्वार से टकरा दिया। बन्नू उत्तरी वजीरिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा से सटा क्षेत्र है। विस्फोट के बाद पांच आतंकवादी परिसर में घुस गए और कार्यालय की इमारतों पर कब्जा कर लिया। इनमें से एक आतंकी को सुरक्षा बलों ने मौके पर ही मार गिराया। इसके बाद पुलिस, अर्द्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर चार और आतंकवादियों को ढेर कर दिया। गोलीबारी के दौरान छावनी थाना क्षेत्र के एसएचओ गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पांच अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। (अनंत ज्ञान)

सीआरआई कसौली के एंटी सीरम प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। केंद्रीय अनुसंधान संस्थान कसौली के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से 283 करोड़ रुपए के एंटी सीरम प्रोजेक्ट को सीजीएमपी के तहत मंजूरी मिल गई है। अभी तक पुरानी प्रयोगशालाओं में ही सीरम तैयार हो रही थी, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सीजीएमपी मानदंडों के अनुकूल नहीं माना था। संस्थान में अब फिर से गुड्स मैन्युफैक्चरिंग लैब शुरू होगी। लैब में वैक्सीन और एंटी सीरम सही पैरामीटर पर वर्तमान स्थिति के अनुसार तैयार होगा। इससे डब्ल्यूएचओ के मापदंडों के मुताबिक वैक्सीन और सीरम उत्पादों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

क्या कहते हैं सीआरआई के सहायक निदेशक

सीआरआई कसौली के सहायक निदेशक व पीआरओ डॉ. यशवंत कुमार ने बताया कि एंटी सीरम प्रोजेक्ट को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से सीजीएमपी के तहत मंजूरी मिल गई है। संस्थान में अब फिर से गुड्स मैन्युफैक्चरिंग लैब शुरू होगी।

इन सीरम का होता है उत्पादन

संस्थान की एंटी सीरा लैब में एंटी स्नेक वेनम सीरम, एंटी रैबीज सीरम, एंटी डिप्थीरिया टाक्सिन सीरम व नार्मल हार्स सीरम का निर्माण पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर में ही हो रहा है। एंटी सीरम विष प्रतिरोधक व बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयोग होती है। सीरम में रोगाणु के खिलाफ रेडीमेड एंटी बाडी होते हैं, जो रोगियों को देते ही काम करना शुरू कर देते हैं। सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम सीरम लगाया जाता है। बंदरों व कुत्तों के काटे जाने पर एंटी रैबीज सीरम लगता है। सर्पदंश व कुत्तों के काटे जाने के इलाज के लिए एंटी स्नेक वेनम सीरम व एंटी रैबीज सीरम काम करता है। संस्थान में 1905 से ही सीरम का निर्माण किया जा रहा है।

केंद्र को भेजा था प्रस्ताव

संस्थान ने लैब में रह गई कमियों को दुरुस्त कर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार को दस्तावेज भेजा था। इसी के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एंटी सीरम प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। अनुमति के बाद लैब को आरएंडटी विंग परिसर में तैयार किया जाएगा। बता दें कि कसौली स्थित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान में नई करेंट गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज (जीएमपी) लैब में विनिर्माण गतिविधियों पर रोक लग गई थी। इस लैब का उद्घाटन पिछले साल 24 अप्रैल 2016 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने किया था और इसे 54 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित किया गया था।

आंखों में आंसू लिए दुख की घड़ी में भी भगवान से सभी के भले की गुहार लगा रही महिलाएं

हे भगवान! पता नी कैंडा केरु आसावे

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। हे भगवान! पता नी कैंडा केरु आसावे, भगवान खरा केरी सेभी रा, भला केरी। कुल्लवी भाषा में यह करुण पुकार भूस्खलन प्रभावित जिला कुल्लू की लगघाटी के बागन गांव की महिलाओं की है। वे आंखों में आंसू लिए कह रही हैं कि पता नहीं भगवान ने ऐसा क्यों किया हमारे साथ? साथ ही यह गुहार भी लगा रही हैं कि भगवान सभी का भला करना किसी को भी ऐसा दुख न हो। महिलाएं दुख की इस घड़ी में बेघर होने का अपना-अपना दर्द भुलाकर एक-दूसरे का सहारा बनकर इस दर्द से बाहर निकलने का हौसला दे रही हैं।

'अनंत ज्ञान' के साथ आपबीती सुनाते हुए गांव की एक बुजुर्ग महिला गंभरी देवी सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि अपना घर था तो जब दिल करता था खाते थे, जब दिल करता सोते-जागते थे, लेकिन अब तो कुछ नहीं बचा। खुशी-खुशी सभी लोग जीवन बसर कर रहे थे। अब घर नहीं रहे, अब कहां जाएं, भगवान ने पता नहीं क्यों किया ऐसा? उन्होंने बताया कि वह इतनी बुजुर्ग हो गई हैं और उनके भी बुजुर्ग जो अब इस दुनिया में नहीं रहे न ही तो उन्होंने कभी ऐसा मंजर इस गांव में देखा न बुजुर्गों ने कभी बताया, सब ठीक था। अचानक यह मुसीबत पता नहीं कैसे हमारे गांव पर आ गई। अब कहां जाएं हम सभी, न खाने का मन करता, न डर के मारे ढंग से सो पाते हैं। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि उनके रहने की उचित व्यवस्था की जाए।

वहीं, अन्य ग्रामीण महिला ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों के साथ मजबूरन उन्हें अपने घर छोड़ने पड़े हैं। और कब तक स्कूल में रहेंगे? उन्होंने कहा कि अब तो यहां रहने का मन ही नहीं करता, दिन-रात डर सताता रहता है। रात को जब कई बार बिजली नहीं होती तो अंधेरे में डर लगता है, नींद तक नहीं आती। गांव के ऊपर एक बहुत बड़ी चट्टान जो छह दिन पहले आधी टूट गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ऊपर बनी सड़क में ड्रेनेज की व्यवस्था नहीं जिससे सारा पानी गांव में रिस रहा है और गांव में भूस्खलन हो रहा है। वहीं, गांव के नीचे से नाले में हो रहे भूमि कटाव के कारण जमीन धंसने का हमेशा खतरा सताता रहता है। गांव की सभी महिलाओं व पुरुषों का कहना है कि अब तो हमारे न घर बचे हैं, न खेत और न ही न जमीन बची है, ऐसे हालातों में कहां जाएं हम? उन्होंने सरकार व जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि शीघ्र अतिशीघ्र उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही यह भी मांग की है कि गांव में सभी लोगों के पास अब राशन भी खत्म हो रहा है। सड़क व रास्ते भी बाधित हैं। ऐसे में सड़क को बहाल करने की दिशा में उचित कदम उठाया जाए, ताकि वह राशन सहित अन्य जरूरत की चीजें गांव तक पहुंचा सकें।

अपना-अपना दर्द भुलाकर एक-दूसरे का सहारा बनकर स्कूल भवन में समय बिता रहे बागन के प्रभावित ग्रामीण

अपने घरों से बेघर होने के बाद स्कूल में रह रहे लगघाटी के बागन के बाशिंदे।

अनंत ज्ञान विशेष

> **लगघाटी** के बागन सहित जिला के अन्य कुछ गांवों में जमीन धंस रही है। बागन में जिन घरों पर खतरा बढ़ गया था उन्हें खाली करवा दिया गया है। इसके अलावा जहां-जहां जमीन धंसने की घटनाएं पेश आ रही हैं, वहां पर टेक्निकल एजेंसी से जांच करवाने बारे भी सरकार से पत्राचार किया गया है। बागन गांव के प्रभावितों को उचित राहत व रहने के लिए कैंप की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।
>
> -तोरुल एस रवीश, डीसी कुल्लू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मिले इंजीनियर राजेश बन्याल

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

हिमुडा का डायरेक्टर बनाने के लिए जताया आभार

बड़सर। हिमुडा का डायरेक्टर बनाए जाने पर इंजीनियर राजेश बन्याल शिमला में मुख्यमंत्री के साथ शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने हिमुडा का डायरेक्टर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया।

इंजीनियर राजेश बन्याल को हाल ही में सरकार की ओर से डायरेक्टर हिमुडा नियुक्त किया गया है। बन्याल तुखानी गांव के रहने वाले हैं। एनआईटी कॉलेज हमीरपुर से पास आउट है। उन्हें सरकार द्वारा हिमुडा का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। राजेश बन्याल एक बहुत ही साफ छवि के व्यक्तित्व हैं वर्तमान में उनकी पत्नी शैलजा वन्याल बणी ग्राम पंचायत की प्रधान पर कार्यरत हैं।

न्यूज ब्रीफ

जलाड़ी के अध्यक्ष बने दरसोक चंद

अनंत ज्ञान, रंगस। जलाड़ी पंचायत में दुग्ध अभिशीतन केंद्र जलाड़ी और पशुपालन विभाग के सौजन्य से एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पशुपालन विभाग नादौन के सीनियर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप पाटिल और दुग्ध अभिशीतन केंद्र जलाड़ी की एमपीए शिवानी शर्मा व सुनीता ने पशुपालकों को हिम गंगा योजना के तहत बोनस/सब्सिडी बारे जानकारियां दीं। उन्होंने पशुपालकों को यह भी बताया कि वे किस प्रकार दूध बेच कर अपनी आर्थिकी को ओर सुदृढ़ कर सकते हैं। पशुपालक इस योजना के तहत उत्तम क्वालिटी के पशु पालकर उत्तम क्वालिटी का दूध बेचकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर मिल्क को-ऑपरेटिव सोसायटी जलाड़ी का गठन भी किया गया। जिसमें प्रधान दरसोक चंद, उपप्रधान रघुनाथ, कोषाध्यक्ष सरिक्षा देवी व सचिव अनुराग के अलावा सदस्य विनय परमार, शकुंतला देवी आदि को बनाया गया है। इस अवसर पर पंचायत प्रधान जगमोहन सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

डॉ. प्रवीण राणा ने की ओपन हार्ट सर्जरी

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। हेल्पिंग हैंड संस्था के संस्थापक गोल्डी राजपूत ने कहा है कि आईजीएमसी अस्पताल के प्रोफेसर डॉक्टर प्रवीण ने तीसरी बार सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी की है। उन्होंने कहा कि कहते हैं डॉक्टर भगवान का दूसरा रूप होते हैं यह बात आईजीएमसी अस्पताल शिमला के प्रोफेसर डॉक्टर प्रवीण ने साबित कर दिखाई है। ओपन हार्ट सर्जरी दूसरी बार करना नामुमकिन होता है। वहां डॉक्टर प्रवीण ने तीसरी बार सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी को अंजाम दिया है। यह नॉर्थ इंडिया में पहले उपलब्धि है ।जिसका श्रेय डॉक्टर प्रवीण को जाता है।हेल्पिंग हैंड्स संस्था के संस्थापक गोल्डी राजपूत ने कहा की प्रवीण हमेशा हर मरीज के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं। और हर मरीज के साथ अपने परिवार की तरह व्यवहार करते हैं। गोल्डी राजपूत ने कहा कि 2020 जब उनकी माता को हर डॉक्टर ने मना कर दिया था उस समय पर भी डॉ. प्रवीण ने चुनौती को स्वीकार करके माता को नया जीवन दिया था।

टीजीटी कला संघ हमीरपुर के जिला चुनाव 5 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय टीजीटी कला संघ के हमीरपुर जिला कार्यकारिणी के चुनाव 5 सितंबर को होंगे। इनका आयोजन होटल के स्टार भोटा में 3.30 बजे शुरू होगा। इस कार्यक्रम के दौरान संघ के सेवानिवृत्त पूर्व पदाधिकारी और शिक्षाविद भी संघ द्वारा सम्मानित किए जाएंगे। संघ के खंड पदाधिकारी इस अवसर पर शपथ भी ग्रहण करेंगे। संघ के जिलाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल पर्यवेक्षक और प्रदेश महासचिव विजय हीर को निरीक्षक बनाया गया है। चुनाव प्रक्रिया में अनुपस्थित रहने वाले या विलंब से पहुंचने वाले व्यक्तियों का कोई आक्षेप या आपत्ति मान्य नहीं होगी।

शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष होंगे सुरेश

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार को हमीरपुर की जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में जन शिकायत निवारण विभाग के सचिव की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार सुरेश कुमार को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह की जगह जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

उपभोक्ता 15 तक जमा करवाएं बिजली बिल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। विद्युत उपमंडल-2 हमीरपुर के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं को बिजली के बिल जमा करवाने के लिए 15 सितंबर तक का समय दिया गया है। सहायक अभियंता सौरभ राय ने कहा कि उपमंडल के जिन विद्युत उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने बिलों का भुगतान नहीं किया है, वे इनका भुगतान 15 सितंबर तक उपमंडल कार्यालय के काउंटर पर या ऑनलाइन माध्यम से कर दें। उन्होंने बताया कि इस तिथि तक बिल जमा न करवाने वाले उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन पूर्व सूचना के बगैर ही काट दिए जाएंगे। सहायक अभियंता ने उपमंडल के सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

विक्की ठाकुर ने गणेश वंदना से बांधा समां

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। गणपति बप्पा मोरया कमेटी द्वारा आयोजित 14 वें श्री गणेश उत्सव की छठी भजन संध्या में ने सीनियर सिटीजन काउंसिल के पदाधिकारी व सदस्यों ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर प्रदेश बार काउंसिल के उपाध्यक्ष रोहित शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन काउंसिल के अध्यक्ष विजय कुमार पुरी ने गणपति बप्पा मोरया कमेटी के आयोजकों का धन्यवाद किया व संस्था की ओर से 11 हजार रुपए सहयोग राशि दी। इस अवसर पर गणपति बप्पा मोरया कमेटी ने सीनियर सिटीजन काउंसिल के पदाधिकारियों व बार काउंसिल के उपाध्यक्ष को सम्मानित किया। इस अवसर पर भजन संध्या में विक्की ठाकुर ने भगवान श्री गणेश व माता की भेंटों का गुणगान किया। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन काउंसिल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओपी शर्मा, उपाध्यक्ष हेम राज शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार भगवान दास शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष शंकर दास भारद्वाज, सुरेश कुमार, सदस्य अनिल कुमार, संजीव कुमार व यशवीर पटियाल उपस्थित रहे।

बारिश ने प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की बढ़ाई मुश्किलें

कहीं कमरों को पहुंचा नुकसान तो कहीं शौचालय गिरे, प्रारंभिक शिक्षा विभाग के 52 स्कूलों को 1.74 करोड़ का नुकसान

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जिला में हो रही भारी बरसात ने सरकारी स्कूलों को भी अपनी जद में ले लिया है। छुटिटयों से पहले 21 स्कूलों को लगभग 33 लाख 78 हजार रुपए का नुकसान हुआ था, वहीं छुट्टियों के बाद इन स्कूलों की संख्या बढ़कर 52 तक पहुंच गई है और एक करोड़ 40 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। बारिश ने स्कूलों की हालत बिगाड़कर रख दी है, जिससे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की दिक्कतें भी बढ़ा दी हैं। कई स्कूलों की छतों से पानी टपक रहा है तो कई स्कूल के भवनों को गिरने का खतरा पैदा हो गया है।

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक जिला के 52 प्राथमिक स्कूलों को लगभग एक करोड़ 74 लाख 12 हजार रुपए का का नुकसान हो चुका है। जिसकी रिपोर्ट प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय शिमला को भेजी जा चुकी है। बता दें कि भारी बारिश के कारण कई स्कूलों की छतों से पानी लीक हो रहा है तो कहीं पर डंगे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा स्कूलों की छतें टूट गई हैं और पानी भी कमरों में चला गया था। इसके अलावा भारी बारिश के कारण कई स्कूलों के शौचालय पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और बाउंड्री वाल भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिला हमीरपुर के 6 शिक्षा खंडों में सबसे अधिक भोरंज, हमीरपुर और नादौन में हुआ है। राजकीय प्राथमिक पाठशाला चमनेड को 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है वहीं प्राथमिक पाठशाला सदोह में भी 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। उसके बाद बिझड़ी और सुजानपुर के स्कूलों में भारी बारिश ने क्षति पहुंचाई है। अभी तक की मिली रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक शिक्षा विभाग लगातार शिक्षा निदेशालय को इसकी जानकारी दे रहा है। गौर रहे कि सभी स्कूलों में भारी बारिश के कारण अवकाश घोषित किया जा रहा है। भारी बारिश के कारण बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए अध्यापक आनलाइन के माध्यम से ही पढ़ाई करवा रहे है। शिक्षा विभाग की माने तो स्कूल के भवनों का मरम्मत कार्य तो करवाया जाएगा, लेकिन बारिश ही रूकने का नाम नहीं ले रही हैं।

इस बारे में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर ने बताया कि जिला के प्राथमिक स्कूलों में एक करोड़ 74 लाख 12 हजार रुपए के नुकसान की रिपोर्ट आई है। उन्होंने बताया कि यह रिपोर्ट प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय शिमला को भेज दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी स्कूलों की मरम्मत करवाई जाएगी जिसके लिए बजट का इंतजार किया जा रहा है। शिक्षा विभाग से इसके बजट मुहैया करवाया जाएगा उसके बाद ही मरम्मत का कार्य शुरू हो पाएगा।

भारी बारिश के कारण प्राथमिक स्कूलों की हालत।

जिले के इन स्कूलों में हुआ नुकसान

शिक्षा खंड सुजानपुर के प्राथमिक पाठशाला खैरी, देहरी डोली, शिक्षा खंड नादौन में प्राथमिक पाठशाला कोटला कल्लर, किटपल, भड़ोली भगौर, शिक्षा खंड बिझड़ी में प्राथमिक पाठशाला बिझड़ी में नुकसान हुआ है। शिक्षा खंड भोरंज के प्राथमिक पाठशाला तरक्राड़ी, भखेड़ा, बैलग दा घाट, डाडू, खरवाड़, शिक्षा खंड गलोड़ में प्राथमिक पाठशाला रंगस, पनियाला, सनाही, सदोह, कड़दोह, दसवीं और शिक्षा खंड हमीरपुर के प्राथमिक स्कूल स्वालहवा, सिसवां, टौणी देवी, सयूणी, हलाणा, डुडाणा में भारी नुकसान हुआ है।

गोशाला की दीवार गिरी व मकान को आई दरारें

वीरेंद्र गोस्वामी, अनंत ज्ञान, बड़ा। उपमंडल नादौन की ग्राम पंचायत चोड़ू के गांव बढियार में रक्षा देवी पत्नी स्व जोगिंद्र सिंह के घर के पीछे भूस्खलन होने से एक पहाड़ी का मलबा उनकी पशुशाला की दीवार को क्षतिग्रस्त करता हुआ पशुशाला के अंदर घुस गया। इस भूस्खलन से रक्षा देवी के रिहायशी मकान को भी काफी दरारे आ गई हैं। रक्षा देवी में बताया कि उन्होंने इस बारे में पंचायत के प्रतिनिधियों एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों को भी बता दिया हैं ओर उन सभी ने मौके पर आकर उनके हुए नुकसान का जायजा भी ले लिया है। इस घटना की ग्राम पंचायत चोड़ू के उप प्रधान विकास बलौरिया ने पूर्ण रूप से पुष्टि करते हुए सीएम सुक्खू से रक्षा देवी की आर्थिक सहायता करने का विशेष आग्रह किया हैं। इस बारे में क्षेत्र की हलका पटवारी प्रिया का कहना हैं कि उन्होंने मौके पर जाकर रक्षा देवी के हुए नुकसान की रिपोर्ट बना दी हैं अतिशीघ्र उसे विभाग के उच्चाधिकारियों को भेज दिया जाएगा।

हमीरपुर जिले में 24 घंटों में 7 .20 करोड़ रुपए का नुकसान

4 कच्चे मकान व 24 गोशालाएं हुईं ध्वस्त, मानसून सीजन में अब तक 191 करोड़ की क्षति दर्ज

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

जलशक्ति व लोक निर्माण विभाग को ज्यादा नुकसान

जिले के सभी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण व्यापक नुकसान हुआ है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के जिला एमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (डीईओसी) में मंगलवार दोपहर तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार जिले भर में गत 24 घंटों के दौरान सार्वजनिक और निजी संपत्ति को 7.20 करोड़ रुपये से अधिक क्षति पहुंची है। इस दौरान 4 कच्चे मकान और 24 गौशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। 18 अन्य कच्चे मकान और एक पक्का मकान भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है।

इसके साथ ही इस मॉनसून सीजन के दौरान जिला में नुकसान का कुल आंकड़ा 191 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इस दौरान जल शक्ति विभाग को सर्वाधिक 93.64 करोड़ रुपए, लोक निर्माण विभाग को 88.13 करोड़, बिजली बोर्ड को 1.67 करोड़ और शिक्षा विभाग को 1.83 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य विभाग डेढ़ लाख और मत्स्य पालन विभाग को 55 हजार रुपए की क्षति हुई है। बागवानी विभाग ने विभिन्न फसलों को हुए 18.06 लाख रुपए और कृषि विभाग ने 1.15 लाख रुपए के नुकसान की रिपोर्ट प्रेषित की है। 46 कच्चे मकान और 4 पक्का मकान ध्वस्त होने से लगभग 1.48 करोड़ रुपये के नुक्सान का अनुमान है। 263 अन्य कच्चे मकानों और 18 पक्के मकानों को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है, जिससे 1.61 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। 35 अन्य भवनों को भी लगभग 13 लाख रुपए की क्षति पहुंची है।

जिले भर में 124 डंगे गिरे हैं, जिनमें लगभग 1.10 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। 337 गोशालाओं के ध्वस्त होने से लगभग 1.55 करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ है। खराब मौसम को देखते हुए उपायुक्त एवं डीडीएमए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने सभी जिला वासियों से एहतियात बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग नदी-नालों के पास न जाएं। भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से भी दूर रहें। भारी बारिश में घर से बाहर निकलने का जोखिम न उठाएं। खराब मौसम में पेड़ों के नीचे आश्रय न लें तथा बिजली की तारों से सुरक्षित दूरी बनाएं रखें।

चबूतरा में अनुराग ठाकुर ने पहुंचाई राहत सामग्री

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के चबूतरा गांव में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन से पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजने की शुरुआत कर दी है। अनुराग सिंह ठाकुर ने चबूतरा गांव में प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के लिए राशन सामग्री व सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा की मोबाइल मेडिकल वैनों को भेजने का काम किया है। चबूतरा गांव पहुंच कर सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा ने लोगों का निःशुल्क जांच, उपचार कर दवा वितरित कर रही है। गौरतलब है कि प्राकृतिक आपदा के कारण सुजानपुर के चबूतरा गाँव में परिवारों के मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं, जिससे लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण गहरे संकट में हैं- ऐसे में सांसद अनुराग सिंह ठाकुर की ओर से पीड़ितों की हरसंभव सहायता का प्रयास किया जा रहा है।

भोरंज के तोहू गांव में दो मंजिला स्लेटपोश मकान की दीवार गिरी

अनंत ज्ञान, जाहू

भोरंज उपमंडल के तोहू गांव में सुरेंद्र कुमार के दो मंजिला स्लेटपोश मकान की दीवार भारी बारिश से गिर गई है। इस कारण अब पूरे मकान में दरारें आ गई हैं। छह कमरों के इस मकान में सुरेंद्र कुमार अपनी मां और पत्नी तथा दो बच्चों सहित इस मकान में रहते थे, लेकिन अब मकान की दीवार गिरने से पूरा घर गिरने की कगार पर है और घर रहने के योग्य नहीं बचा है। गांव वालों की मदद से मकान को खाली किया गया और सारा सामान आस-पड़ोस में रख दिया है। अब सुरेंद्र कुमार को मजबूरन अपने रिश्तेदारों के यहां रातें काटने पड़ रही हैं। ग्राम पंचायत भौंखर के प्रधान विरेंद्र कुमार ने कहा कि उन्होंने गांव तोहू के सुरेंद्र कुमार के मकान का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र कुमार गरीब परिवार से संबंध रखते हैं। प्रधान ने बताया कि मकान की दीवार गिरने से मकान कभी भी गिर सकता है, इसलिए मकान को खाली करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मकान की पटवारी के द्वारा पूरी रिपोर्ट तैयार कर के उपायुक्त हमीरपुर की भेज दी गई है। सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से त्रिपाल दिया गया है। प्रभावित सुरेंद्र कुमार ने प्रशासन से अपील की है कि उनके रहने की उचित व्यवस्था की जाए और राहत राशि भी प्रदान की जाए।

मनसूई में बारिश की भेंट चढ़ी पशुशाला

अनंत ज्ञान, भोटा। पिछले 3 दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से हो रहे भूस्खलन से सैकड़ों सड़के अवरुद्ध है, तो अधिकतर का संपर्क टूट गए। गत रात बड़सर उपमंडल की उपतहसील भोटा गांव झिकली मनसूई के नवीन कुमार पुत्र हरनाम सिंह की पशुशाला बारिश की भेंट चढ़ गई। इसके अंदर बंधी भैंस को समय रहते निकाल लिया। नवीन कुमार ने पशुशाला गिर जाने की जानकारी स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि और पटवारी को दे दी है।

दुर्घटना का शिकार हुए आउटसोर्स कर्मचारियों के परिवार हो रहे बेसहारा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

बिजली बोर्ड इंप्लाइज यूनियन ने की आउटसोर्स भर्ती बंद करने की मांग

हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड में नियमित व आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ लगातार हो रही दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। हाल ही में चंबा डिविजन की राख सब-डिविजन में आउटसोर्स कर्मचारी देश राज (42) की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जाता है कि अब तक 20 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी अलग-अलग हादसों का शिकार हो चुके हैं, जिनमें कई की जान गई और कुछ स्थायी रूप से अपाहिज हो गए।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड इंप्लाइज यूनियन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व पेंशनर्स फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाई जानी चाहिए और कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी नीति के तहत बोर्ड में समायोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों को 2017 से स्थायी कर्मचारियों के लिए लागू नीति के अनुसार लाभ मिलें—परिवार के एक सदस्य को नौकरी, 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट के तहत मुआवजा।

कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने बढ़ते हादसों के लिए कर्मचारियों पर काम के अत्यधिक बोझ और घटती संख्या को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारी विभागीय वाहनों की कमी के चलते निजी वाहनों से काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें कोई अतिरिक्त भत्ता नहीं दिया जाता। उन्होंने सरकार से ठेकेदारों और अस्थायी व्यवस्थाओं पर रोक लगाकर स्थायी भर्ती करने, दुर्घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की।

जिप के वार्डों के परिसीमन पर दर्ज करें आपत्तियां

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला परिषद हमीरपुर के 18 वार्डों के परिसीमन का प्रारूप प्रकाशित कर दिया गया है। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने बताया कि जिला के विभिन्न विकास खंडों के पुनर्गठन के चलते कई ग्राम पंचायतें दूसरे विकास खंडों में स्थानांतरित हुई हैं, जिसके कारण जिला परिषद के वार्डों में भी परिवर्तन हुआ है। उन्होंने बताया कि परिसीमन का प्रारूप मंगलवार, 2 सितंबर को जारी कर दिया गया है। इस पर कोई भी व्यक्ति एक सप्ताह के भीतर आपत्ति या सुझाव दर्ज करवा सकता है। इच्छुक लोग अपनी आपत्तियां अथवा सुझाव संबंधित खंड विकास अधिकारी कार्यालय के माध्यम से उपायुक्त कार्यालय तक भेज सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

एक सप्ताह में डीसी कार्यालय को भेजे जा सकते हैं सुझाव

बारिश का कहर; दो मकान गिरे, 7 में आई दरारें

एसडीएम ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

अनंत ज्ञान, नादौन

लगातार हो रही जोरदार बारिश जहां जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मंगलवार को बारिश के कारण पोस्ट ऑफिस के नजदीक दो मकान गिर गए हैं जबकि आधा दर्जन से ज्यादा मकानों में दरारें आई हैं। जिससे लोग सहमे हुए हैं। मकानों के क्षतिग्रस्त होने की खबर तुरंत शहर में फैल गई। खबर मिलते ही एसडीएम राकेश शर्मा बारिश के बीच ही मौका पर पहुंच गए उनके साथ तहसीलदार रोहित कंवर,नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी, ईओ रमन शर्मा, जेई अंकुश सहोत्रा आदि शामिल थे।

नादौन शहर के वार्ड न. चार पोस्ट ऑफिस बार्ड के पास स्थित मुहल्ले के लगातार हो रही बारिश से जमीन घंस गई है जिसके चलते दो मकान गिर गए हैं जबकि 6 मकानों में दरारें आने से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ग्वालपत्थर के करड़ी गांव में भी दो मकान गिर गए हैं जबकि एक मकान में दरारें आई हैं। नादौन में बलवीर सिंह पुत्र निक्का राम व दमोदरी देवी पत्नी छोटू राम का मकान गिर गया है। जबकि काका राम पुत्र प्रीतम चंद, लता रानी पत्नी सुभाष चंद, अजय कुमार पुत्र सुभाष चंद, अमन कुमार पुत्र प्रीतम चंद, हंस राज पुत्र प्रीतम चंद, सोना देवी के मकान में दरारें आने से क्षतिग्रसत हो गए हैं। वहीं ग्वाल पत्थर के करड़ी गांव के कृष्ण चंद व गुरवचन सिंह का मकान गिर गया है जबकि दिनेश कुमार के मकान को दरारें आई हैं। जिनके मकान गिरे हैं उन्हें 10-10 हजार व जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें 5-5 हजार रुपए की फौरी सहायता प्रशासन की ओर से उपलब्ध करवा दी है।

एसडीएम ने पीड़ितों को दी फौरी राहत

एसडीएम राकेश शर्मा ने बताया कि खबर मिलते ही मौका पर पहुंचकर हुए नुकसान का जायजा लिया। जिनके मकान गिरे हैं उन्हें 10-10 हजार व जिनके मकानों में दरारें आई हैं उन्हें 5-5 हजार रुपए की फौरी सहायता उपलब्ध करवा दी है। पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार व प्रशासन आपके साथ है जो भी संभव होगा यथासंभव सहायता दी जाएगी। संबंधित पटवारी को हुए नुकसान का जायजा लेकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

बूथ स्तर पर महिलाओं को लाएं आगे : अजय

नादौन ब्लॉक कांग्रेस की बैठक संपन्न, आपदा पीड़ितों के प्रति संवेदना

शशि सोनल, अनंत ज्ञान

नादौन। नादौन ब्लॉक कांग्रेस की विशेष बैठक मंगलवार को गीता भवन नादौन में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई तथा पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया गया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस नादौन के पूर्व अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद ने की, जबकि विधानसभा क्षेत्र नादौन के प्रभारी एवं एपीएमसी चेयरमैन अजय शर्मा मुख्य अतिथि रहे। बैठक में नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी, वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष संधू, मोती जोशी, कमल कम्मी, रीना देवी, धर्मपाल, डॉ मोहन लाल कौंडल, सुनील बिट्टू, मौंटी संधू, बलदेव चौधरी, रजनीश चौधरी, कैप्टन सुनील दत्त शर्मा, कुलदीप चौधरी, संदीप कुमार, प्रेम चंद, राजेंद्र बबलू, रमेश नैयर सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रभारी अजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने के लिए महिलाओं को आगे लाना होगा, क्योंकि संगठन को सशक्त बनाने में महिलाओं का योगदान अहम रहता है।

उन्होंने सुक्खू सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद प्रदेश को आपदा प्रभावित राज्य घोषित किया गया और हर परिवार के साथ संवेदनशीलता से खड़े हैं। वहीं, केंद्र सरकार पर उन्होंने आपदा के समय उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। शर्मा ने बताया कि नादौन विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों की लागत से विकास कार्य पूरे हो चुके हैं और कई प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं।

नादौन ब्लॉक कांग्रेस की विशेष बैठक में उपस्थित कार्यकर्ता।

मोती को कांगड़ा बैंक का डायरेक्टर चुनकर भेजें

कांगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के चुनाव नज़दीक हैं। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संतोष संधू ने कोऑपरेटिव सोसायटी के डेलीगेट्स और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे बैंक के मनोनीत डायरेक्टर एवं वरिष्ठ कांग्रेसी मोती जोशी को नादौन जोन से भारी मतों से विजयी बनाकर भेजें।

जज्बा बड़सर डिवीजन में 11 केवी लाइन पर गिरे पेड़, खंभे टूटने से प्रभावित हुई थी बिजली आपूर्ति

बारिश में भी डटे रहे बिजली कर्मी, बहाल की सप्लाई

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। जनसेवा का जज्बा अगर किसी को सिखाना हो तो बिजली बोर्ड के कर्मचारियों से सीखे जान को जोखिम में डालकर भारी बरसात में बड़सर डिवीजन में बिजली की सप्लाई बहाल करने में देर शाम तक ड्यूटी पर डटे रहे। प्रदेश में बरसात आफत बनकर बरस रही है हर तरफ बरसात से भारी नुकसान हुआ है, जिससे जिला हमीरपुर भी अछूता नहीं रहा है।

विधानसभा क्षेत्र बड़सर के अधिकतर गांवों में बिजली सप्लाई बार-बार बाधित हो रही थी, जिसके कारण उपभोक्ताओं को भी कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों ने क्षेत्र में बिजली की सप्लाई बहाली के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। बीते सोमवार को बड़सर विद्युत डिवीजन में 11केवी विद्युत लाइन पर चीड़ के भारी भरकम पेड़ गिरने से कई जगह पर बिजली के खंभे तथा कई स्थानों पर बिजली की तारें टूट जाने के चलते विद्युत आपूर्ति बूरी तरह से प्रभावित हुई थी। बिजली कर्मचारी शाम ढलने के बाद भी क्षेत्र में बिजली सप्लाई चालू करने के लिए लाइन को ठीक करते रहे। बड़सर, मैहरे, बणी, भकरेड़ी, पथलायर, समोह, जलग्रा व छोटा बल्याह आदि क्षेत्रों में बिजली बाधित थी। विभागीय कर्मचारियों ने सोमवार देर रात 9:30 बजे तक बिजली की सप्लाई को बहाल करके सेवाभाव का परिचय दिया है।

तारें टूटने के बाद बिजली बोर्ड के कर्मचारी मरम्मत करते हुए।

बड़सर में कर्मचारियों का टोटा

बता दें कि बिजली बोर्ड के डिवीजन बड़सर में इस वक्त कर्मचारी का भी भारी टोटा चल रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार 525 कर्मचारियों के दल का होना चाहिए, परंतु इस वक्त विद्युत डिवीजन बड़सर में 240 के करीब कर्मचारी बिजली बोर्ड में सेवाएं दे रहे हैं। 285 के करीब पद खाली चल रहे हैं ऐसे में विद्युत सप्लाई की बहाली करना कर्मचारियों के लिए जान बनी हुई है। कहने को तो यह मुख्यमंत्री का गृह जिला है परंतु बिजली बोर्ड के कर्मचारी के लिए सुविधा 0 के समान है।

क्या कहते हैं अधिशाषी अभियंता

अधिशाषी अभियंता बड़सर सुनील भाटिया ने बताया कि भारी बरसात के चलते बड़सर डिवीजन में 11 केवी लाइन पर चीड़ के बड़े-बड़े पेड़ गिरने के चलते कई जगह पोल गिर गए थे तथा कई जगह तारे टूट गई थी। विभागीय कर्मचारियों ने बारिश में भी अपनी ड्यूटी बेखुदी निभाते हुए बिजली लाइनों को ठीक कर बड़सर में अधिकतर गांवों में देर रात तक बिजली की सप्लाई बहाल कर दी है।

बिजली की तारों पर पेड़ गिरने से वार्ड एक में पसरा रहा अंधेरा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सोमवार रात्रि 8 बजे के करीब रेस्ट हाउस के पास सुजानपुर पालमपुर में रोड पर एक पेड़ बिजली की तारों पर गिरने से वार्ड नंबर 1 के अधिकांश घरों की विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। जिसके चलते वार्ड वासियों को अंधेरे में अपनी रात बितानी पड़ी। सुजानपुर-पालमपुर रोड पर रेस्ट हाउस के पास मेन सड़क पर अचानक एक पेड़ बिजली की तारों पर गिर गया। जिससे कुछ समय तक के लिए यातायात भी बाधित हो गया तथा तारें सड़क पर टूट कर गिर गईं। रात के समय में बिजली कर्मचारियों ने भारी बारिश के बीच तारों को सड़क से उठाया तथा यातायात बहाल किया। मंगलवार को कर्मचारियों ने विद्युत व्यवस्था बहाल की। उधर, मंगलवार को सुबह तड़के सुजानपुर-संधोल मार्ग पर ब्यास नदी के पुल के पास 200 मीटर की दूरी पर बड़ा लैंडस्लाइड हो गया। जिसे पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारियों ने 9 बजे के करीब बहाल किया। पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ विजय धीमान ने बताया कि मंगलवार सुबह के समय रोड बंद हुआ था। जिसको कि बहाल कर दिया गया है। उधर, विद्युत विभाग के एसडीओ चंद्रकांत ठाकुर ने बताया कि तारों पर पेड़ गिरने से पोल को नुकसान पहु

अब संपत्ति के लेन-देन में नहीं होगी देरी

विधानसभा ने डिजिटल संपत्ति पंजीकरण प्रणाली विधेयक को दी मंजूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विधानसभा ने पंजीकरण हिमाचल प्रदेश संशोधन पंजीकरण विधेयक 2025 को मंजूरी दे दी, जिससे राज्य में संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल रूप में बदलने का रास्ता खुल गया है। यह विधेयक, जो पंजीकरण अधिनियम, 1908 में संशोधन करता है, सदन में बिना किसी बहस के ध्वनिमत से पारित किया गया।

राजस्व मंत्री जगत सिंह की अनुपस्थिति में, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विधेयक का संचालन करते हुए कहा कि यह पहल पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि अब संपत्ति के लेन-देन में अनावश्यक देरी समाप्त होगी। रजिस्टरों का म्यूटेशन दस्तावेजों के निष्पादन के साथ ही होगा और डिजिटल रिकॉर्ड स्वीकार करने से नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। इससे न केवल प्रक्रिया तेज होगी बल्कि सरकारी तंत्र में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

विधेयक में होंगे कड़ी सुरक्षा उपाय शामिल

विधेयक में डेटा गोपनीयता, सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक नियंत्रित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा उपायों का प्रावधान है। सरकार का मानना है कि यह सुधार न केवल भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन को आधुनिक बनाएगा, बल्कि लालफीताशाही पर रोक लगाएगा और हिमाचल प्रदेश की संपत्ति पंजीकरण प्रणाली को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप बनाएगा।

विधेयक में कई तकनीकी प्रावधान शामिल हैं, जिनमें आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-प्रस्तुति के माध्यम से संपत्ति दस्तावेजों का डिजिटल जमा, डिजिटल हस्ताक्षरों का उपयोग और कुछ कार्यों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा शामिल है। इसके तहत अभिलेखों का सुरक्षित डिजिटल भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा और पंजीकृत दस्तावेजों की प्रमाणित डिजिटल प्रतियां आधिकारिक पोर्टलों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी की जा सकेंगी।

सुधार के अंतर्गत भू-कार्ट मानचित्र और भूमि विवरणों का डिजिटलीकरण किया जाएगा और इन्हें पंजीकरण पोर्टल से जोड़ा जाएगा। न्यायालयों और सरकारी विभागों को अब सीधे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पंजीकरण कार्यालयों को आदेश भेजने की सुविधा होगी। अभिलेखों तक पहुंच को आसान बनाने और दस्तावेजों की परस्पर-संदर्भन को सक्षम बनाने के लिए प्रणाली में उन्नत खोज और पुनर्प्राप्ति सुविधाएं शामिल की गई हैं।

भविष्य में नई नियुक्तियां ओपीएस के तहत होंगी : सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- सदन में महंगाई भत्ते में अंतर को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा
- प्रदेश के कर्मचारियों में अब जगी स्थायी समाधान निकलने की उम्मीद

प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। पूरे सत्र में जहां आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं और सड़क बहाली जैसे मुद्दों पर गहन बहस हुई, वहीं आज सदन में कर्मचारियों के हितों से जुड़ा एक अहम सवाल छाया रहा।

एनपीएस (नई पेंशन योजना) और ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (डीए) में अंतर को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। इस दौरान सरकार ने स्पष्ट किया कि एनपीएस कर्मचारियों के लिए प्रदेश सरकार ने पहले ही बड़ी पहल कर उन्हें राहत दी है।

आनी से भाजपा विधायक लोकेंद्र कुमार ने सवाल उठाया कि क्या एनपीएस और ओपीएस कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में अंतर है और यदि हां तो उसका कारण क्या है। इस पर सरकार ने जानकारी दी कि अतीत में एनपीएस कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते में केंद्र और राज्य के प्रावधानों में असमानता थी, लेकिन अब इसे दूर कर दिया गया है।

सरकार ने बताया कि 10 अक्तूबर 2024 को आदेश जारी कर एनपीएस कर्मचारियों को भी केंद्र सरकार के बराबर महंगाई भत्ता देने की व्यवस्था कर दी गई थी। हालांकि, केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को कितना डीए देती है, उस पर टिप्पणी करना राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

विधानसभा में यह भी याद दिलाया गया कि दिसंबर 2022 में सत्ता में लौटते ही कांग्रेस ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए कैबिनेट की पहली ही बैठक में ओपीएस बहाल कर दी थी। इसका लाभ प्रदेश में कार्यरत 1.36 लाख से अधिक कर्मचारियों को मिला।

इसके बाद सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में होने वाली नई नियुक्तियों को भी ओपीएस का लाभ मिलेगा।

इससे प्रदेश में कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सत्र के आखिरी दिन विपक्ष ने जहां सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा, वहीं सत्ता पक्ष ने अपने निर्णयों और आदेशों का हवाला देकर राहत का दावा किया। कर्मचारियों के बीच अब उम्मीद है कि आने वाले समय में ओपीएस-एनपीएस से जुड़े सभी विवादित पहलुओं पर स्थायी समाधान निकल सकेगा।

ओपीएस बनाम एनपीएस

दिसंबर 2022 में कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही ओपीएस को बहाल कर दिया था। इससे प्रदेश के 1.36 लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ मिला। इसके बाद 10 अक्तूबर 2024 को सरकार ने आदेश जारी कर एनपीएस कर्मचारियों को भी केंद्र सरकार के बराबर महंगाई भत्ता देने का प्रावधान किया। अब सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में होने वाली सभी नई नियुक्तियां भी ओपीएस के तहत होंगी, जिससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता का लाभ सुनिश्चित होगा।

जयराम का उपचुनाव में गलत तरीके से लाभ लेने का आरोप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- कहा-सूचना छुपाने का किया गलत काम, नैतिकता की उड़ाई धज्जियां

पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रतिपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा देहरा विधानसभा क्षेत्र में को-ऑपरेटिव बैंक के माध्यम से महिला मंडलों को पचास-पचास हजार रुपए देने के मामले में सरकार ने सदन में जवाब नहीं दिया।

इस पर भाजपा ने सदन में जमकर विरोध किया और जयराम ठाकुर ने वॉक आउट किया। उनका कहना है कि उप चुनाव के दौरान दिए गए धन का विवरण एक साल से मांगा जा रहा है, लेकिन विधानसभा से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने स्पीकर के आश्वासन के बावजूद आज भी जवाब न मिलने पर सवाल उठाया कि आखिर ऐसी कौन सी जानकारी है जिसे एकत्र नहीं किया जा सकता। जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार जानबूझकर सूचना छुपा रही है क्योंकि उसे पता है कि सूचना के आने पर नतीजे क्या होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए महिला मंडलों को वित्तीय लाभ पहुंचाया और जनता के वोटों का डाका डाला।

विपक्षी नेता ने कहा कि यह न केवल सदन का अपमान है, बल्कि प्रदेश के लोकतंत्र और नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती है। सरकार केवल मित्रों के लिए काम करती है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री सदन और सड़क तक प्रदेशवासियों को गुमराह कर रहे हैं।

विकास पर लगी रोक

जयराम सरकार पर प्रदेश की संपत्तियों को नीला करने और विकास में रोक लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की जमीन बेच दी गई, जबकि न्यायालय ने रोक लगाई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार झूठ बोलकर प्रदेश के विकास को गति नहीं दे सकती और सदन में अपनी कोई उपलब्धि भी गिना नहीं सकी। उनका निष्कर्ष था कि यह सरकार हिमाचल के हितों और जनादेश के प्रति गंभीर नहीं है।

हिमाचल के 36 मंदिरों में चार अरब से ज्यादा की पूंजी जमा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल के सरकारी अधिग्रहण वाले 36 मंदिरों में कुल चार अरब से अधिक की जमा पूंजी है। इसमें सोना और चांदी शामिल नहीं हैं। मंदिरों से तीन साल की अवधि में सीएम सुख आश्रय योजना और सीएम सुख शिक्षा योजना के लिए 3.66 करोड़ जारी किए गए हैं। सबसे संपन्न मंदिर मां चिंतपूर्णी है, जहां बैंक डिपॉजिट के रूप में एक अरब रुपए से अधिक की राशि है। यह जानकारी विधानसभा में लिखित जवाब में सामने आई।

सीएम ने सत्ता संभालने के बाद सीएम सुख आश्रय योजना की शुरुआत की थी। इसके बाद सुख शिक्षा योजना लाई गई। तीन साल में मां नयना देवी मंदिर ट्रस्ट ने एक करोड़ रुपए, बाबा बालकनाथ मंदिर शाहतलाई ने पचास लाख रुपए, और बाबा बालक नाथ ट्रस्ट दियोटसिद्ध ने दो करोड़ रुपए की राशि दी। चार अन्य मंदिरों की सहायता राशि जोड़कर कुल 3.66 करोड़ रुपए बनती है।

मंदिरों की संपत्ति का विवरण

मां चिंतपूर्णी मंदिर ट्रस्ट के बैंक खातों में 100 करोड़ रुपए से अधिक हैं। मां नयना देवी मंदिर के पास 98.82 करोड़ रुपए, बाबा बालक नाथ दियोटसिद्ध के पास 46.22 करोड़, मां ज्वालामुखी के पास 36.71 करोड़, भीमाकाली मंदिर के पास 10.12 करोड़ और जाखू हनुमान मंदिर के पास 7.41 करोड़ रुपए बैंक खातों में जमा हैं।

आपदा प्रभावित बेघर व भूमिहीनों को मिलेगी एक बीघा जमीन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सदन में ऐलान किया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए सरकार अपने खर्चों में कटौती करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एक्ट पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है और आने वाले समय में प्रभावितों को मदद पहुंचाने के लिए कई जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

यदि संसाधन जुटाने के लिए हमारे खर्चों में कटौती करनी पड़े तो यह कदम उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आपदा में बेघर और भूमिहीन लोगों को आवास बनाने के लिए सरकार एक बीघा जमीन देने के लिए तैयार है।

यह मामला केंद्र सरकार के अधीन है और वहां से एफआरए और एफसीए की मंजूरी लेने का प्रयास किया जाएगा।

विपक्ष ने उठाए लंबित मामले और मुआवजे के सवाल

विधायक संजय अवस्थी ने सदन में सवाल उठाया कि आपदा से बेघर लोगों को मकान बनाने के लिए अभी तक जमीन नहीं मिली है। उन्होंने एफसीए की लंबित क्लीयरेंस का हवाला देते हुए कहा कि इन मामलों के निपटारे के लिए विपक्ष के सदस्यों को भी साथ लिया जाए। विधायक संजय रतन ने पूछा कि हिमाचल को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित किया गया है, तो मुआवजा अधिसूचना जारी होने की तिथि से मिलेगा या बरसात में हुए नुकसान को भी कवर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी नुकसान का ध्यान रखा जाएगा और मुआवजा समयबद्ध तरीके से दिया जाएगा।

बागवानों को हुए नुकसान को किया जाएगा कवर

विधायक कुलदीप राठौर ने सेब बागीचों को हुए भारी नुकसान का मामला उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा राहत में सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाएगा और सेब बागवानों को हुए नुकसान को भी कवर किया जाएगा। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने जानकारी दी कि वर्ष 2023 में अर्की और नालागढ़ उपमंडलों में 1080 परिवार प्रभावित हुए थे, जिसमें 121 परिवार अर्की और 959 परिवार नालागढ़ से संबंधित हैं। सरकार ने 10 करोड़ 68 लाख से अधिक की राशि जारी की है, जिसमें 3.08 करोड़ राज्य आपदा मोचन निधि और 7.60 करोड़ राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि से शामिल हैं।

बीबीएमबी व शानन परियोजना की सुप्रीम कोर्ट में हो रही पैरवी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- सीएम सुक्खू बोले- हिमाचल की संपदा को कोई लूट नहीं सकेगा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा में कहा कि हिमाचल की संपदा को लूटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीबीएमबी और शानन बिजली परियोजना के मामलों में सुप्रीम कोर्ट में देश के नामी वकील हिमाचल प्रदेश की पैरवी कर रहे हैं। इसी माह इन मामलों की सुनवाई होने वाली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हितों के लिए सरकार निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। बैरा स्यूल बिजली परियोजना के अधिग्रहण के खिलाफ कंपनी कोर्ट गई है, जबकि सरकार भी अपील करने जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व सरकारों की उदासीनता के कारण बिजली बोर्ड ही डीपीआर तैयार करने का खर्च उठाता रहा, जबकि लाभ कमाने वाली परियोजनाओं को इसका खर्च स्वयं वहन करना चाहिए।

विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल पर सीएम ने कहा कि जेएसडब्ल्यू मामले में सरकार की जीत हुई है। अब 18 फीसदी रॉयल्टी से 250 करोड़ रुपए की आय शुरू हो गई है। बैरा स्यूल परियोजना के मामले में सरकार का स्पष्ट मत है कि 40 साल की अवधि पूरी होने के बाद परियोजना हिमाचल को मिलनी चाहिए। शानन परियोजना के अधिग्रहण के लिए सुप्रीम कोर्ट में कपिल सिब्बल जैसे वकीलों को खड़ा किया गया है।

बीबीएमबी से करोड़ों रुपए का एरियर वसूली की प्रक्रिया में है। इसके अलावा, वर्ष 1990 के बाद स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों को सौंपी गई परियोजनाओं की डीपीआर लागत की वसूली में देरी हो रही है। सरकार ने सभी वंचितों और प्रभावितों को राशन और सुविधाओं का पूरा भरोसा दिया है, ताकि कोई भी परिवार अपने अधिकारों और मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहे।

खट्टे-मीठे अनुभव के साथ विधानसभा का मानसून सत्र संपन्न

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में चौदहवीं विधानसभा का नवम मानसून सत्र 18 अगस्त से 02 सितंबर तक चला। 12 दिन की यह कार्यवाही प्रदेश की जनता के सामने न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीवंत झलक की, बल्कि सदन की सक्रियता और सदस्यों की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया।

इस दौरान विधानसभा में नियमों और प्रक्रियाओं के तहत कई महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चा हुई, विधेयक पारित किए गए और युवाओं को लोकतंत्र की कार्यवाही देखने का अवसर मिला।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि चौदहवीं विधान सभा का यह सत्र अपेक्षा अनुरूप पूर्ण सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। सत्र की कुल 12 बैठकों में लगभग 59 घंटे की कार्यवाही हुई और उत्पादकता 98 प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा कि पहले दिन पूर्व विधायक स्व. गणेश दत्त भरवाल को सदन द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस सत्र में कुल 690 प्रश्नों पर सरकार ने उत्तर उपलब्ध कराए, जिसमें 509 तारांकित और 181 अतारांकित प्रश्न शामिल थे। नियम 62, 63, 101, 102, 130 और 324 के तहत 39 विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सदस्यों ने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए। सत्र के दौरान 09 सरकारी विधेयक पारित किए गए और सदन में 47 समिति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए। शून्यकाल के दौरान सदस्यों ने 43 विषयों पर सार्थक चर्चा की। इसके अलावा, सत्र में दिनाक 21 अगस्त और 28 अगस्त को दो दिन गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस के रूप में निर्धारित थे।

इस सत्र के दौरान प्रदेश के 1118 बच्चों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी, जिससे युवाओं में लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और उत्सुकता की स्पष्ट झलक मिली।

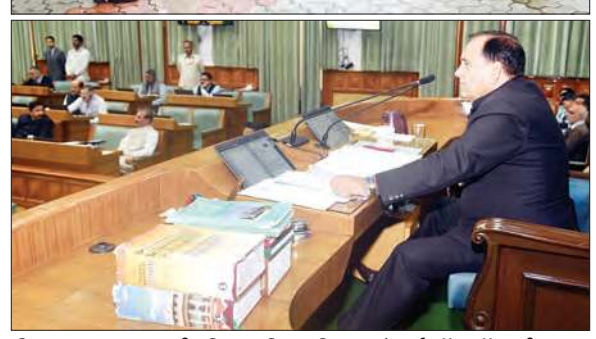

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया सचिवालय में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी लेते हुए और (नीचे) सदन के सत्र संचालन करते हुए।

दशहरा व दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं

अध्यक्ष पठानिया ने इस अवसर पर सभी सदस्यों, विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के कर्मचारियों और मीडिया का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सत्र को सुचारू और प्रभावशाली बनाने में सहयोग किया। उन्होंने आगामी शारदीय नवरात्र, दशहरा और दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश में कोई भी परिवार राशन के बिना नहीं रहेगा : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- राशन, स्वास्थ्य, पटवार सर्किल और जमीन के हक पर रुख स्पष्ट
- विधायक इंद्र सिंह गांधी ने अस्पताल में चिकित्सक न होने की उठाई समस्या

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सदन में शून्यकाल के दौरान उठाए गए मुद्दों पर जवाब देते हुए कहा कि कोई भी परिवार राशन के बिना नहीं रहेगा। चुराह के कुछ क्षेत्रों में राशन की समस्या और मनसा अलवास में सड़क संपर्क कट जाने के मामलों को सरकार प्राथमिकता से हल कर रही है, जिससे आने वाले समय में लोगों समस्या से छुटकारा मिलेगा।

नयना देवी के भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने आठ पटवार सर्किलों को सदर तहसील के साथ रखने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि लोगों को इसस ज्यादा परेशानी पेश आ रही जिस पर इस समस्या का जल्द समाधान होना चाहिए।

वहीं मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने 50 बेड के अस्पताल में चिकित्सक न होने की समस्या उठाई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को चिकित्सक न होने से दूरदराज के अस्पतालों में जाना पड़ता है, जबकि सरकार ने एमआरआई मशीन लगवाने का आश्वासन दिया। भाजपा विधायक बिक्रम सिंह ने वंचितों को जमीन का हक दिलाने की मांग की। नालागढ़ के कांग्रेस विधायक हरदीप सिंह बावा ने 19 अगस्त को कुल्लू से चंडीगढ़ जा रही गाड़ी में युवक के डूबने का मामला उठाया। मुख्यमंत्री ने संबंधित एजेंसियों को कोई कोताही न बरतने के निर्देश दिए।

सभी राशन और स्वास्थ्य सुविधाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। पटवार सर्किलों और तहसील के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, आपदा प्रभावितों और वंचितों के लिए भूमि व अन्य अधिकारों की सुरक्षा का भी पूरा भरोसा सरकार ने सदन में दिया।

विधानसभा विधायकों ने सरकार पर लगाया महत्वपूर्ण जानकारी छुपाने का आरोप

गहमागहमी के बीच विपक्ष का सदन से वॉकआउट

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के बारहवें दिन सदन में विपक्ष और सरकार के बीच विवाद और तनाव देखने को मिला। भाजपा के विधायकों ने आरोप लगाया कि सरकार सदन से महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने का प्रयास कर रही है।

यह विवाद खासकर देहरा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के दौरान महिलाओं को वितरित किए गए कथित वित्तीय लाभ को लेकर उभरा। इसी गहमागहमी के बीच बाद में विपक्ष ने सदन से वाक आउट कर दिया।

इससे पहले विधायक आशीष शर्मा ने सदन में सवाल उठाया कि 1 जून, 2024 से 10 जुलाई, 2024 तक देहरा विधानसभा क्षेत्र के महिला मंडलों को कांगड़ा बैंक द्वारा कितनी धनराशि जारी की गई और किन महिला मंडलों को कितनी राशि मिली। उनका कहना था कि इस संबंध में जानकारी उन्हें आरटीआई के माध्यम से प्राप्त हो चुकी थी, लेकिन सरकार ने सदन में इसका जवाब देने से इनकार किया। आशीष शर्मा ने आरटीआई के उत्तर को सदन के पटल पर रखते हुए अनुपूरक सवाल पूछने का प्रयास किया, लेकिन उनका यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया। इससे नाराज विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर जाने का निर्णय लिया।

सदन के बाहर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह पहली बार है जब विधानसभा सचिवालय ने प्रश्न स्वीकार करने के बाद उसे विलोपित कर दिया। उन्होंने कहा कि सचिवालय पर सरकार का दबाव है और सदन में जानकारी देने से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और संबंधित अधिकारियों द्वारा तथ्यों को छिपाना विपक्ष और आम जनता के अधिकारों का उल्लंघन है।

विधानसभा मानसून सत्र के बारहवें दिन सदन में विपक्षी पार्टी भाजपा के सदस्य सदन से वाकआउट करते हुए।

आईजीएमसी और केएनएच में एक साल में 1625 मौतें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- सदन में सरकार ने रखा आंकड़ा, विपक्ष ने जताई चिंता
- सरकार का जवाब, कमी से नहीं, बीमारी की वजह से हुई मौतें

विधानसभा के मानसून सत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर बड़ा खुलासा हुआ। सदन में पेश आंकड़ों के अनुसार इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज शिमला में एक साल के भीतर 1575 मरीजों की मौत हुई है। वहीं कमला नेहरू अस्पताल में 28 दिन तक के 50 बच्चों ने दम तोड़ा। इसके अलावा वर्ष 2024 में केएनएच में उपचाराधीन 10 महिलाओं की भी मृत्यु दर्ज की गई।

करसोग से कांग्रेस विधायक दीपराज ने सवाल उठाया कि आखिर प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थानों में इतनी अधिक मौतें क्यों हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए इन्हीं संस्थानों पर निर्भर करती है, ऐसे में इतनी संख्या में मौतें होना चिंताजनक है।

स्वास्थ्य मंत्री की ओर से सदन को दिए गए लिखित जवाब में बताया गया कि ये सभी मौतें 1 अगस्त 2024 से 31 जुलाई 2025 की अवधि के बीच हुईं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी मरीज की मौत चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण नहीं हुई। यह सभी आंकड़े मेडिकल एजुकेशन निदेशालय से लिए गए हैं।

लिखित जवाब में विस्तार से जानकारी दी गई। जनवरी 2024 में 154 मरीजों की मृत्यु हुई, फरवरी में 120, मार्च में 142, अप्रैल में 116, मई में 111, जून में 109, जुलाई में 127, अगस्त में 133, सितंबर में 152, अक्तूबर में 120, नवंबर में 136 और दिसंबर में 155 मरीजों ने उपचार के दौरान दम तोड़ा। औसतन हर महीने 131 मरीजों की मौत दर्ज की गई, यानी प्रतिदिन चार से अधिक मरीजों की जान गई।

विपक्ष ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर खड़े किए सवाल

आंकड़े सामने आने के बाद विपक्ष ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए। विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सरकार मौतों का कारण बीमारी बता रही है, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की चिकित्सा सुविधाओं पर लगातार दबाव है। बढ़ती आबादी, सीमित डॉक्टरों और संसाधनों के बीच इतनी मौतें होना गंभीर संकेत है।

सरकार का दावा : स्वास्थ्य सेवाओं में किया है सुधार

सरकार ने हालांकि सदन को आश्वस्त किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है। एम्स बिलासपुर के साथ-साथ शिमला, हमीरपुर, चंबा, नाहन और नेरचौक में मेडिकल कॉलेज स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त रीजनल कैंसर सेंटर, ऊना पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, जिला अस्पतालों, सिविल अस्पतालों और पीएचसी स्तर तक स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार किया गया है। सदन में चर्चा के दौरान यह भी तय किया गया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी। विपक्ष ने मांग की कि बड़े अस्पतालों में मरीज-डॉक्टर अनुपात सुधारा जाए और मशीनों व दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

न्यूज ब्रीफ

युवाओं को सिखाए जाएंगे आपदा प्रबंधन के गुर

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। आपदा की घड़ी में मददगार हाथ बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन ऊना ने सराहनीय पहल की है। इसी माह से ऊना जिले के 275 छात्र-छात्राओं को विधानसभा फतेहपुर के अधीन पड़ते पौंग बांध स्थित अटल बिहारी वाजपेयी क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र में आपदा प्रबंधन (डिजास्टर मैनेजमेंट) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में युवाओं को यह सिखाया जाएगा कि आपदा के समय राहत व बचाव कार्य किस तरह किया जाए, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की तकनीकें क्या हों और खुद को सुरक्षित रखते हुए कैसे मददगार हाथ बढ़ाए जाएं। केंद्र के प्रभारी राकेश वालिया ने बताया कि यह पहल युवाओं को आपदा से निपटने में निपुण बनाएगी। अब तक यहां से सैकड़ों युवाओं को प्रशिक्षित कर समाज को मजबूत बनाया गया है।

मतेहड़ सभा का वार्षिक अधिवेशन 14 को

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। उपमंडल धीरा के अधीन दि मतेहड़ कृषि सेवा सहकारी सभा सीमित मतेहड़ नौरा का वार्षिक अधिवेशन 14 सितंबर को प्रात 11 बजे सामुदायिक भवन मतेहड़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह जानकारी सभा की सचिव आशा रानी ने दी।

अमर सिंह अध्यक्ष और राकेश बने प्रधान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। नगर निगम सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की बैठक मंगलवार को चेयरमैन अमर सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से संघ के चुनाव करवाए गए, जिसमें अमर सिंह अध्यक्ष, राकेश गुप्ता प्रधान, मंजीत सिंह वरिष्ठ उपप्रधान, पाल उपप्रधान, राजेश कुमार महासचिव, प्रेम कुमार सह सचिव, गोपाल कोषाध्यक्ष चुने गए। इसके अलावा सरसा देवी, विदेश कुमार, जितेंद्र, परस राम, अशोक कुमार व सुनील शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। इसके बाद नगर निगम धर्मशाला में अतिरिक्त आयुक्त से सेवानिवृत्त कर्मियों ने पुरानी मांगों को पूरा करने का आग्रह किया कि 65 व 70 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवानिवृत्त कर्मियों को नियमों के तहत वेतन वृद्धि जल्द दी जाए।

आपदा के चलते नक्की मेले को किया रद्द

अनंत ज्ञान, परागपुर। प्रदेशभर में आई आपदा में भारी नुकसान हुआ है। सैकड़ों लोगों के सर से घर की छत छिन गई है। कई लोगों की मौत हो गई है, जिसमें प्राचीन प्रसिद्ध वेदना की मेला कमेटी ने 11 सितंबर को होने वाले नक्की मेल को रद्द कर दिया है। वहीं, मेला कमेटी प्रधान रुपिंदर सिंह डैनी ने समस्त दानवीर सज्जनों को आर्थिक मदद देने की गुहार लगाई है।

रविंद्र देहरा हलके के विकास चर्चा प्रभारी नियुक्त

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव रविंद्र राव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने जिला कांगड़ा में नई पहल करते हुए कार्यकर्ताओं और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए युवा नेता रविंदर बिट्टू को देहरा विधानसभा क्षेत्र का विकास चर्चा प्रभारी नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। राव ने कहा कि रविन्दर बिट्टू हमेशा निस्वार्थ भाव से कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य करते आए हैं और वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण से निभाएंगे। इससे उनका राजनीतिक कद भी और अधिक मजबूत हुआ है। बैजनाथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व पार्टी नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। इस अवसर पर शशि राणा, अनुराग शर्मा, वीरेंदर जम्वाल, मुनीश घाबरू, सैलभ अवस्थी, महिंदर डोहरी, सचिन शर्मा, कृष्ण शर्मा सहित कई कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की।

बाबा बडभाग सिंह का जन्मदिवस मनाया

अनंत ज्ञान, शाहपुर। उपमंडल शाहपुर की मझग्रां पचायत के श्री बाबा बडभाग सिंह मंदिर में बाबा बडभाग सिंह का जन्मदिवस मनाया गया। सुबह मंदिर की सेविका इंदिरा मनकोटिया ने विशाल हवन यज्ञ किया। इसके उपरांत पूजा-अर्चना की। मंदिर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की स्थापना की अमृतसर से आए पाठी गुरमीत सिंह ने शबद कीर्तन करके सगत को निहाल किया। वहीं, सगत भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। समागम के आयोजन मे जयोति मनकोटिया, निशाक, निशचय, सगीता, राहुल शरमा, मानवी, आशा मिनहास, अनीता राणा आदि का विशेष योगदान रहा।

बीमा कंपनी उपभोक्ता को 9% ब्याज सहित देगी 35 हजार रुपए

जिला उपभोक्ता आयोग की खंठपीठ ने सुनाया फैसला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

एक बीमा कंपनी की ओर से उपभोक्ता को 9 फीसदी ब्याज सहित 35,000 रुपए की बीमा राशि शिकायत की तिथि से भुगतान करना होगा। इसके साथ ही बीमा कंपनी द्वारा उपभोक्ता को 7,500 रुपए मानसिक उत्पीड़न मुआवजा और 7,500 रुपए मुकदमेबाजी खर्च भी देना होगा।

यह फैसला जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष हेमांशु मिश्रा, सदस्य आरती सूद व नारायण ठाकुर की खंडपीठ ने सुनाया है। आयोग में दर्ज शिकायत के अनुसार, उपभोक्ता ने बताया था कि 21 नवंबर 2019 को उन्होंने

एक बीमा कंपनी द्वारा अपनी एक भैंस का बीमा 40000 रुपए और दुधारु गाय का बीमा 35000 रुपए की बीमा राशि के रूप में करवाया था। बीमा अवधि के तहत भैंस के लिए 7 साल और गाय के लिए 4 साल की अवधि तय की गई थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि 12 अक्तूबर 2021 को उनकी बीमित गाय की बीमारी से मौत हो गई। पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टर ने पोस्टमार्टम कर रिपोर्ट जारी की। इस पर उपभोक्ता ने तुरंत बीमा कंपनी को सूचित करते हुए इस सारे मामले में 35,000 का दावा प्रस्तुत किया।

साथ ही सभी आवश्यक दस्तावेज और टैग भी कंपनी को सौंप दिए गए, लेकिन लंबे समय तक उन्हें कोई भुगतान नहीं मिला। इस पर कंपनी ने अपना पक्ष रखते हुए यह दावा खारिज करते हुए कहा कि गाय का टैग छेड़ा गया था, इस कारण यह मामला नो क्लेम के तहत बंद कर दिया गया। इस सारे मामले में बीमा कंपनी ने जांच के लिए एक जांचकर्ता को नियुक्त किया था, जिसने जांच में पाया कि मृत गाय वही थी, जिसका बीमा कराया गया था। इसके साथ ही जांच में पाया गया था कि टैग पोस्टमार्टम के बाद सुरक्षित पाया गया था।

साथ ही टैग निकालते समय अनजाने में चाकू से कट जाने की वजह से उसमें छेड़छाड़ जैसी स्थिति बन गई। जिसके तहत इसमें बीमाधारक की कोई गलत मंशा नहीं थी। इस सारे मामले में आयोग ने पाया कि कंपनी ने जानबूझकर दावा खारिज किया और यह सेवा में गंभीर कमी है। जिसके बाद आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उपरोक्त फैसला सुनाया।

लुधियाड़ पंचायत में भारी बारिश से मकान क्षतिग्रस्त

लुधियाड़ पंचायत में भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुआ मकान।

उषा जरियाल, अनंत ज्ञान

जवाली। उपमंडल जवाली के अधीन ग्राम पंचायत लुधियाड़ में लगातार हो रही भारी बारिश लोगों के लिए आफत बनकर बरस रही है। पंचायत लुधियाड़ के वार्ड-6 निवासी कुलदीप कुमार पुत्र अमरनाथ का पक्का मकान क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, देर रात लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मकान की छत गिर गई। हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के भीतर ही मौजूद थे, लेकिन गनीमत यह रही कि किसी प्रकार की जानी नुकसान नहीं हुआ। अचानक गिरी छत से परिवार के लोग दहशत में आ गए और पूरी रात खुले आसमान के नीचे गुजारने को मजबूर हो गए। पीड़ित कुलदीप सिंह बताया कि बरसात के दिनों में इस मकान की छत टपकती थी, लेकिन बीती रात को मकान की छत गिर गई। वहीं, पंचायत उपप्रधान अभिषेक ने प्रभावित परिवार को सरकार व प्रशासन से तुरंत आर्थिक सहायता मुहैया करवाने की मांग की है।

हिमाचल की त्रासदी पर केंद्र की चुप्पी अस्वीकार्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश एक बार फिर भीषण आपदा से जूझ रहा है। पहाड़ों पर लगातार हो रहे भूस्खलन, टूटी सड़कें व पुल, ध्वस्त मकान, बह गए खेत और फंसे हुए पर्यटक यह तस्वीर किसी राज्य विशेष की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय त्रासदी की है। पहले ही नाजुक आर्थिक ढांचे वाले हमारे प्रदेश की रीढ़ टूट चुकी है। मौजूदा त्रासदी के चलते अनुमानित 3056 करोड़ रुपए के नुकसान ने सूबे की आर्थिकी को पूर्ण रूप से ध्वस्त करके रख दिया है। पर्यटन, बागवानी और खेती तीनों ही क्षेत्र तबाही की चपेट में हैं।

आम आदमी पार्टी के पूर्व राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा के बीच केंद्र सरकार की ओर से अब तक केवल रहस्यमयी खामोशी के साथ अनदेखी प्रदेशवासियों की समझ से बाहर की बात हो चुकी है। उन्हें घोर

विशेष आर्थिक पैकेज जारी करे केंद सरकार : भंडारी

आश्चर्य है कि जिस प्रदेश से भाजपा के सात सांसद व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और केंद्र सरकार चुप्पी धारण किए हुए हैं। ऐसे में केवल बड़े-बड़े बयान और फाइलों में उलझी औपचारिकताएं ही देखने को मिल सकती हैं। यह रवैया हिमाचल की जनता के साथ सरासर अन्याय है। जब पूरा प्रदेश आपदा-ग्रस्त घोषित होकर जीवन और आजीविका की लड़ाई लड़ रहा है, तब केवल आश्वासनों से पेट नहीं भरेगा और टूटी छतें नहीं जुड़ेंगी। आम आदमी पार्टी, हिमाचल व केंद्र सरकार से मांग करती है कि हिमाचल प्रदेश के लिए विशेष आर्थिक राहत पैकेज तत्काल घोषित किया जाए।

कृषि विवि में प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर की ओर से जैविक कृषि एवं प्राकृतिक खेती विभाग के माध्यम से भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में हमीरपुर जिले के बिझड़ी और नादौन ब्लॉकों से 29 अधिकारी और किसान शामिल हुए, जिनमें कृषि विभाग के अधिकारी, एसएलआरपी, एलआरपी, सीआरपी और स्थानीय किसान मौजूद रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है, जिससे मृदा स्वास्थ्य की बहाली, जैव विविधता का संरक्षण और सुरक्षित भोजन सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यशाला की अध्यक्षता जैविक एवं प्राकृतिक खेती विभाग के अध्यक्ष डॉ. जनार्दन सिंह ने की। उन्होंने रसायनों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और प्राकृतिक खेती को स्थायी विकल्प बताया। विशिष्ट अतिथि, कृषि विभाग हमीरपुर के उपनिदेशक डॉ. शशि पाल अत्री ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं, आत्मा हमीरपुर के परियोजना निदेशक नितिन कुमार शर्मा ने वैज्ञानिक संसाधन प्रबंधन और प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान धर्मशाला आएंगे

केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में करेंगे शिरकत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान धर्मशाला आएंगे। धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न सेंटर्स का उद्घाटन भी केंद्रीय मंत्री द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय विश्वविद्यालय का नौंवां दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय प्रशासन की मानें तो आगामी दो माह में दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है, जिसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को पत्र भेजकर केंद्रीय मंत्री से आने का आग्रह किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री शिरकत करेंगे।

विश्वविद्यालय के विभिन्न सेंटर्स का भी होगा उद्घाटन

केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न सेंटर्स का उद्घाटन करवाने की योजना भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने बना रखी है। गौरतलब है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेंटर इनोवेटिव, स्किल, एमएमटीसी और ऑनलाइन सेंटर शुरू किए गए हैं, इनका उद्घाटन भी करवाने की योजना है। सीयू का आठवां दीक्षांत समारोह इसी साल 18 जून को आयोजित किया गया था। अब 9वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां भी आरंभ कर दी हैं। इससे पहले आयोजित आठ दीक्षांत समारोह का केंद्रीय विश्वविद्यालय भव्य ढंग से आयोजन कर चुका है। दीक्षांत समारोह में सीयू के विभिन्न बैच के विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाती हैं।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आगामी दो माह में प्रस्तावित है। इसमें मुख्यातिथि के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से आने का आग्रह किया है। सेंटर इनोवेटिव, स्किल, एमएमटीसी और ऑनलाइन सेंटर शुरू किए गए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दीक्षांत समारोह में शिरकत करने के दौरान इन सेंटर्स का उद्घाटन भी करेंगे।

-प्रो. सत प्रकाश बंसल, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश।

परजीवियों की रोकथाम के लिए करें दवा का प्रयोग

अजय पाल, अनंत ज्ञान

पालमपुर। प्रसार शिक्षा निदेशालय चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर ने सितंबर माह के पहले पखवाड़े में किए जाने वाले मौसम पूर्वानुमान संबंधित कृषि एवं पशुपालन कार्यों के बारे में सलाह दी है, जो किसानों को लाभप्रद साबित होगी। धान में नाइट्रोजन की दूसरी व अंतिम मात्रा टॉप ड्रेसिंग के रूप में 50-55 दिनों के बाद अर्थात बाली बनने की प्रारंभिक अवस्था में, अधिक उपज देने वाली उन्नत प्रजातियों के लिए 30 किग्रा तथा सुगंधित प्रजातियों के लिए 15 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टयर की दर से प्रयोग करें। मक्का की फसल में अधिक वर्षा होने की स्थिति में खेत से जल-भराव की स्थिति में जल-निकास का उचित प्रबंध करें। फसल में नर मंजरी निकलने की अवस्था एवं दाने की दूधियावस्था सिंचाई की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। मक्का की दाने के लिए कटाई, तब करें जब भुट्टों के ऊपर की पत्तियां सूखने लगें तथा दाना सख्त हो जाए। प्रदेश के निचले पर्वतीय क्षेत्रों में फूलगोभी की दरम्याना किस्में - पालम उपहार, इम्प्रूवड जापानीज व मेघा की तैयार पौध की रोपाई करें। खेत की अंतिम जुताई एवं रोपाई से पूर्व 250 क्विंटल गोबर खाद के अतिरिक्त 235 किलोग्राम इफको (12:32:16) मिश्रण खाद, 54 किलोग्राम म्यूरेट-ऑफ-पोटाश तथा 105 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर खेत में डालें।

कृषि विवि ने खेती व पशुपालन कार्यों के लिए दी सलाह

पशुपालन में पशुओं को सूखी व स्वच्छ जगह पर रखें, साफ पानी दें और परजीवियों की रोकथाम के लिए समय-समय पर दवा का प्रयोग करें। भेड़ों की ऊन कतराई और चारागाह में भेजने से पहले कृमिनाशक दवा देना जरूरी है।

दलाईलामा डेढ़ माह बाद लौटे मैक्लोडगंज

भारी संख्या में निर्वासित तिब्बतियों ने एयरपोर्ट से मैक्लोडगंज तक किया स्वागत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा करीब डेढ़ माह उपरांत मंगलवार को बौद्ध नगरी मैक्लोडगंज लौट आए हैं। धर्मगुरु 12 जुलाई को लेह-लद्दाख गए थे। लद्दाख से धर्मगुरु दिल्ली गए थे, जहां से मंगलवार को हवाई मार्ग द्वारा कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां सैकड़ों निर्वासित तिब्बती उनके स्वागत के लिए जुटे थे। भारी बारिश के बावजूद एयरपोर्ट से लेकर मैक्लोडगंज तक विभिन्न स्थानों पर निर्वासित तिब्बती धर्मगुरु के स्वागत के लिए जुटे हुए थे। गौरतलब है कि धर्मगुरु दो दिन पहले आने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के चलते नहीं आ पाए थे।

कांगड़ा एयरपोर्ट पर धर्मगुरु दलाईलामा का स्वागत करते निर्वासित तिब्बती।

धर्मगुरु के लौटने पर खुश हैं: गोन्पो

धर्मगुरु के स्वागत के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे तिब्बती युवा संगठन के अध्यक्ष गोन्पो डोंडुप ने कहा कि हम बेहद खुश हैं कि धर्मगुरु वापस लौट आए हैं। धर्मगुरु दो दिन पहले आने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के चलते नहीं आ सके थे, जबकि मंगलवार को धर्मगुरु का आगमन हुआ है। एक माह से अधिक समय तक धर्मगुरु दलाईलामा लद्दाख में रहे और वहां से दिल्ली गए थे, जहां से वापस आए हैं।

तिब्बतियों में खुशी का माहौल: केलसंग

तिब्बती महिला संगठन की उपाध्यक्ष केलसंग डोलमा ने कहा कि धर्मगुरु करीब डेढ़ माह बाद वापस लौट रहे हैं, जिस कारण तिब्बती समुदाय में खुशी का माहौल है और काफी संख्या में धर्मगुरु के स्वागत के लिए तिब्बती कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे हैं।

जुलाई-अगस्त में लद्दाख जाते हैं धर्मगुरु : डोलमा

तिब्बती महिला संगठन की अध्यक्ष छेरिंग डोलमा ने कहा कि जुलाई-अगस्त में लद्दाख का मौसम अच्छा होता है, जबकि धर्मशाला में बारिशें होती हैं, जिसके चलते जुलाई-अगस्त माह धर्मगुरु लद्दाख में गुजारते हैं। हम सभी धर्मगुरु की दीर्घायु की हर रोज कामना करते हैं, क्योंकि विश्व को धर्मगुरु ने शांति का संदेश दिया है।

स्वागत के लिए भारी संख्या में पहुंचे थे अनुयायी

अनंत ज्ञान, गगल। महामहिम दलाईलामा के मंगलवार को स्पाइसजेट के विमान द्वारा दिल्ली से कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचने पर अनुयायियों ने तिब्बती धार्मिक परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत किया गया। उसके बाद महामहिम दलाईलामा सड़क मार्ग द्वारा मैक्लोडगंज के लिए रवाना हो गए। 12 जुलाई को कांगड़ा एयरपोर्ट से लेह लद्दाख की धार्मिक यात्रा पर गए थे। सोमवार को दिल्ली से इंडिगो के विमान द्वारा दिल्ली से कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के चलते इंडिगो के विमान से वह दिल्ली से लैंड नहीं हो सके, जिसके चलते आज पहुंचे।

एससीओ सम्मेलन में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत : शांता

अनंत ज्ञान, पालमपुर

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अंतरराष्ट्रीय बैठक में भारत को एक अत्यंत महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि बैठक में एससीओ देशों ने अप्रैल माह में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की एकजुट होकर कड़ी निंदा की। इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करते समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी उपस्थित थे।

प्रस्ताव में स्पष्ट कहा गया है कि आतंकवाद के दोषियों, साजिशकर्ताओं तथा आर्थिक मददगारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शब्दों से युक्त प्रस्ताव पर चीन और भारत के साथ-साथ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्वारा हस्ताक्षर किया जाना, भारत के लिए एक बहुत बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। शांता ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह का प्रस्ताव पारित करवाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक शानदार सफलता है। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि जिस मंच पर पहले पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र न होने पर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उसका बहिष्कार किया था, उसी मंच के शिखर सम्मेलन में संयुक्त घोषणा पत्र में अब इस हमले का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। यह भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जीत है। इसके लिए उन्होंने सरकार को हार्दिक बधाई दी है।

बरसात के मौसम में हो रही आंखों के रोगों में बढ़ोतरी : डॉ. संदीप

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। एसएमआई अस्पताल घुरकड़ी के निदेशक एवं मुख्य नेत्र सर्जन डॉ. संदीप महाजन ने जानकारी दी कि अगस्त माह में एसएमआई अस्पताल कांगड़ा के सौजन्य से अगस्त माह में 10 नि:शुल्क नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में लगभग 1500 से अधिक मरीजों की आंखों की जांच की गई। डॉ. महाजन ने बताया कि बरसात के मौसम में आंखों के रोगों में वृद्धि देखी गई। शिविरों में आंखों में संक्रमण, सूजन, लालिमा और रोशनी कम होने जैसे लक्षण सामान्य रूप से पाए गए। उम्रदराज मरीजों में सफेद मोतियाबिंद और रेटिना से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। मरीजों को इन बीमारियों के कारण, लक्षण और समय रहते इलाज के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

कहा- 10 शिविरों में 1500 से अधिक मरीजों ने करवाई जांच

एसएमआई अस्पताल की टीम में ऑफथैल्मिक ऑफिसर अमिताभ छाबरा, प्रणव डडवाल, अंजू सहगल, व सहयोगी स्टाफ मनोहर लाल, सुवीन कुमार, रविंद्र कुमार, सूरज प्रकाश व अजय भाटिया शामिल रहे। जांच के दौरान पाई गई बीमारियों के अनुसार दवाइयां भी नि:शुल्क वितरित की गईं। डॉ. महाजन ने बरसात के मौसम में नागरिकों को नदियों व नालों से दूर रहने की सलाह दी और खराब मौसम में यात्रा से बचने का संदेश भी दिया। जिन शिविरों को मौसम के कारण स्थगित किया गया है, उन्हें मौसम अनुकूल होते ही पुन: आयोजित किया जाएगा।

भवानी ने विधानसभा में उठाई मंड क्षेत्र के लोगों की आवाज

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया ने विधानसभा में क्षेत्र की जनता की आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि शाहनहर बैराज (52 गेट) के पास अवैध रूप से चल रहा क्रेशर न केवल पर्यावरण और बैराज की मजबूती के लिए खतरा है, बल्कि आज मंड क्षेत्र में मची तबाही की बड़ी वजह भी है। विधायक ने कहा कि पौंग बांध से छोड़े गए पानी ने मंड क्षेत्र में कहर बरपाया है और इसकी भयावहता को इन अवैध क्रशरों ने और बढ़ा दिया है।

52 गेट बैराज के पास अवैध क्रशर से मंड क्षेत्र में तबाही

नदियों का प्राकृतिक प्रवाह बिगड़ चुका है, जिससे किसानों की उपजाऊ जमीनें और लोगों के घर कटाव की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने चक मीरपुर क्षेत्र के क्रेशरों द्वारा रे पत्तन, बेली और आसपास में चल रहे अवैध खनन पर भी गहरी चिंता जताई। उनका कहना था कि ये गतिविधियां ग्रामीणों को रोजाना असुरक्षा और तबाही के साये में जीने को मजबूर कर रही हैं। पठानिया ने सदन में सरकार से मांग की कि तुरंत सख्त कार्रवाई कर इन अवैध क्रशरों को बंद करवाया जाए, ताकि मंड क्षेत्र और आसपास के गांवों को बचाया जा सके।

गुड न्यूज निर्धारित समय में डिप्लोमा पूरा न करने वाले विद्यार्थियों के लिए राहत

तकनीकी शिक्षा बोर्ड देगा परीक्षा का विशेष मौका

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। तय समय में डिप्लोमा पूर्ण न करने वाले अभ्यर्थियों को हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड परीक्षा का विशेष मौका देने जा रहा है। इसके तहत संबंधित अभ्यर्थी दिसंबर माह में होने वाली परीक्षा में भाग ले सकेंगे।

तकनीकी शिक्षा बोर्ड ने उन छात्र-छात्राओं को विशेष अवसर प्रदान करने जा रहा है, जिन्होंने किसी कारणवश अपने डिप्लोमा को निर्धारित समयावधि में पूर्ण नहीं किया है। बोर्ड ने विशेष निर्णय लेते हुए स्पष्ट किया है कि पाठ्यक्रम एन -2007, एन -2012 और एन -2017 के छात्र-छात्राओं को आगामी नवंबर, दिसंबर 2025 परीक्षा सत्र में अंतिम मौका दिया जाएगा। बोर्ड सचिव अशोक पाठक ने बताया कि इस विशेष अवसर के लिए छात्रों से 2500 रुपए प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क लिया जाएगा। एन-2007 व एन -2012 पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए परीक्षा फार्म ऑनलाइन कर दिए गए हैं। 1 अक्तूबर 2025 तक बिना विलंब शुल्क भरा जा सकेगा। इसके बाद 2 अक्तूबर से लेकर परीक्षा आरंभ होने से दस दिन पूर्व तक फार्म भरने पर 2500 रुपए प्रति सेमेस्टर अतिरिक्त विलंब शुल्क देना होगा।

दिसंबर माह की परीक्षा में भाग ले सकेंगे अभ्यर्थी

सचिव ने स्पष्ट किया कि सभी परीक्षा फार्म केवल ऑनलाइन मोड से ही स्वीकार किए जाएंगे। छात्र-छात्राएं बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी लॉगिन आईडी से फॉर्म भर सकते हैं। किसी भी समस्या की स्थिति में मेल या नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

अवैध खनन मामले में पठानकोट में मामला दर्ज

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, इंदौरा। हिमाचल-पंजाब की सीमा में पड़ती चक्की खड्ड में होने वाली माइनिंग मामले में पठानकोट में शिकायत दर्ज करवाई है। जेई आकाश शर्मा ने सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाकर थाना डिवीजन नंबर-2 को अलग से कार्रवाई संबंधी शिकायत दर्ज करवाई। एसएचओ मनदीप सलगोत्रा ने कहा कि माइनिंग विभाग के जेई आकाश के बयान दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है और जो भी जांच में आरोपी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सोमवार को माइनिंग विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी कर 6 ट्रालियां कब्जे में ली थी। इस मामले में माइनिंग विभाग पंजाब की कार्रवाई को देख माफिया ने गुंडागर्दी दिखाई। माइनिंग विभाग के साथ थाना डिवीजन नंबर-2 की पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। इतने में हिमाचल पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों राज्यों की पुलिस ने मौके से अपने-अपने हिस्से में आती ट्रालियां कब्जे में ली।

देहरा के चार स्कूलों के विकास कार्यों के लिए 33 लाख स्वीकृत: कमलेश

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, देहरा। देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने बताया कि शिक्षा खंड देहरा, डाडासीबा और परागपुर क्षेत्र के चार स्कूलों के भवन निर्माण और बाउंड्रीवाल कार्य के लिए 33 लाख रुपए की अग्रिम राशि स्वीकृत की गई है। इसमें राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुंडीहार को 2 लाख, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भटोली फकोरियां को 20 लाख, सुनेहत को 10 लाख रुपए और करोल को 1 लाख रुपए दिए गए हैं। यह राशि राज्य अनुदान 2025-26 के विशेष अनुदान के तहत डीपीओ कांगड़ा के पक्ष में स्वीकृत की गई है। विधायक ने कहा कि इससे निर्माण कार्य शीघ्र पूरे होंगे। राशि स्वीकृति पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पेंद्र ठाकुर, जिला महासचिव इंद्रजीत शर्मा, बीडीसी सकरी मंजीत, पंचायत प्रधानों व अन्य प्रतिनिधियों ने विधायक कमलेश ठाकुर का आभार जताया।

पुलिस कार्यप्रणाली से रू-ब-रू होंगे सीयू स्टूडेंट्स और रिसर्चर

केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला और आईआरबीएन सकोह के बीच एमओयू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला ने द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन (द्वितीय आईआरबीएन) सकोह, (धर्मशाला) के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओ व संकाय सदस्यों द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन सकोह के अधिकारियों, प्रशिक्षकों, संकाय व प्रशिक्षुओं के बीच बातचीत के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना है।

सीयू प्रमुख शोध क्षेत्रों एवं मुद्दो की पहचान करेगा, जिन पर संकाय सदस्य शोध कार्य कर सकें तथा नियमित रूप से हिमाचल प्रदेश पुलिस को प्रतिपुष्टि एवं प्रशिक्षण प्रदान कर सकें। इस

सीयू के कुलसचिव और द्वितीय आईआरबीएन सकोह के कमांडेंट ने हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन का उपयोग पुलिस कर्मियों को विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर अपने ज्ञान को अद्यतन करने में मदद करने के लिए किया जाएगा। छात्रों और शोधकर्ताओं को पुलिस कार्यप्रणाली और प्रशिक्षण का अनुभव प्रदान किया जाएगा। यह सहयोग अनुसंधान और विकास गतिविधियों तथा प्रशिक्षण पर आधारित होगा, जिसमें न केवल छात्र, शोधकर्ता और पुलिस अधिकारी शामिल होंगे, बल्कि संकाय सदस्य और अन्य कर्मचारी भी भाग लेंगे। इस सहयोग में छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान गतिविधियां और पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण शामिल है। इस दस्तावेज पर हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलसचिव और द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन (द्वितीय आईआरबीएन) सकोह (धर्मशाला) के कमांडेंट द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए गए। सीयू के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के अनुसार, इस एमओयू का उद्देश्य सीयू के संकाय सदस्यों और छात्रों को द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन सकोह के संकाय सदस्यों और प्रशिक्षुओं के साथ संवाद को सुविधाजनक बनाना और सुनिश्चित करना है। सहयोग के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करना शामिल है, जिससे उनके अधिगम में वृद्धि हो। सीयू समय-समय पर पुलिस कार्यप्रणाली एवं द्वितीय आईआरबीएन में प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधार के लिए अनुशंसाएं प्रदान करेगा।

भारी बारिश से बल्लाह में सड़क धंसी

परौर-धीरा-पुढ़बा संपर्क मार्ग पर बल्लाह में बारिश से धंसी सड़क।

अनंत ज्ञान, डरोह

भारी बारिश से जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है। मकान क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। इसके चलते मंगलवार सुबह परौर-धीरा-पुढ़बा संपर्क मार्ग पर बल्लाह में एक तरफ से सड़क धंस गई। इसके बावजूद सड़क पर वाहन दौड़ते रहे। इस संदर्भ में लोक निर्माण विभाग उपमंडल धीरा के सहायक अभियंता मनोज सूद ने बताया कि मौसम साफ होते ही उक्त सड़क के धंसे हुए हिस्से की मरम्मत करवा दी जाएगी, ताकि यातायात के आवागमन में वाहन चालकों को किसी प्रकार की दिक्कत न उठानी पड़े।

पूर्व विधायक ने लिया क्षतिग्रस्त सड़क का जायजा

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय उच्च मार्ग-154 के एतिहासिक शिव मंदिर बैजनाथ के पास हो रहे भूस्खलन से सड़क और मंदिर दोनों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। पूर्व विधायक मुल्खराज प्रेमी ने मंगलवार को सड़क का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि जल्द उपाय करे, नहीं तो बहुत ज्यादा नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहो कि कांगड़ा-चंबा के भाजपा सांसद राजीव भारद्वाज और राज्यसभा सांसद इंदू गोस्वामी से भी अनुरोध करेंगे की राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण इस सड़क के मसाले को सांसद तथा भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष भी प्रमुखता से रखें। पठानकोट-मनाली राष्ट्रीय उच्च मार्ग, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ मुख्य मार्ग भी है और सेना के लिए खाद्य पदार्थ तथा अन्य सामान की आपूर्ति इस मार्ग से भी होती है । इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष पवन चौधरी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर, मंडल उपाध्यक्ष सुनील चौहान, रोहित कौशल मीडिया प्रभारी अनिल अवस्थी, सचिव सुमित अवस्थी और कुलदीप राणा आदि उपस्थित रहे।

हैप्पी बर्थडे

बिलासपुर की शानवी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

झरेट के मनीष कौशल को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

न्यूज ब्रीफ

आकाश शर्मा अध्यक्ष, निशांत डोगरा बने उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। उपायुक्त कार्यालय कर्मचारी यूनियन के चुनाव मंगलवार को संपन्न हुए, जिसमें आकाश शर्मा को अध्यक्ष, निशांत डोगरा उपाध्यक्ष, शशी महासचिव व विशाल को कैशियर चुना गया।

पांच लाख से बनेगा कॉमन कॉज भवन : काकू

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। कांगड़ा के साथ लगते ढुगियारी गांव में गणेश उत्सव की पूजा पर कांगड़ा के पूर्व विधायक सुरेंद्र काकू ने कहा कि नौजवानों व महिलाओं के लिए पांच लाख रुपए से कॉमन कॉज भवन बनाया जाएगा। पूर्व विधायक चौधरी सुरेंद्र काकू ने कहा कि ढुगियारी गांव को सड़क से जोड़ने के लिए मेरे कार्यकाल में कांगड़ा, जमानाबाद, अब्दुलापुर, भडियाड़ा, मेहरना, खडियाड़ा सड़क पर मांझी खड्ड पर पुल बनाकर इन गांवों को जोड़ा था। मेहरना, बैदी, सनौरां, भडियाड़ा, तियारा, समीरपुर 20 करोड़ रुपए की पानी पीने कि योजना लाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ, जिससे लोगों को स्वच्छ पानी मिला।

पंजाब का युवक चिट्टे समेत गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान तहत पालमपुर के युवक को चिट्टे समेत गिरफ्तार किया गया है। सोमवार रात पालमपुर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान 27 वर्षीय कर्मवीर सिंह निवासी गांव व डाकघर शंकर, तहसील व थाना डेलो, जिला लुधियाना पंजाब, से 1.99 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना पालमपुर में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा पुलिस का नशे के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। नशे और अन्य अवैध कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

इंप्रूवमेंट पॉलिसी लाने की तैयारी में शिक्षा बोर्ड

एक से अधिक परीक्षाओं में फेल परीक्षार्थी को जुलाई में मिल सकेगा परीक्षा का मौका

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड इंप्रूवमेंट पॉलिसी लाने की तैयारी में जुटा है। इसका प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा जाएगा। इस पॉलिसी के तहत वर्ष में दो बार परीक्षा का प्रावधान होगा, जिसमें मार्च की परीक्षा में एक से अधिक परीक्षाओं में फेल परीक्षार्थी को जुलाई माह में पुन: परीक्षा का मौका दिया जाएगा।

स्कूल शिक्षा बोर्ड इस पॉलिसी को दसवीं व बारहवीं कक्षाओं में शुरू करेगा। पॉलिसी के तहत किसी भी विद्यार्थी को न तो फेल किया जाएगा और न ही उसका परिणाम कंपार्टमेंट रहेगा। शिक्षा बोर्ड वर्ष में दो बार परीक्षाएं

एक से अधिक परीक्षाओं में फेल परीक्षार्थी को जुलाई में मिल सकेगा परीक्षा का मौका

आयोजित करेगा। पहली परीक्षा का आयोजन मार्च माह में होगा, जबकि दूसरी परीक्षा जुलाई माह में आयोजित की जाएगी। बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्य परीक्षा मार्च में होगी तथा इस परीक्षा में कोई परीक्षार्थी एक या इससे अधिक विषयों में फेल होता है तो उसे जुलाई माह में दोबारा परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। इसके अलावा मार्च में आयोजित परीक्षा में पास अभ्यर्थी अगर अपने परीक्षा परिणाम में आए अंकों में सुधार करना चाहेंगे तो वे भी जुलाई माह में दोबारा परीक्षा दे सकेंगे। इंप्रूवमेंट पॉलिसी के तहत आने वाले विद्यार्थी अगली कक्षा में प्रवेश ले सकेंगे। वहीं, अगर वे जुलाई माह में आयोजित परीक्षा को पास कर लेते हैं तो उनकी पढ़ाई आगे जारी रहेगी, अगर उनका परिणाम फेल आता है तो उन्हें फिर से अपनी पुरानी कक्षा में बैठना होगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल ने इंप्रूवमेंट पॉलिसी का प्रारूप तैयार कर लिया है, जिसे मंजूरी के लिए सरकार के समक्ष रखा जाएगा, जिसे स्वीकृति मिलने पर अगले शैक्षणिक सत्र से लागू कर दिया जाएगा।

> **स्कूल** शिक्षा बोर्ड छात्र हित में कई अहम निर्णय ले रहा है। इसी कड़ी में इंप्रूवमेंट पॉलिसी का प्रारूप तैयार किया गया है। इससे निश्चित तौर पर विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। पॉलिसी के प्रपोजल को सरकार के समक्ष रखा जाएगा, स्वीकृति मिलने पर इसे अगले साल से लागू करने के प्रयास किए जाएंगे।
> **-डॉ. राजेश शर्मा, चेयरमैन, स्कूल शिक्षा बोर्ड।**

थुरल अस्पताल की आरकेएस बैठक में अहम फैसला

मेडिकल फीस 250 व पर्ची फीस 10 रुपए की निर्धारित

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान

डरोह। सिविल अस्पताल थुरल की रोगी कल्याण समिति की गवर्निंग बॉडी बैठक उपमंडल अधिकारी धीरा सलीम आजम की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इसमें खंड चिकित्सा अधिकारी थुरल डॉ. अनीता शर्मा, सदस्य सचिव डॉ. अंजन कालिया तथा प्रधान ग्राम पंचायत थुरल बंदना कायस्थ, बीडीसी सदस्य सुषमा राणा, जिला परिषद राजेश धीमान व अन्य सभी सदस्य शामिल रहे। बैठक में महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसमें मुख्य रूप से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 25,28,000 रुपए का बजट पारित किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मेडिकल फीस 200 रुपए से बढ़ाकर 250 रुपए की गई और रोगी पर्ची फीस 10 रुपए निर्धारित की गई।

शाहपुर में 19 को होंगे ड्राइविंग टेस्ट

अनंत ज्ञान, शाहपुर। उपमंडल शाहपुर में 19 सितंबर को 10:30 बजे से 1:30 ड्राइविंग टेस्ट व 2 बजे से 5 बजे तक वाहनों की पासिंग किया जाना प्रस्तावित है। ड्राइविंग टेस्ट के लिए आवेदन करने वाले आवदेक ऑनलाइन ड्राइविंग टेस्ट के लिए 10 सितंबर सुबह 11:30 बजे से अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं। यह जानकारी कार्यालय उपमंडल अधिकारी (नागरिक) एवं अनुज्ञापन एवं पंजीकरण अधिकारी शाहपुर ने दी।

पौंग बांध से छोड़ा 79891 क्यूसेक पानी, खतरे के निशान से ऊपर जलस्तर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते ब्यास नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है। भारी बारिश के कारण कांगड़ा जिला के पौंग बांध का जलस्तर लगातार चौथे दिन खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, जिससे लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। मंगलवार को भी बांध से 78891 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मंगलवार सुबह 9 बजे पौंग डैम का जलस्तर 1,390.84 फुट दर्ज किया गया, जो निर्धारित खतरे के निशान 1,390 फुट से थोड़ा अधिक है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को पौंग बांध का जलप्रवाह 1,32,618 क्यूसेक रहा। सोमवार को यह 79,790 क्यूसेक था। इस प्रकार, 24 घंटों में जलप्रवाह में 52,828 क्यूसेक की वृद्धि हुई है। जलस्तर बढ़ने के कारण परियोजना की छह चालू मशीनों और स्पिलवे गेटों के जरिए 79,891 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। हालांकि, जलप्रवाह सोमवार के 1,09,920 क्यूसेक से कम था।

बरसात में अब तक 50 लोगों की मौत, 110 करोड़ का नुकसान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कांगड़ा जिले में भारी बरसात का कहर जारी है। करीब ढाई माह के दौरान जिले में बरसात के दौरान अभी तक 50 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, निजी संपत्ति को 110 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। इसके अलावा दो लोग अभी भी लापता हैं। जिले में अगर 50 लोगों की मौत की करें तो सबसे अधिक 19 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुई हैं। इसके अलावा 8 लोग डूबने से, 7 लोग बाढ़ से, 5 ऊंचाई से गिरने से, 4 सांप के काटने से, 3 बिजली का करंट लगने से, 2 पत्थर गिरने तथा एक व्यक्ति की दीवार गिरने से मौत हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान जिले के नगरोटा बगवां में एक महिला की ऊंचाई से गिरने से मौत हो गई।

मृतक महिला की पहचान गीता देवी पुत्री फालतू राम निवासी मलमूह संधू नगरोटा बगवां के रूप में हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश और भूस्खलन से जिले में 21 मकानों सहित एक दुकान और 22 गोशालाओं को नुकसान हुआ है। इन घटनाओं में 29 लाख से अधिक के नुकसान का आकलन किया गया है। इस दौरान 16.53 लाख के नुकसान का आकलन किया गया है। अब तक 15 पक्के घर और 100 कच्चे मकान पूरी तरह जमींदोज हो चुके हैं। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त पक्के घरों की संख्या 60 जबकि कच्चे घरों की संख्या 753 पंहुच गई है। जिले में अभी तक कुल 928 घरों और 958 गोशालाओं को भी नुकसान हो चुका है। इसके अलावा 26 दुकानों और 34 रसोईघरों को भी नुकसान हुआ है। जिले में अब तक बरसात में हुए नुकसान की बात करें तो बीते 20 जून 2025 से अब तक कुल 171 पशुधन की हानि हुई है। 20 जून से 12 अगस्त 2025 तक जिले में बरसात से कुल मिलाकर 110 करोड़ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान दर्ज किया गया है।

जयसिंहपुर लोक निर्माण विभाग को 17.48 करोड़ रुपए का नुकसान

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर लोक निर्माण विभाग को 17.48 करोड़ रुपए कास नुकसान। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन विजय वर्मा ने बताया कि अभी तक लोक निर्माण विभाग जयसिंहपुर का 17.48 करोड़ का नुकसान हो चुका है। जयसिंहपुर की क्षेत्र की सभी सड़के स्थायी रूप से बहाल कर दी गई हैं और जांगल से औच सड़क मार्ग छोटे वाहनों के लिए देर शाम तक खोल दिया गया है। भारी बारिश के कारण रोहित सिंह पुत्र राजिंदर सिंह गांव कमांद का शौचालय राजेश कुमार जमीत सिंह हारसी का एक कच्चा कमरा क्षतिग्रस्त हो गया, कमल जीत पुत्र जगत राम ओर नरेश कुमार प्रकाश चंद की गोशाला ढह गई व रोशन लाल पहलड़ू गांव कोहला का स्लेटपोश मकान गिर गया । एसडीएम संजीव ठाकुर ने बताया कि बरसात से प्रभावित सभी को तिरपाल मुहैया करवा दिए गए हैं ।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आरुषि प्रथम

सत्य साईं एजुकेयर विद्या प्रतिष्ठान स्लेट गोदाम में नेत्र देखभाल एवं नेत्रदान पखवाड़े के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला स्वास्थ्य विभाग कांगड़ा ने मंगलवार को सत्य साईं एजुकेयर विद्या प्रतिष्ठान स्लेट गोदाम में नेत्र देखभाल एवं नेत्रदान पखवाड़े के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया। सीएमओ डॉ. अनुराधा शर्मा के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. शैलेंद्र मिन्हास ने नेत्र देखभाल और नेत्रदान के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि आंखें हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं और इनकी उचित देखभाल करना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना था, ताकि नेत्रहीन लोगों के जीवन में उजाला लाया जा सके। इस अवसर पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आरुषि प्रथम, प्रिस द्वितीय और सोनाक्षी तृतीय स्थान पर रहीं।

अवैध कब्जों पर कार्रवाई के आदेश से प्रभावित 23 को करेंगे रैली : अतुल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला के समाजसेवी अतुल भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेशों से प्रभावित होने वाले लोग धर्मशाला में 23 सितंबर को एक रैली के रूप में एकत्रित होंगे। प्रदेश उच्च न्यायालय का फैसला आया है कि अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो। इस फैसले से पीड़ित लोगों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। ढगवार चौहला, जूहल, ठेहड़, नरवाणा खास व आसपास के क्षेत्रों के लोगों के से बैठकें हो चुकी हैं और टोलियां बन गई है। रविवार को ढाई बजे पटोला खनियारा में बैठक रखी गई है। सभी लोगों से चर्चा हो रही है। भारद्वाज ने पत्रकारवार्ता में कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार संबंधित भूमि पर काबिज लोगों को उनका मालिकाना हक दे। कब्जे वाली जमीन का मालिकाना हक वाली जमीन के साथ तबादले करें, लोगों को जमीन लीज पर दें। संबंधित जमीन को लीज आवंटित करें। इससे सरकार का खजाना भी भरेगा और अवैध कब्जों का झंझट भी खत्म होगा। इस लिए लोगों की आवाज बनते हुए नारा दिया गया है कि मेरा घर मेरा हक, मेरा रोजगार मेरा स्वाभिमान। भारद्वाज ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने भी लोगों को गुमराह किया है और वर्तमान की सरकार भी उच्च न्यायालय में अपना पक्ष नहीं रख पाई है, जिसका दंश आज आम लोगों को झेलना पड़ रहा है।

एचपीसीए ने 24 सदस्यीय सीनियर टीम की घोषित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) की ओर से आयोजित किए जा रहे डॉ. कैप्टन के. थिम्मप्पैया मेमोरियल टूर्नामेंट 2025-26 के लिए एचपीसीए ने अपनी पुरुष सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। केएससीए की ओर से आयोजित इस चार दिवसीय प्रारूप के टूर्नामेंट में देशभर की शीर्ष घरेलू टीमें हिस्सा लेंगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि इस 24 सदस्यीय हिमाचल क्रिकेट टीम में कुल्लू के अभिनंदन भारद्वाज, कांगड़ा के आकाश वशिष्ठ, अपूर्व वालिया, अर्पित गुलेरिया, अविकास, इन्नेश महाजन, मणि शर्मा व सिद्धांत पुरोहित को जगह मिली है। ऊना जिला के अंकुश बैंस व हरितिक कालिया ने जगह बनाई है। इसके अलावा जिला मंडी के आयुष जम्वाल, जिला सोलन से दिवेश शर्मा, विपिन शर्मा, जबकि हमीरपुर से एकांत सेन, मृदुल सुरोच, प्रिंस ठाकुर, शुभम अरोड़ा, विनय गलेटिया ने जगह बनाई है। जिला शिमला से मुकुल नेगी, नवीन कंवर, निखिल गंगटा और लाहौल-स्पीति से रवि ठाकुर को टीम में जगह मिली है। इसके साथ ही जिला बिलासपुर से रोहित ठाकुर और किन्नौर से वैभव अरोड़ा को टीम में जगह मिली है।

परमार ने बताया कि टूर्नामेंट के सभी मुकाबले चार दिवसीय प्रारूप में हिमाचल की टीम अपने अभियान की शुरुआत 4 सितंबर से एसजेसीई मैसूर में केएससीए कोल्ट्स इलेवन के खिलाफ करेगी। इसके बाद 9 से 12 सितंबर को एचपीसीए बनाम बड़ौदा की टीम का मैच एसडीएनआरडब्ल्यू मैसूर, जबकि 15 से 18 सितंबर को एचपीसीए बनाम आंध्र का मैच एसजेसीई मैसूर में खेला जाएगा। इसके साथ ही टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 21 से 24 सितंबर, केएससीए/आलूर व फाइनल मैच 26 से 29 सितंबर को केएससीए स्टेडियम में खेला जाएगा। उन्होंने चयनित टीम सदस्यों को बधाई देते हुए टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

फेरबदल अब 24 से 28 सितंबर तक होगी अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट की वेरिफिकेशन

पुलिस भर्ती: डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन तिथियों में बदलाव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

पुलिस कांस्टेबल पदों पर चल रही भर्ती के तहत डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन की तिथियों में प्रदेश में बरसात को देखते हुए बदलाव कर आगे बढ़ाया गया है। चार से नौ सितंबर के बीच शेड्यूल किए गए कार्यक्रम को अब आगे बढ़ाकर 24 से 28 सितंबर कर दिया गया है। इसके तहत कांगड़ा जिले के 367 महिला व पुरुष उम्मीदवारों की 24 सितंबर को पुलिस भर्ती में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पुलिस लाइन भराड़ी शिमला में की जाएगी। हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग में स्पेशलाइज्ड ड्यूटी के लिए पुलिस कांस्टेबल की भर्ती के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग ने डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन का शेड्यूल आपदा को देखते आगे बढ़ाकर पुन: निर्धारित किया है। डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन चार से नौ की बजाय 24 से 28 सितंबर तक पुलिस लाइन भराड़ी शिमला में होगी।

आयोग ने उम्मीदवारों के ई-कॉल लैटर्स जारी कर दिए हैं। पात्र उम्मीदवारों के लिए नई तिथियों के तहत ई-कॉल लेटर्स आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इसके अलावा एसएमएस के जरिए भी सूचित किया गया है। इससे संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार आयोग के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। लोक सेवा आयोग शिमला ने दो अगस्त को पुलिस विभाग में स्पेशलाइज्ड ड्यूटी के लिए पुलिस कांस्टेबल के 1088 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट का परिणाम घोषित किया था और इसमें कुल 1964 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए हैं। पुरुष कांस्टेबल के 708 पदों के लिए लिखित परीक्षा के आधार पर 1343 उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। इसके अलावा महिला कांस्टेबल के 380 पदों के लिए इस परीक्षा के आधार पर 621 उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट हुई हैं। इसी कड़ी में जिला कांगड़ा में 276 पुरुष व 91 महिला उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया गया है। अब लिखित परीक्षा के आधार पर शॉर्टलिस्ट हुए उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया है।

> **उम्मीदवारों** को आपदा की स्थिति में दस्तावेज जांच से वंचित न रहने के चलते राज्य सरकार की ओर से तिथि को आगे बढ़ाया गया है। उम्मीदवारों को अब आगामी निर्धारित तिथि के तहत भराड़ी शिमला में पहुंचकर अपने दस्तावेजों की जांच करवानी होगी।
> **अशोक रत्न, एसपी जिला कांगड़ा**

भाजपा थुरल मंडल की बैठक में बूथ की मजबूती पर चर्चा

अनंत ज्ञान, डरोह। ग्राम केंद्र थुरल की बैठक अध्यक्ष सुरेश राणा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भाजपा थुरल मंडल के अध्यक्ष विकास धीमान, महामंत्री विजय राणा, भंडारी राम, सचिव सरिता राणा, कार्यकारिणी सदस्य जगजीत सिंह, कल्याण चंद, बूथ अध्यक्ष पवन कुमार, शम्मी कपूर और 11 सदस्य एवं पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष ने सदस्य कमेटी के कार्यों की जानकारी दी। बूथ को मजबूत करने पर चर्चा की गई। महामंत्री विजय राणा ने वेबएक्स ऐप, सरल ऐप, नमो ऐप और परमार के फेसबुक पेज के संबंध में जानकारी व पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की सूचना वहां पर कार्यकर्ताओं को दी।

दुधारू पशु बीमा पर लाभार्थियों को मिलता 50% अनुदान : डॉ. सीमा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

पशु स्वास्थ्य एवं प्रजनन धर्मशाला की उपनिदेशक डॉ. सीमा गुलेरिया ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले पशुपालन को मजबूत करने के लिए जिले में पशुपालन विभाग लगातार सार्थक कदम उठा रहा है। विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाएं न केवल पशुपालकों की आय में वृद्धि कर रही हैं, बल्कि पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार लाकर ग्रामीण जीवन को नई दिशा भी दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि पशुपालकों को संगठित करने और दुग्ध उत्पादन को व्यावसायिक रूप देने के लिए विभाग ने दुग्ध उत्पादक सहकारिता समितियों का गठन किया है। कांगड़ा जिले में अब तक 50 समितियां गठित की जा चुकी हैं। ये समितियां न केवल पशुपालकों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवा रही हैं, बल्कि उन्हें सामूहिक शक्ति के रूप में आत्मनिर्भर भी बना रही हैं। इसके अलावा पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए दुधारू पशु बीमा योजना लागू है। इसमें पात्र लाभार्थियों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। जिले में अब तक 5048 दुधारू पशुओं का बीमा किया जा चुका है। यह कदम पशुपालकों को आत्मविश्वास देता है कि किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी उनका आर्थिक नुकसान कम होगा। डॉ. सीमा गुलेरिया ने कहा कि पशुओं में रोग फैलने की समस्या अकसर ग्रामीण परिवारों को भारी नुकसान पहुंचाती है। इस स्थिति से निपटने के लिए विभाग ने व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया गया है।

उन्होंने कहा कि मुंह-खुर रोग निवारक टीकाकरण के तहत इस वर्ष अब तक 2,31,340 बड़े पशुओं और 1,66,692 छोटे पशुओं को टीके लगाए गए। इसके अलावा गलघोटू रोग से बचाव के लिए 1,72,500 बकरियों का टीकाकरण किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

आईडी भंडारी के निधन पर शोक व्यक्त किया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आईडी भंडारी ने अपने सेवाकाल के दौरान अपने दायित्वों और कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण लगन और निष्ठा से किया। उनकी उत्कृष्ट सेवाएं और समर्पण अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रो. चंद्र कुमार ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

वहीं, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आईडी भंडारी एक अनुशासन प्रिय अधिकारी थे। उन्होंने राज्य में पुलिस बल को सशक्त बनाने तथा विभाग के आधुनिकीकरण में विशेष योगदान दिया है। उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन सदैव पूर्ण लगन और निष्ठा से किया। उपमुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

संजीवनी सहारा समिति ने की पीड़ित की आर्थिक मदद

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। संजीवनी सहारा समिति रोहड़ू ने समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मुंछाड़ा के थयानटू गांव निवासी रतन चंद की आर्थिक मदद की है। हाल ही में भारी बारिश से उनका मकान क्षतिग्रस्त हो गया था। समिति ने उन्हें 12 हजार रुपए की राशि दी है! वहीं समिति के सदस्य कुशाल नेगी ने भी व्यक्तिगत रूप से 2 हजार रुपए का सहयोग किया है। समिति के अध्यक्ष गोपाल चौहान ने बताया कि संजीवनी सहारा समिति में लगभग 300 सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, जिनके सहयोग से जनहित और समाजसेवा के कार्य निरंतर जारी हैं।

पूर्व पुलिस महानिदेशक के निधन पर शोक जताया

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश पुलिस के पूर्व महानिदेशक आईडी भंडारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया है। उन्होंने आज इस नश्वर जीवन की यात्रा पूर्ण कर ली। भंडारी साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे। हाल ही में वे समैला (जिला मंडी) में बिलासपुर लेखक संघ की साहित्यिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने लेखक संघ में सदस्यता स्वीकार की थी। उनकी पुस्तक 'द मिड नाइट रेड' काफी चर्चित रही। वह बिलासपुर पुलिस पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संघ बिलासपुर के संरक्षक भी थे। इन संगठनों के प्रधान डॉ. रवींद्र कुमार ठाकुर ने संघ की ओर से तथा व्यक्तिगत रूप से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थाओं ने शोक संदेश में कहा कि श्री भंडारी का असामयिक निधन न केवल इन संगठनों बल्कि प्रदेश और देश के लिए भी अपूरणीय क्षति है। हिमाचल प्रदेश पुलिस उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सदैव ऋणी रहेगी।

बिजली समस्याओं पर रणधीर का प्रभावी समाधान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। श्री नयना देवी जी विधान सभा क्षेत्र के विधायक रणधीर शर्मा ने अपनी विधानसभा क्षेत्र से जुड़े अहम मुद्दों को विधानसभा में बड़ी ही गंभीरता और मजबूती से उठाया है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में बिजली सेवा की मौजूदा आंख मिचौली नीति को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने नकराणा पंचायत के निवासी लाल सिंह जिसका घर आधा पंजाब व हिमाचल की बाउंड्री पर है, के घर बिजली मीटर लगाने की बात उठाई थी। पिछले सत्र से ही यह मुद्दा उठने के बावजूद अभी तक कोई कारगर समाधान नहीं निकल पाया है। यह सब स्टाफ की कमी आंक रहा है। इस प्रक्रिया में बिजली विभाग की अनियमितता और जनता की परेशानी स्पष्ट दिखती है, जिस पर विधायक रणधीर शर्मा ने सवाल खड़े किए। उन्होंने बिजली की आंख मिचौली की समस्या के समाधान को लेकर सरकार को सुझाव दिया कि सरकार जहां वन मित्र, पशु मित्र रख सकती है तो वही बिजली मित्र क्यों नहीं ? सरकार इसी तर्ज पर बिजली मित्र की भर्ती करे। इससे स्थानीय स्तर पर बिजली संबंधी समस्याओं का प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। इस पर मुख्यमंत्री ने इनके सुझाव की सराहना करते हुए शीघ्र ही बिजली मित्र नियुक्ति करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा इस तरह के कोई और भी सुझाव हो तो वे सदन में जरूर रखें। बताते चले उनके द्वारा पूछे गए सवाल वास्तव में जनता की भावनाओं और जरूरतों से जुड़े हुए थे।

शिक्षक दिवस पर किसान भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। जिला सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ एवं समाज सुधार समिति की ओर से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर किसान भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उपायुक्त राहुल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि एसडीएम सदर डॉ. राजदीप सिंह विशेष अतिथि होंगे। यह जानकारी देते हुए समिति के मुख्य संरक्षक पंडित किशोरी लाल शर्मा एवं कोषाध्यक्ष अश्विनी चंदेल ने बताया कि इस अवसर पर विश्व शांति एवं भाईचारे के लिए विशाल हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्वान पंडित एवं आचार्य भाग लेकर आहुतियां अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा समाज में नशा निवारण, भ्रष्टाचार उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक समिति के बैनर तले जरूरतमंद एवं दिव्यांगजन की सहायता के लिए सदस्य अपनी पेंशन का एक प्रतिशत अंशदान कर रहे हैं। समिति ने सेवानिवृत्त शिक्षकों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।

फागुन माह में पुत्र प्राप्ति के लिए किया जाता है व्रत : पं. चमन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बाबा विश्वकर्मा मंदिर में चल रहे गणेश पुराण कथा के पांचवें दिन कथा व्यास पंडित चमन शर्मा ने कहा कि पयोव्रत पुत्र प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह व्रत फागुन माह में किया जाता है जिसमें ब्रह्मचर्य शुद्ध आहार विहार और गुरु भजन का पालन किया जाता है। यह व्रत न केवल पुत्र प्राप्ति के लिए अपितु संतान की प्राप्ति के लिए किया जाने वाला व्रत है। माता पार्वती और अनुसूया ने भी पुत्र प्राप्ति के लिए पयोव्रत किया था, तत्पश्चात उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्होंने मनुष्य के जीवन काल में किए गए दान पुण्य पर प्रवचन दिए। दान का महत्व जो इंसान नहीं समझता, उसके जीवन में सुख नहीं होता। अपने अपने सामर्थ्य अनुसार मनुष्य को दान करना चाहिए। हिंदू धर्म में दान का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के अनुसार दान एक महत्वपूर्ण पुण्य का कार्य है, जो एक ओर कर्मों के प्रभाव को कम करता है और दूसरी ओर मोक्ष का मार्ग खोलता है। दूसरों की मदद करने से व्यक्ति को गहरी आत्मसंतुष्टि और व्यक्तिगत संतुष्टि का एहसास भी होता है। उन्होंने कहा यह अवश्य नहीं कि आप धन दान ही किया जाए अपितु अन्न दान, वस्त्र दान, ज्ञान दान, सेवा दान भी उत्तम माने गए हैं। कथा समाप्ति पर सभी भक्तजनों ने खीर के स्वादिष्ट प्रसाद का आनंद लिया।

शिमला व नाथपा डैम के आसपास बारिश का कहर

भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त, राजधानी शिमला में कई भवनों पर खतरा मंडराया

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। शिमला में लगातार हो रही बारिश ने ढली और न्यू शिमला सेक्टर-4 में बहुमंजिला भवनों को खतरे में डाल दिया है। भूस्खलन और सड़क धंसने के कारण भवनों के नीचे बसे मकानों में निवासियों को डर का माहौल महसूस हो रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को इमारत खाली करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पेड़ गिरने और पानी के रिसाव के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न हिस्सों में पेड़ गिरने और सड़क धंसने से आवागमन बाधित हो गया है। प्रशासन ने राहत कार्यों में तेजी लाते हुए तात्कालिक सुरक्षा उपाय किए हैं और खतरनाक पेड़ों को काटने की तैयारी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि नुकसान को कम करने के लिए तुरंत कारगर कदम उठाए जाएं।

सड़क से मलबे को हटाती लोक निर्माण विभाग की मशीनरी।

किन्नौर जिले में नाथपा डैम साइट के पास भारी भूस्खलन हुआ, जिससे डैम से जुड़ा वैकल्पिक सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया। यह क्षेत्र राज्य की बड़ी जल परियोजनाओं में से एक है, और भूस्खलन के कारण परियोजना कार्यों और परिवहन में बाधा आई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें और संभावित खतरे वाले क्षेत्रों से दूर रहें। नाथपा डैम परियोजना के आसपास स्थानीय लोग और मजदूर प्रभावित हुए हैं, लेकिन किसी जानमाल का गंभीर नुकसान नहीं हुआ।

किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में भारी नुकसान : वांगतू और मलिंग नाला के आसपास पत्थर गिरने और लैंडस्लाइड के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए और सड़क मार्ग करीब चार दिन से बंद हैं। मटर और सेब की फसल को मंडी तक पहुंचाने के लिए प्रशासन ने अस्थायी व्यवस्थाएं की हैं। लगातार बारिश और पत्थर गिरने के कारण जिले का बाहरी संपर्क लगभग ठप है। प्रशासन सड़क बहाल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

आपदा प्रबंधन ने कसी कमर

शिमला और किन्नौर के स्थानीय लोग राहत कार्यों और प्रशासन की तैयारियों से कुछ हद तक असंतुष्ट हैं, लेकिन मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। नाथपा डैम के आसपास परियोजना कार्य प्रभावित होने के बावजूद प्रशासन ने इसे प्राथमिकता दी है ताकि बड़ा नुकसान होने से बचाए जा सके।

रामपुर के 12/20 क्षेत्र के कई गांवों का संपर्क कटा, बिजली आपूर्ति ठप

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

भारी बारिश से सड़क पर गिरा मलबा।

रामपुर बुशहर। रामपुर क्षेत्र में बीते 4 दिन से हो रही लगातार बारिश से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। रामपुर तकलेच मार्ग पर तकलेच के समीप भारी भूस्खलन होने से 12/20 इलाके के देवठी, कूहल पटेना, मुनीष वाहली, काशापाट, दरकाली व तकलेच के सभी मार्ग बंद हैं। उपरोक्त गांव के लिए सभी प्रकार के यातायात सुविधा ठप है।

बरौनी खड्ड में एनएच 5 पर पत्थरों का गिरना जारी है। एन एच प्राधिकरण रामपुर मंडल के अधिशाषी अभियंता केएल सुमन का कहना है कि बेशक मार्ग पर पत्थर गिरने का सिलसिला जारी है, लेकिन मालवा और पत्थरों को हटाने के लिए एक अदद जेसीबी मशीन तैनात की गई है। मलबे को तुरंत हटाया जा रहा है। हालांकि मार्ग पर बार-बार पत्थर आने से बंद हो रहा है लेकिन उसे साथ ही साथ खोला जा रहा है। उधर, 12/20 क्षेत्र के कई इलाकों में बिजली के पोल गिर जाने से बिजली आपूर्ति बंद हो गई है। विद्युत उपमंडल रामपुर के सहायक अभियंता (विद्युत) राजेश मुखिया ने बताया कि बिजली बहाल करने के लिए कर्मचारी रात दिन जुटे हैं, जल्दी ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। कुल मिलाकर लगातार हो रही बारिश से स्थिति चिंताजनक बनी है।

उधर, रामपुर प्रशासन द्वारा बार-बार चेतावनी दी जा रही है कि एनएच 5 पर पत्थरों का गिरना जारी है, संभलकर यात्रा करें या घरों में सुरक्षित रहें।

भारी बारिश से किसानों-बागवानों की हालत चिंताजनक : कौशल मूंगटा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केंद्र सरकार, अर्थव्यवस्था तहस-नहस

हिमाचल इस बार प्राकृतिक आपदा की चपेट में है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगस्त माह की वर्षा 1948 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई है। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एवं जिला परिषद सदस्य कौशल मूंगटा ने बताया कि यह आपदा केवल सड़कें और सरकारी ढांचे ही नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन और घरों को तबाह कर गई है। प्रदेश में सैकड़ों सड़कें टूट चुकी हैं, बिजली और पेयजल योजनाएं ठप हैं और संचार व्यवस्था भी प्रभावित है।

मूंगटा ने कहा कि पूरे प्रदेश में किसानों और बागवानों की स्थिति बेहद खराब है। सेब की लाखों पेटियां भारी बारिश के कारण गिर रही हैं और खेतों की फसलें बह चुकी हैं। वर्ष 2023 की आपदा से उभरते ही यह नया संकट प्रदेश की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और बागवानी को सीधे प्रभावित कर रहा है। उन्होंने अन्य राज्यों और अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों का जिक्र करते हुए कहा कि जब कहीं प्राकृतिक आपदा आती है, तो केंद्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुरंत राहत मिलती है, जबकि हिमाचल प्रदेश को नजरअंदाज किया जा रहा है।

विशेष आर्थिक पैकेज किया जाए जारी : कौशल मूंगटा ने केंद्र सरकार से अपील की है कि इस आपदा को तुरंत राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए और प्रदेश के लिए विशेष आर्थिक पैकेज जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीति का नहीं बल्कि मानवीय संवेदना का है और हिमाचल की जनता को उसके हाल पर नहीं छोड़ा जा सकता।

शेलापानी में वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। ग्वास पंचायत के शेलापानी के पास दो दिन पहले हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई है, जिसमें 45 वर्षीय प्रमोद माल्टू निवासी गांव सैंजी तहसील रोहड़ू व जिया लाल पुत्र रुप लाल निवासी गांव चैंन्डियारा तहसील करसोग की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह सड़क हादसा 31 अगस्त की देर रात को पेश आया है, जिसकी जानकारी 2 सितंबर की सुबह मिली है। जब स्थानीय लोंगों ने मंगलवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को देखा और उन्होंने पुलिस को सुचित किया। वाहन दुर्घटना में मारे गए व्यक्तियों में रोहड़ू का सैंजी निवासी प्रमोद माल्टू एवं दूसरा व्यक्ति करसोग निवासी सेब भरान करने वाला मजदूर है।

ऑल्टो कार एचपी 10ए 7609 अनियंत्रित हो कर गहरी खाई में गिर गई और दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से गहरी खाई से दोनों शव बाहर निकाले। एसडीपीओ रोहड़ू प्रणव चौहान ने बताया कि शव विच्छेदन कर परिजनों को सौंप दिए है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जाँच की जा रही है।

न्यू शिमला में घर से लाखों के गहने और नकदी चोरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अज्ञात चोरों ने दिन-दहाड़े वारदात को दिया अंजाम

प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगर न्यू शिमला में एक घर से सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। अज्ञात शातिरों ने एक व्यक्ति के घर से लाखों रुपए के गहने और लगभग 30 हजार रुपए नकद उड़ा लिए। मकान मालिक की शिकायत पर न्यू शिमला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पंकज मल्होत्रा ने पुलिस को बताया कि वह 12 से 27 अगस्त तक घर से बाहर थे। इस दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने उनके घर से दो सोने की बालियां और एक चेन चुराई। इसके अलावा, चोरों ने 100 ग्राम का पीएनबी डिजाइन वाला चांदी का सिक्का, पांच 10 ग्राम और चौदह 20 ग्राम के चांदी के सिक्के, दो चांदी के कटोरे, तीन घड़ियां, दो पीतल के वाइन ग्लास और लगभग 30,000 रुपए नकद भी चुराए।

पुलिस कर रही सीसीटीवी फुटेज से पड़ताल : पुलिस ने पंकज मल्होत्रा की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 331(4) और 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

केंद्र सरकार विशेष आर्थिक मदद प्रदान करे : प्रतिभा सिंह

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रदेश में जारी आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और हिमाचल प्रदेश के लिए विशेष आर्थिक पैकेज जारी करने की मांग की है। प्रतिभा सिंह ने भारी बारिश और भूस्खलन से होने वाले जान-माल के नुकसान पर चिंता जताई और सभी से सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने को कहा।

प्रतिभा सिंह ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से आपदा प्रभावितों की मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह समय एक-दूसरे का साथ देने और हाथ मिलाकर आगे बढ़ने का है। उन्होंने भाजपा नेताओं से भी अपील की कि वे इस कठिन समय में राजनीति न करें और प्रदेश सरकार के राहत कार्यों में सहयोग करें। प्रतिभा सिंह ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर मानते हुए प्रदेश को उदार आर्थिक मदद करे।

एम्स बिलासपुर की हालत खस्ता; हिमकेयर आयुष्मान के 30 करोड़ रुपए फंसे, सर्जरी ठप

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार की लापरवाही का खामियाजा अब आम मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजनाओं के तहत एम्स बिलासपुर पर सरकार की देनदारी 40 करोड़ तक पहुंच चुकी है। हालांकि हाल ही में 10 करोड़ जारी किए गए हैं, लेकिन शेष 30 करोड़ बकाया होने से हालात जस के तस बने हुए हैं।

अस्पताल में घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण जैसी बड़ी सर्जरी पिछले कई दिनों से बंद हैं। इसकी वजह सरकार की ओर से भुगतान न होने पर वेंडरों ने उपकरण और इम्प्लांट्स की सप्लाई रोक दी है। नतीजा, गंभीर मरीज महीनों से कतार में हैं और तकलीफ़ झेल रहे हैं।

हिमकेयर के तहत ही मिली राहत अभी जो 10 करोड़ की राशि मिली है, वह हिमकेयर योजना के तहत जारी हुई है, मगर सवाल यह है कि शेष 30 करोड़ का क्या होगा? वेंडरों का कहना है कि जब तक पूरा भुगतान नहीं होता, न तो सप्लाई बहाल होगी और न ही रुकी हुई सर्जरी शुरू हो पाएंगी।

एम्स के मुख्य द्वार की फाइल फोटो।

सरकार पर पूर्व विधायक ने उठाया सवाल : बिलासपुर सदर के पूर्व विधायक सुभाष ठाकुर ने सवाल उठाया है कि स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली प्रदेश सरकार की असलियत अब उजागर हो रही है। गरीब और मध्यमवर्गीय मरीज जिन्हें इन योजनाओं से सबसे ज्यादा राहत मिलनी चाहिए थी, वे ही अब अस्पताल के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

सरकार के बचाव में आए बंबर ठाकुर : सदर के पूर्व कांग्रेस विधायक बंबर ठाकुर ने कहा कि एम्स बिलासपुर प्रदेश का गौरव है और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार इसकी बेहतरी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हिमकेयर और आयुष्मान योजनाओं के तहत जारी की गई पहली किस्त इस बात का प्रमाण है कि सरकार मरीजों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। बाकी राशि भी जल्द ही जारी होगी और बड़े ऑपरेशन फिर से शुरू होंगे।

ग्रामीणों और मरीजों की पीड़ा : कई मरीजों का कहना है कि कागजों में योजना है, लेकिन हकीकत में इलाज ठप है। जब तक सरकार भुगतान नहीं करती, हमें राहत नहीं मिलने वाली है।

हिमाचल को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से क्यों भाग रही केंद्र सरकार : सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मीडिया को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जब प्रदेश सरकार ने हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है तो फिर केंद्र की भाजपा सरकार को इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने में क्या मजबूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का हिमाचल के प्रति रवैया सौतेला और गैर-जिम्मेदाराना है। सांख्यान ने कहा कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से हिमाचल को लगभग 25 से 28 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा जान-माल का भारी नुकसान भी हुआ हैं, लेकिन केंद्र सरकार अब तक न तो प्रदेश की मदद कर पाई है और न ही आपदा को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार कर रही है। उन्होंने भाजपा सांसदों और राज्यसभा सदस्यों को भी कठघरे में खड़ा किया और सवाल किया कि आखिर क्यों हिमाचल से चुने गए सांसद प्रदेश के हितों की रक्षा करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र ने इस मसले पर जल्द कदम नहीं उठाए तो जनता भाजपा को कभी माफ नहीं करेगी।

घुमारवीं-पनोह संपर्क मार्ग पर सड़क धंसी, बसें बंद

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। लगातार बारिश से आईपी चौक-पनोह संपर्क सड़क तरौतड़ा क्षेत्र में जगह-जगह धंस गई है। दो से तीन किलोमीटर मार्ग गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जबकि एक किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह धंसने की कगार पर है। हालात इतने खराब हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बंद नालियों और आईपीएच. विभाग की पाइपलाइन से जल निकासी रुक गई है, जिससे बरसाती पानी सड़क पर बहकर उसे नुकसान पहुंचा रहा है। बस सेवा ठप होने से स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को पैदल सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क और पक्की नालियों का तुरंत निर्माण करने की मांग की है। वहीं, विभागीय अधिकारी दीपक सुरेहली का कहना है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और जेसीबी मशीन से बहाली का कार्य जारी है।

प्रभावित क्षेत्रों का विधायक जम्वाल ने किया दौरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश से कई जगहों पर तबाही का मंजर देखने को मिला। रविवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए विधायक त्रिलोक जम्वाल ने मलयावर, बलोह, पनोह सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बेतरतीब लगाए गए डंगों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले लगाए गए ये डंगे समय से पहले ही गिर गए, जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने गांव जबल्याण के वार्ड नंबर एक में महिला मंडल भवन निर्माण कार्य के लिए 2 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की। इसके साथ ही बरसात से क्षतिग्रस्त हुए मुख्य रास्ते की मरम्मत के लिए भी एक लाख रुपए देने की घोषणा की। यह रास्ता मनी खड्ड से दिला राम, जोध सिंह और जवाहरलाल के घरों तक जाता है, जो बरसात में पूरी तरह टूट गया था। वहीं, बेली राम और रूप लाल सहित अन्य ग्रामीणों के घरों तक जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य के लिए भी राशि स्वीकृत की गई। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने कहा कि मुश्किल समय में उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और त्वरित राहत प्रदान की। ग्रामीणों ने यह भी अपेक्षा जताई कि भविष्य में डंगों और अन्य निर्माण कार्यों को मजबूती से किया जाए, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

ई-श्रम पंजीकरण के लिए विशेष अभियान कल

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। जिला प्रशासन बिलासपुर द्वारा श्रमिकों के हित में ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 4 सितंबर को तीन स्थानों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर आरसेटी यूको बैंक धौलरा, एफ कॉनस जगातखाना तथा डीबी1 मंडी मानवां में आयोजित होंगे। शिविरों में केवल ई-श्रम पंजीकरण ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ भी श्रमिकों तक पहुंचाए जाएंगे। अतिरिक्त उपायुक्त बिलासपुर ओम कांत ठाकुर ने बताया कि इस अवसर पर बैंक प्रतिनिधि, लोक मित्र (सीएससी) तथा विभिन्न कंपनियों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सभी श्रमिकों और कामगारों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाएं।

नशा मुक्ति अभियान पर कार्यक्रम आयोजित

अनंत ज्ञान, झंडूता। उपमंडल झंडूता के अंतर्गत खंड चिकित्सक अधिकारी डॉक्टर परविंदर सिंह के आदेशानुसार एवं उपमंडलीय अधिकारी झंडूता अर्शिया शर्मा की अध्यक्षता में जय ठाकुर द्वारा टैक्सी यूनियन को एचआईवी कार्बिन बैग वितरित किए गए जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को साफ सुथरा रखना व एचआईवी/ एड्स तथा नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। उपमंडलाअधिकारी झंडूता अर्शिया शर्मा ने उपस्थित टैक्सी चालकों को बताया कि इन कार्बिन बैग का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को साफ सुथरा रखना तथा सवारी टैक्सी में किसी भी प्रकार के पॉलीथिन, कागज का प्रयोग करते हैं तो वह बैग का प्रयोग करें और टैक्सी चालक इस वेस्ट प्रोडक्ट को उचित स्थान पर डिस्पोज करें ताकि पर्यावरण साफ सुथरा रह सके व समाज को भी इसकी जानकारी मिले। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश इट्स कंट्रोल सोसायटी के तत्वाधान में पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसके साथ ही टैक्सी चालकों को नेत्रदान, टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 40 टैक्सी चालकों को कार्बनिक बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य खंड झंडूता से स्वास्थ्य शिक्षक दीप कुमार व कमल कुमार उपस्थित रहे।

छह महीने से पेंडिंग परीक्षाओं का मेहनताना अविलंब जारी करे शिक्षा बोर्ड : ठाकुर

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ ने शिक्षा बोर्ड द्वारा मार्च 2025 में आयोजित की गई परीक्षाओं के मेहनताने को छह महीने बाद भी लंबित रखने पर आपत्ति दर्ज की है। प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कार्यकारिणी के अध्यक्ष नरेश ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलवंत ठाकुर, महासचिव सुशील चंदेल, वित्त सचिव विकास चौहान, चेयरमैन सुरेंद्र सिंह रणौत, मुख्य प्रेस सचिव यशपाल शर्मा, मुख्य वैब सचिव राजीव चौधरी, मुख्य सलाहकार सुरेश कुमार तथा सभी सदस्यों ने कहा कि जबकि विगत वर्षों में यह भुगतान परीक्षाओं के दौरान ही अदा किया जाता रहा है।

शिक्षक नेताओं ने बोर्ड अध्यक्ष से निवेदन किया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर शिक्षकों के लंबित अदायगी का भुगतान अविलंब करवाए अन्यथा प्रवक्ताओं सहित अन्य सभी शिक्षकों द्वारा परीक्षाओं के बाद इस कार्य के करने पर विचार किया जाएगा।

अनदेखी सरकारी भवनों की दुर्दशा, क्षेत्रीय चिकित्सालय खुद लग रहा बीमार

प्रशासन की लापरवाही से खतरे में जनता की सुरक्षा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सितंबर। जिला मुख्यालय बिलासपुर में सरकारी भवनों की हालत खस्ता हो चुकी है। रखरखाव के अभाव में ये भवन उपेक्षा का शिकार बन गए हैं। दीवारों पर घास, बेलें और पेड़-पौधे ऐसे उग आए हैं। मानो ये सरकारी कार्यालय नहीं, बल्कि कोई वीरान खंडहर हों। यह स्थिति किसी भी दिन बड़े हादसे को न्योता दे सकती है, लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है।

सबसे शर्मनाक हाल यह है कि उपायुक्त कार्यालय परिसर की दीवारें भी पौधों से ढकी हुई हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कृषि विभाग, उद्योग विभाग और कोष विभाग का भी यही हाल है। क्षेत्रीय चिकित्सालय बिलासपुर तो और भी भयावह तस्वीर पेश कर रहा है। यहां भवनों की दीवारों में ईंटों से ज्यादा घास और बेलें उग आई हैं। यानी अस्पताल के भवन खुद बीमार नजर आ रहे हैं। इन भवनों में रोजाना हजारों की संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। अधिकारी और कर्मचारी भी इन्हीं दफ्तरों में ड्यूटी निभाते हैं। इसके बावजूद रखरखाव पर ध्यान न देना सीधे-सीधे लोगों की जान से खिलवाड़ है। यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर प्रशासन और सरकार किसके भरोसे बैठे हैं?

न्यूज ब्रीफ

करड़ी में पहाड़ी दरकने से दस घरों पर संकट

अनंत ज्ञान, धनेटा। पंचायत ग्वालपत्थर के गांव करड़ी में पहाड़ी दरकने से दस घरों में दरारें आ गई हैं, जिससे ग्रामीण लगातार भय के साए में जी रहे हैं। गंदर्भ सिंह, राजेंद्र सिंह, यशपाल सिंह, जगदेव सिंह, प्रकाश चंद, निर्मला देवी सहित कई परिवारों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से बारिश के चलते पहाड़ी खिसक रही है और घरों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। सुबह अचानक धमाका जैसी आवाज से दहशत फैल गई। स्थिति का जायजा लेने पहुंचे नायब तहसीलदार वेद प्रकाश ठाकुर, कानूनगो सुरेश चंद व पटवारी विकास पटियाल ने प्रभावित परिवारों को ₹5,000 की फौरी राहत व तिरपाल उपलब्ध करवाई। तहसीलदार ने बताया कि पहाड़ी में जगह-जगह दरारें आने से हालात गंभीर हैं और इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

बारिश से मट्ठी बनवार में जमीन धंसी

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। ग्राम पंचायत भरौरी के वार्ड मट्ठी बनवार में भारी बारिश से सिंघु राम के मकान के पास जमीन धंसने लगी, जिससे मकान में दरारें आ गईं। खतरा बढ़ने पर ग्रामीणों के सहयोग से मकान खाली करवा लिया गया और परिवार ने पड़ोसियों के घर शरण ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्ष 2015 में बनी सड़क पर आज तक न तो ड्रेन बनीं और न ही डंगे लगाए गए, जिसके कारण सारा पानी घरों की ओर बह रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार लोक निर्माण विभाग को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और जल्द ही उचित कार्यवाही की जाएगी।

प्रभावित परिवारों को राहत राशि व सामग्री दी

अनंत ज्ञान, भोरंज। लगातार बारिश से भोरंज उपमंडल में सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है तथा कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंगलवार को एसडीएम शशि पाल शर्मा ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ित परिवारों को फौरी राहत प्रदान की। गांव पपलाह की केसरी देवी के दो मंजिला कच्चे मकान की दीवार ढहने पर उन्हें 5,000 नकद, कंबल, दो तिरपाल और एक हाइजेनिक किट दी गई। परिवार को अस्थायी राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है। इसी तरह गांव कोट लांगसा के जगदीश चंद व गीता देवी और ग्राम पंचायत कड़ोहता के कथयावी गांव की सनेहरू देवी को भी मकान क्षति पर 5,000-5,000 राहत राशि प्रदान की गई। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन सभी प्रभावितों को हरसंभव सहायता देंगे।

30 दिन से ठप गैस सप्लाई, उपभोक्ता परेशान

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। सरसकान पंचायत के कांडपतन रोह, कुसरी, सापड़ी, रखेड़ा, अर्नेड़ा, तड़ा और आसपास के क्षेत्रों में पिछले 30 दिनों से गैस सप्लाई ठप है। इससे उपभोक्ता बेहद परेशान हैं। गृहिणियों से लेकर व्यवसायियों तक सभी को दैनिक कार्यों में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि क्षेत्र की एकमात्र इंडेन एजेंसी से सिलेंडर न मिलने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। मुकेश लखनपाल, राजेंद्र कुमार, रवि चंद सहित कई ग्रामीणों ने कहा कि अब सड़कें दुरुस्त हैं और वाहनों की आवाजाही भी हो रही है, इसके बावजूद सिलेंडर की गाड़ी क्षेत्र में नहीं पहुंच रही। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सप्लाई बहाल करने की मांग की है।

हमीरपुर में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कल से

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार का आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग जिला हमीरपुर में 4 सितंबर से राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) शुरू करने जा रहा है। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने बताया कि यह सर्वे सांख्यिकी एवं कार्यान्वयन मंत्रालय के सहयोग से होगा। उन्होंने कहा कि यह सर्वे अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही सरकारी योजनाएं और नीतियां तैयार की जाती हैं। जिला सांख्यिकी कार्यालय के प्रगणक घर-घर जाकर टैब एप्लीकेशन के माध्यम से जानकारी जुटाएंगे। उपायुक्त ने लोगों से आग्रह किया कि वे सर्वे में सहयोग करें और सही जानकारी दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारियां गोपनीय रखी जाएंगी।

ध्वनि प्रदूषण से बढ़ रहा बहरेपन का खतरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण चौधरी ने बताया कि अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण और अन्य कारणों से बहरापन हो सकता है। यह कोई बीमारी नहीं बल्कि एक लक्षण है, जिसमें व्यक्ति को कम सुनाई देता है या बिल्कुल सुनाई देना बंद हो जाता है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष 30 अगस्त से 4 सितंबर तक बहरापन जागरूकता एवं नियंत्रण सप्ताह मनाया जाता है। डॉ. चौधरी ने कहा कि तेज शोर, प्रेशर हार्न, पटाखे, लाउडस्पीकर और ज्यादा मोबाइल इस्तेमाल जैसी गतिविधियां 74 से 116 डेसीबल ध्वनि उत्पन्न करती हैं, जबकि सुरक्षित सीमा 85 डेसीबल है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कम सुनाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि समय रहते इलाज और जागरूकता से इस समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जलाडी भट्ठा-भगेड़ मार्ग को एनएच बनाने की पहल

अनंत ज्ञान, बड़सर। आजादी के 79 वर्ष बाद डटवाल क्षेत्र से होकर एनएच गुजरने का सपना साकार हो सकता है। जलाडी भट्ठा से भगेड़ बाया बिजड़ी-महारल सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग केंद्र सरकार तक पहुंच गई है। भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवीर सिंह पटल ने पूर्व युवा खेल मंत्री अनुराग ठाकुर की अगुवाई में यह प्रस्ताव केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्रांक संख्या 10 -2025-420 के माध्यम से भेजा। गडकरी ने इस प्रस्ताव पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को वस्तुस्थिति का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मंजूरी मिलने पर दशकों पुरानी मांग पूरी होगी। यशवीर सिंह ने गडकरी व अनुराग ठाकुर का आभार जताया है।

चंबा-पठानकोट नेशनल हाईवे बंद

उदयपुर के समीप मलबा और पानी आने से मार्ग अवरुद्ध, जनजीवन अस्त-व्यस्त

आरके सहगल, अनंत ज्ञान

चंबा। लगातार हो रही भारी बारिश ने मंगलवार को जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। चंबा-पठानकोट नेशनल हाईवे पर चंबा उदयपुर के समीप मलबा और पानी आने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इससे छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप पड़ गई है।

भारी बारिश के चलते सड़क किनारे बने दुकानों और घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। व्यापारी वर्ग जहां अपना सामान बचाने में जुटा रहा, वहीं स्थानीय लोग भी घरों से पानी बाहर निकालने में लगे रहे।

प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेना शुरू कर दिया है और मार्ग बहाली के लिए मशीनरी तैनात कर दी गई है। हालांकि लगातार हो रही बारिश के कारण बहाली कार्य में देरी हो रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक यात्रा से परहेज करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

बारिश से कई घरों और दुकानों में घुसा पानी

चंबा। सोमवार रात से शुरू हुई भारी बारिश ने पूरे जिले में तबाही मचा दी है। तेज़ बरसात के चलते पहाड़ी नाले और खड्डें उफान पर हैं, जिसके कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। चंबा के सुल्तानपुर चौक सहित कई निचले इलाकों में अचानक पानी और मलबा घुस गया, जिससे लोगों के घरों की पहली मंज़िल तक पानी भर गया। कई दुकानों में रखा सामान बर्बाद हो गया और स्थानीय लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। बारिश के चलते जगह-जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं। चंबा-खज्जियार मार्ग, बठरी-सुंडला सड़क सहित कई संपर्क मार्ग बाधित हो गए हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। वहीं, बिजली और पेयजल आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि देर रात पानी इतनी तेजी से आया कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। कई परिवारों ने अपनी सुरक्षा को देखते हुए घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों का रुख किया। वहीं प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं।

रावी नदी के रौद्र रूप से शीतला ब्रिज को खतरा

चंबा। बारिश के चलते रावी नदी उफान पर है और अब इसका रौद्र रूप लोगों के लिए खतरा बनता जा रहा है। सोमवार रात तेज़ बारिश के बाद नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे शीतला ब्रिज के पास की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। तेज़ बहाव ने सड़क का बड़ा हिस्सा अपने साथ बहा लिया है, वहीं शीतला ब्रिज पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रावी का पानी इतनी तेज़ी से बढ़ा कि देखते ही देखते सड़क का किनारा टूटकर नदी में समा गया। स्थिति यह है कि अब ब्रिज के पिलरों के पास कटाव शुरू हो गया है, जिससे पुल की स्थिरता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। प्रशासन ने फिलहाल लोगों को शीतला ब्रिज से गुजरने में एहतियात बरतने की सलाह दी है। यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और लोक निर्माण विभाग की टीमें मौके पर तैनात की गई हैं। गौरतलब है कि शीतला ब्रिज चंबा को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

बारिश से बढ़ा खतरा, विधायक की लोगों से सुरक्षित रहने की अपील

अनंत ज्ञान, चंबा

जिले में बीते कई दिनों से हो रही लगातार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जगह-जगह भूस्खलन, नाले-खड्डों में उफान और घरों में पानी-मलबा घुसने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ऐसे हालात को देखते हुए चंबा सदर के विधायक नीरज नैय्यर ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

विधायक नैय्यर ने कहा कि बारिश पूरी तरह अप्रत्याशित और खतरनाक है। ऐसे में ज़रा-सी चूक भी भारी पड़ सकती है। उन्होंने आग्रह किया कि अगर कहीं भूस्खलन का खतरा महसूस हो या घरों में रहना असुरक्षित लगे, तो तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। साथ ही, मोबाइल और ज़रूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज रखकर आपात स्थिति में तैयार रहें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समय अनावश्यक यात्रा बिल्कुल न करें क्योंकि भूस्खलन और सड़क बाधित होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। नैय्यर ने कहा कि आपकी सुरक्षा सबसे पहले है, इसलिए प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें और घरों में सुरक्षित रहें।

वहीं, प्रशासन की ओर से भी राहत एवं बचाव दल अलर्ट पर हैं और प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों और ढलानों से दूर रहें। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों में दहशत और चिंता बढ़ गई है। ऐसे हालात में विधायक नीरज नैय्यर का यह संदेश लोगों के लिए राहत और चेतावनी दोनों लेकर आया है।

स्थानीय लोगों ने फंसे श्रद्धालुओं को पीठ पर उठाकर रास्ता करवाया पार

अनंत ज्ञान, चंबा

लगातार हो रही भारी बारिश ने मणिमहेश यात्रा मार्ग को संकटग्रस्त बना दिया है। चुगरासा से चूड़ी पुल के बीच नाले उफान पर आ गए और जगह-जगह मलबा जमा हो गया, जिससे दर्जनों श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए। हालात ऐसे बने कि पैदल पार करना भी जोखिम से खाली नहीं था।

इसी कठिन घड़ी में स्थानीय लोग आगे आए और यात्रियों की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना मदद का हाथ बढ़ाया। कई श्रद्धालुओं को उन्होंने अपनी पीठ पर बैठाकर उफनते पानी और फिसलन भरे रास्तों को पार करवाया। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी से उठाकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया।

स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के इस साहसिक प्रयास से यात्रियों की आंखें नम हो गईं। श्रद्धालुओं ने कहा कि जिस तरह इन लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर मदद की, वह इंसानियत और सेवा भाव की मिसाल है।

मणिमहेश यात्रा के फंसे श्रद्धालुओं को पीठ पर उठाकर रास्ता पार करवाते हुए।

प्रशासन और राहत दल भी मौके पर पहुंचे हैं और लगातार हो रही बारिश के बीच बचाव कार्य जारी है। हालांकि, मार्गों की स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन ने यात्रियों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

पांगी घाटी में भारी बारिश भूस्खलन से जनजीवन ठप संचार सेवा, सड़कें प्रभावित

अनंत ज्ञान, पांगी। पांगी घाटी 26 अगस्त को भारी बारिश और भूस्खलन की चपेट में आ गई। इस दौरान घाटी का एकमात्र रिलायंस जियो नेटवर्क (सच्चे जोत मार्ग से जुड़ा) भी बाधित हो गया था, जिसे चार दिन बाद 30 अगस्त की शाम को बहाल किया गया। संचार ठप रहने से सड़कों, पुलों, पेयजल योजनाओं और निजी-सरकारी संपत्तियों के नुकसान का ब्यौरा साझा नहीं हो पा रहा था। राहत की बात है कि अब तक जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

क्षेत्र की लाइफ लाइन समझी जाने वाली संसारी नाला-किलाड़-थिरोट-टांडी सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। संसारी नाला क्षेत्र में धरवास पुल, परघवाल नाला, महालू नाला पुल और सिद्ध मंदिर कलवर्ट को नुकसान पहुंचा है, जबकि उदयपुर की तरफ दारेड, धांधल और जंगल कैम्प नाले प्रभावित हुए हैं। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के मेजर पारस ने जानकारी दी कि उदयपुर से टिंडी तक सड़क 30 अगस्त को बहाल कर दी गई है और आगे किलाड़ की ओर कार्य जारी है। फिलहाल करीब 70-80 वाहन उदयपुर और इतने ही बैरागढ़ (चुराह) में फंसे हुए हैं। घाटी के अधिकांश संपर्क मार्ग, पेयजल योजनाएं और बिजली प्रोजेक्ट क्षतिग्रस्त हैं। अलवास-किलाड़ सड़क भी बंद है। पंगवाल एकता मंच के चेयरमैन त्रिलोक ठाकुर ने सरकार से मांग की है कि क्षतिग्रस्त सड़कें और पेयजल योजनाएं तत्काल बहाल की जाएं। साथ ही, भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से फंसे लोगों व बीमारों को निकाला जाए और घाटी में दवाइयों की आपूर्ति एयरड्रॉप के माध्यम से सुनिश्चित की जाए।

चंबा मेडिकल कॉलेज में अब तक 1230 मणिमहेश यात्रियों को मिला स्वास्थ्य लाभ

अनंत ज्ञान, चंबा

मणिमहेश यात्रा के दौरान बीमार या घायल श्रद्धालुओं के लिए चंबा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल सहित चौगान हेल्थ पोस्ट और विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों में इलाज का सिलसिला निरंतर जारी है। मेडिकल अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार सुबह 10 बजे तक अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं में कुल 48 मरीज पहुंचे, जबकि 1230 श्रद्धालुओं का उपचार चौगान हेल्थ पोस्ट और अन्य शिविरों में किया गया।

मेडिकल अधीक्षक ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए अस्पताल की कैजुअल्टी, वार्ड और चौगान हेल्थ पोस्ट पर चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तुरंत निकटतम स्वास्थ्य पोस्ट या अस्पताल से संपर्क करें।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को अस्पताल की कैजुअल्टी में 6 नए मरीज लाए गए, जिनमें से 4 को भर्ती किया गया। अब तक कुल 48 मरीज भर्ती हो चुके हैं, जिनमें से एक को टांडा रेफर किया गया और एक को डिस्चार्ज कर दिया गया है। वर्तमान में अस्पताल में 4 श्रद्धालु उपचाराधीन हैं। चौगान हेल्थ पोस्ट में मंगलवार को 7 यात्रियों को इलाज दिया गया। वहीं, अब तक 2 शव भरमौर से एयरलिफ्ट कर चंबा लाए गए, जिनका पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंपा गया।

पेयजल योजनाओं की बहाली में जुटे कर्मी

कई प्रमुख योजनाएं भारी बारिश की चपेट में आकर हुईं क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, चंबा

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जहां सड़कें और संचार व्यवस्था प्रभावित हुई हैं, वहीं सबसे बड़ी समस्या पेयजल योजनाओं के ठप पड़ने की बनी हुई है। बारिश से पाइप लाइनों व जल स्त्रोतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित हो गई है। जलशक्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले की कई प्रमुख योजनाएं भारी बारिश की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुई हैं। कुछ स्थानों पर पहाड़ी ढहने से पाइपलाइनें टूट गईं, तो कहीं मलबा भर जाने से नलकूप व स्त्रोत पूरी तरह बंद हो गए। प्रभावित इलाकों में अस्थायी व्यवस्थाओं के माध्यम से लोगों को पेयजल उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभागीय टीमों को विभिन्न पंचायतों और कस्बों में कार्य युद्ध-स्तर पर जारी है। प्रभावित ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही उन्हें पेयजल संकट से राहत मिलेगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जलापूर्ति बहाल होने तक पानी का सदुपयोग करें।

बारिश से कई मार्ग बंद, बहाली कार्य जारी

अनंत ज्ञान, चंबा

भारी बारिश के कारण ज़िले के कई इलाकों में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन और विभागों की टीमें लगातार बहाली कार्य में जुटी हुई हैं, लेकिन लगातार बारिश से दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। सुल्तानपुर क्षेत्र में बारिश से क्षतिग्रस्त हुए मार्गों और ढांचों की बहाली का कार्य शुरू कर दिया गया है। विभागीय कर्मचारी और मशीनरी मौके पर तैनात हैं और जल्द से जल्द लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

चंबा-खज्जियार मार्ग भटलावां के समीप बंद हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग खोलने के लिए बहाली कार्य तेज़ी से जारी है। बाथरी-सुंडला-लांगेरा जेके बॉर्डर रोड पर कई स्थानों पर भूस्खलन और अवरोध के कारण आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। भारी बारिश के चलते इस मार्ग पर बहाली कार्य में लगातार देरी हो रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम की गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

भारी बारिश के चलते बंद मार्ग को जेसीबी की सहायता से खोलते हुए।

सूडोकु नवताल- 7541

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7540 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

अल्याणा गांव में खतरे की जद में मकान, एसडीएम ने करवाए खाली

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

सरकाघाट-अवाहदेवी-पाड़छू वाया सरकाघाट निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग कार्य के चलते अल्याणा गांव में सेवानिवृत्त सैनिक का आलीशान मकान खतरे में आ गया है। गांव निवासी सेवानिवृत्त सैनिक रमेश चंद का 16 कमरों का मकान एनएच निर्माण कंपनी की लापरवाही से गहरी दरारों की चपेट में आ गया है और कभी भी गिरने का खतरा बन गया है।

जानकारी के अनुसार कंपनी द्वारा मकान की सुरक्षा के लिए लगाया गया डंगा बीते दिन बैठ गया, जिससे पूरे भवन में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। मकान के खतरे की जद में आने बाद मंगलवार को कांग्रेस नेता पवन ठाकुर सहित एसडीएम स्वाति डोगरा ने साईट का दौरा किया और भवन को खाली करवाया रमेश चंद ने बताया कि यह मकान उन्होंने आठ वर्ष पूर्व अपनी जीवनभर की कमाई से बनाया था। सड़क चौड़ीकरण कार्य शुरू होने के समय से ही उन्होंने कंपनी और प्रशासन को संभावित खतरे की आशंका जताई थी। दो वर्ष पूर्व भारी मशीनों से कटाई के दौरान घर के आंगन में गहरी दरारें और ढांग बन गई थी। इस दौरान उनके फलदार पौधे भी नष्ट हो गए थे। उन्होंने कई बार बरसात से पहले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की गुहार अधिकारियों से लगाई, मगर सुनवाई नहीं हुई। अल्याणा में पूर्व सैनिक सहित दो अन्य मकानों को गिरने का खतरा बन गया है हालांकि मकान को बचाने के लिए एनएच से डंगे लगाए थे परंतु अब वह क्रेक हो चुके हैं कोई अप्रिय घटना ना हो इसलिए मकान खाली करवा दिए हैं प्रशासन उनकी पूरी मदद कर रहा है।

एनएच निर्माण कंपनी पर लापरवाही का आरोप

56 .44 लाख से चकाचक होगा जाहू बस स्टैंड

परिवहन निगम जल्द टेंडर प्रक्रिया को पूरा करके शुरू करेगा कार्य

अनंत ज्ञान, जाहू

भोरंज विधानसभा क्षेत्र के जाहू बस स्टैंड की रिपेयर के लिए 56 लाख 44 हजार रुपए की राशि स्वीकृत हो गई है। हिमाचल पथ परिवहन निगम शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया को पूरा करके जाहू बस अड्डे की रिपेयर का कार्य शुरू करेगा। राशि से बस स्टैंड में सीसी पेवर उपलब्ध कराना व बिछाना और अड्डा इंचार्ज कक्ष की मरम्मत की जाएगी। यह कार्य पूरा होने के बाद यात्रियों को अधिक सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

विधायक सुरेश कुमार ने कहा कि वह विकास के साथ तथ्यों की राजनीति करते हैं और जनता को केवल आश्वासन नहीं बल्कि ठोस परिणाम देना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भोरंज क्षेत्र का चहुंमुखी विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी दृष्टिकोण से योजनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से जाहू बस स्टैंड की हालत दयनीय बनी हुई थी। बरसात के मौसम में यात्रियों को गड्ढों और कीचड़ का सामना करना पड़ता था, वहीं इंचार्ज कक्ष की खस्ता हालत से भी कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लोगों का कहना है कि अब यह कार्य होने से बस स्टैंड का स्वरूप न केवल बदलेगा बल्कि यात्रियों को राहत भी मिलेगी। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विधायक सुरेश कुमार लगातार भोरंज के विकास के लिए प्रयासरत हैं। सड़कों के सुधार से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी वे योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

जाहू बस स्टैंड।

विधायक ने कहा कि जाहू बस अड्डे की रिपेयर के लिए 56.44 लाख की राशि स्वीकृत हो चुकी है इस राशि से जाहू बस अड्डे मैं पवेर टाइल पानी की निकासी व अन्य सभी समस्याओं का निवारण कर दिया जाएगा में भोरंज को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए और भी परियोजनाएं धरातल पर लाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनके कार्य करने की सबसे बड़ी ताकत है।

एचआरटीसी और प्रशासन ने भक्तों को सुरक्षित पहुंचाया घर

अनंत ज्ञान, चंबा। मणिमहेश यात्रा के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन ने जहां श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दी थीं, वहीं प्रशासन और हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की त्वरित कार्यवाही ने इस आपदा को राहत में बदल दिया।

चंबा से भरमौर तक का रास्ता भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया था। हालांकि लोक निर्माण विभाग ने तीन दिन पहले ही कलसूई तक मार्ग बहाल कर दिया। इसके बाद यात्रा कर लौट रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित चंबा तक पहुंचाने का बीड़ा एचआरटीसी और स्थानीय लोगों ने मिलकर उठाया। एचआरटीसी धर्मशाला के डीएम पंकज ने खुद चंबा पहुंचकर इस राहत अभियान की निगरानी की। उनके अनुसार, 29 जुलाई से 31 जुलाई तक 126 विशेष बसों के माध्यम से करीब 5500 श्रद्धालुओं को पठानकोट और कांगड़ा तक सुरक्षित और निशुल्क पहुंचाया गया।

इश्तेहार
व अदालत सहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी) एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार, ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)।
मिसल न. 132/2025/आर.- एन.टी.
तारीख दायरा- 29/08/2025
तारीख पेशी- 29/09/2025
जगदीश कुमार पुत्र घुंघर पुत्र भंगाली निवासी चचियां, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)।
बनाम
आम जनता ।
विषय: प्रार्थना पत्र वराये राजस्व रिकार्ड नाम की दरुस्ती बारे।
उपरोक्त प्रार्थी ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि राजस्व कागजात महाल चचियां तहसील ज्वाली में उसका नाम जगदीश कुमार पुत्र घुंघर पुत्र भंगाली दर्ज है, परन्तु अन्य दस्तावेजों में प्रार्थी का नाम जगदीश चन्द पुत्र घुंघर राम दर्ज है। प्रार्थी ने अनुरोध किया है कि उसका नाम राजस्व रिकार्ड महाल चचियां तहसील ज्वाली में जगदीश कुमार पुत्र घुंघर पुत्र भंगाली के स्थान पर जगदीश चन्द पुत्र घुंघर पुत्र भंगाली दर्ज किया जाये।
इस सम्बन्ध में सर्व साधारण को बजरिया इश्तेहार सूचित किया जाता है उपरोक्त नाम की दरुस्ती बारे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी में दिनांक 29/09/2025 को आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके नियमानुसार नाम दरुस्ती के आदेश परित कर दिये जायेंगे व इसके उपरान्त कोई एतराज न सुना जाएगा।
आज दिनांक 29/08/2025 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।
सहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी) एवं तहसीलदार, ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

बुधवार, 3 सितंबर 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** एकादशी (28: 20): **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा (22:56), **पक्ष:** शुक्ल, **योग :** आयुष्मान (16:11), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (कोई नहीं)। **राहुकाल** (12:16-13:50)।

विशेष दिन

- 3 सितंबर 2025: परिवर्तिनी एकादशी आज।
- 3 सितंबर डोल ग्यारस आज।
- 3 सितंबर पद्मा एकादशी आज।

मेष: कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी।

वृष: अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

मिथुन: कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

कर्क: कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

सिंह: रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा।

कन्या: धर्म-

दुनिया आपको तभी महत्व देगी, जब आप दुनिया को अपनी क्षमताओं से परिचित करवाओगे। -स्टीव जॉब्स

संपादकीय

मराठा आरक्षण पर बहस

भारतीय लोकतंत्र में आरक्षण का प्रश्न हमेशा से संवेदनशील रहा है। यह केवल सामाजिक न्याय का माध्यम नहीं, बल्कि राजनीतिक समीकरणों का भी हिस्सा बन चुका है। हाल ही में महाराष्ट्र में मराठा समाज ने एक बार फिर आरक्षण की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन किया। इस आंदोलन का नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने किया, जिन्होंने मुंबई के आजाद मैदान में 29 अगस्त को भूख हड़ताल शुरू की। पांच दिनों तक चले इस सत्याग्रह में सरकार को झुकना पड़ा और उसने मराठों की मांगों को मानने का आश्वासन दिया। इसे मराठा आंदोलन की ऐतिहासिक जीत माना जा रहा है। दरअसल, मराठा समाज लंबे समय से अपने लिए आरक्षण की मांग करता रहा है। महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा बहुल आबादी का बड़ा प्रभाव है।

शिक्षा और नौकरियों में पिछड़ने की दलील देकर वे बार-बार आरक्षण की मांग उठाते हैं। पहले भी राज्य सरकारों ने कई बार मराठा आरक्षण देने की कोशिश की, लेकिन न्यायपालिका ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला देकर रोक लगा दी जिसमें कुल आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत तय की गई थी। ऐसे में राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के लिए यह मुद्दा हमेशा तनावपूर्ण बना रहता है। इस बार सरकार ने आंदोलन को शांत करने के लिए एक नया रास्ता अपनाया। उसने हैदराबाद गजेटियर लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत मराठा समुदाय के लोगों को 'कुनबी' के रूप में दर्ज किया जाएगा। महाराष्ट्र में कुनबी जाति पहले से ही ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में शामिल है। इसका मतलब है कि मराठा समाज को अब कुनबी का जाति प्रमाणपत्र मिल सकेगा और वे सीधे ओबीसी आरक्षण का लाभ ले पाएंगे। चूंकि केंद्र स्तर पर ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है, इससे मराठा समाज के लिए आरक्षण की राह खुल गई है। आरक्षण केवल सामाजिक न्याय की नीति नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का अहम हथियार भी है।

महाराष्ट्र में मराठा समाज की आबादी लगभग 30-35 प्रतिशत मानी जाती है। इस वर्ग की नाराजगी किसी भी राजनीतिक दल के लिए घातक साबित हो सकती है। यही कारण है कि सत्ता में रही हर सरकार मराठा आरक्षण के प्रश्न पर झुकती रही है। मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में हुए हालिया आंदोलन ने इस दबाव को और बढ़ा दिया। सरकार ने तेजी से आश्वासन देकर संकट को टालने की कोशिश की है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह कदम कानूनी रूप से टिक पाएगा? सुप्रीम कोर्ट पहले ही कई राज्यों में आरक्षण बढ़ाने की कोशिशों को असंवैधानिक करार दे चुका है। अदालत का स्पष्ट कहना है कि 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक आरक्षण देना संविधान की भावना के खिलाफ है। ऐसे में मराठा समाज को कुनबी के रूप में दर्ज करने का कदम कानूनी जांच की कसौटी पर खरा उतर पाएगा या नहीं, यह भविष्य के न्यायिक फैसलों पर निर्भर करेगा। आरक्षण का मूल उद्देश्य उन वर्गों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक अवसरों में समान भागीदारी दिलाना था, जो ऐतिहासिक रूप से पिछड़े और वंचित रहे, लेकिन धीरे-धीरे यह नीति पिछड़ेपन की प्रतिस्पर्धा में बदलती चली गई। हर समाज और हर वर्ग अब अपने लिए आरक्षण चाहता है।

मराठा आंदोलन इसका ताजा उदाहरण है। मराठा समाज ऐतिहासिक रूप से भूमि स्वामी और प्रभावशाली रहा है। वे महाराष्ट्र की राजनीति, प्रशासन और अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में आलोचक सवाल उठाते हैं कि क्या सचमुच मराठा समाज को पिछड़ा वर्ग मानना उचित है? या फिर यह सिर्फ राजनीतिक दबाव का परिणाम है? भारत में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1990 से दिया जा रहा है, लेकिन अलग-अलग राज्यों ने अपने-अपने सामाजिक ढांचे और जातिगत समीकरणों के हिसाब से इसमें बदलाव किए हैं। कहीं कुल आरक्षण 60 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, तो कहीं 70 प्रतिशत तक। तमिलनाडु इसका बड़ा उदाहरण है, जहां विशेष अधिनियम लाकर आरक्षण सीमा बढ़ाई गई।

महाराष्ट्र में भी यही कोशिश बार-बार हुई है। अगर मराठा समाज को ओबीसी में शामिल कर दिया जाता है, तो इससे पहले से ओबीसी वर्ग में शामिल जातियों का हिस्सा और कम हो जाएगा। आरक्षण की लाभांश प्रक्रिया में यह असमानता और संघर्ष बढ़ा सकती है। पहले से ही कई ओबीसी संगठन मराठों को आरक्षण दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उनका हिस्सा घट जाएगा और वास्तविक रूप से वंचित समाज और पीछे चला जाएगा।

बहरहाल, महाराष्ट्र में मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन और सरकार के झुकने से यह साफ हो गया है कि राजनीतिक दबाव के आगे नीतियां बदल जाती हैं, लेकिन सामाजिक न्याय की असली परीक्षा अदालतों और संवैधानिक मर्यादाओं पर होती है। अगर मराठा समाज को ओबीसी में शामिल करने का कदम कानूनी रूप से ठहर नहीं पाया, तो यह आंदोलन और विवाद फिर से उठ खड़ा होगा। भारतीय लोकतंत्र को अब इस दिशा में ठोस बहस की आवश्यकता है कि आरक्षण की वास्तविक परिभाषा क्या हो और इसे किस सीमा तक ले जाना उचित है। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध संगीतकार

प्यारेलाल रामप्रसाद शर्मा हिंदी सिनेमा की प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी 'लक्ष्मीकांत प्यारेलाल' में से एक हैं। प्यारेलाल अपने आठ दशकों से अधिक लंबे करियर में हिंदी सिनेमा के सबसे सफल संगीतकारों में से एक हैं। महान संगीतकार प्यारेलाल ने संगीत सम्राट लक्ष्मीकांत शांताराम कुडालकर के साथ मिलकर हिंदी सिने जगत को असंख्य सुपरहिट गीत दिए हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने 'दोस्ती', 'हम सब उस्ताद हैं', 'आए दिन बहार के', 'मेरे हमदम मेरे दोस्त', 'मेरा गांव मेरा देश', 'बॉबी', 'रोटी कपड़ा और मकान' सहित सदाबहार गाने बनाए हैं। संगीतकार प्यारेलाल को 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संख्या पर वर्ष 2024 में भारत सरकार ने 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया है। प्यारेलाल का बचपन बेहद संघर्ष भरा रहा। उनकी मां का देहांत छोटी उम्र में ही हो गया था। उनके पिता 'पंडित रामप्रसाद जी' ट्रंपेट बजाते थे और चाहते थे कि प्यारेलाल वायलिन सीखें। उनका मासूम चेहरा सबको आकर्षित करता था। एक बार पंडित जी उन्हें लता मंगेशकर के घर लेकर गए। लता जी प्यारे के वायलिन वादन से इतनी खुश हुईं कि उन्होंने प्यारे को 500 रुपए इनाम में दिए। ■

प्यारे लाल
जन्म : 3 सितंबर, 1940

कविता

आसमां से बरसा पानी

विकर्ण डोगरा, मंडी

आसमां से बरसा पानी, आंसू बन के बह गया,
अपने साथ कई घरों की खुशियां भी बहा के ले गया।
उजड़ गए कई घर, कई आपणो से बिछड़ गए,
कैसा यह प्रकोप प्रकृति का, जो लाखों दिलों को तोड़ गया।
मेहनत मजदूरी से बना आशियाना भी छीन लिया,
उफनाती नदियां, दहड़ते पहाड़, चीख-चीख कर कहते हैं,
जो बोया वो काट ए मानव, अब क्यों तेरे आंसू बहते हैं।
प्रकृति का रूप विगाड़ के तूने, अपना संसार सजाया है,
प्रकृति ने तो अपना हक वापस ले के, तुझे सिर्फ चेताया है।
अभी भी तू न संभला, जो बचा है उसे भी खोएगा,
इसी तरह तेरा कर्म रहा, इस धरती पर जीवन से भी हाथ धोएगा।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

आखिर खतरनाक मौसम में भी स्कूल खुले क्यों?

बच्चों की सुरक्षा बनाम औपचारिकता का सवाल जर्जर स्कूल भवन, प्रशासन की संवेदनहीनता और बाढ़-गंदगी के बीच पढ़ाई नहीं, जीवन की रक्षा पहली प्राथमिकता, आपदा में भी आदेशों की राजनीति क्यों? बारिश और बाढ़ की स्थिति में बच्चों और शिक्षकों को स्कूल बुलाना उनकी जान से खिलवाड़ है। जर्जर इमारतें, गंदगी, जलभराव और यातायात बाधाएं पहले से ही खतरनाक हालात पैदा कर चुकी हैं। ऐसे में पढ़ाई से ज्यादा बच्चों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र लेखक

शिक्षा तभी सार्थक है जब बच्चे सुरक्षित माहौल में सीखें। सरकार को चाहिए कि संकट की घड़ी में औपचारिकताओं से ऊपर उठकर तुरंत अवकाश घोषित करे, ताकि संभावित हादसों से बचा जा सके। बरसात का मौसम बच्चों के लिए रोमांच और खेलने का समय माना जाता है, लेकिन जब यही मौसम बाढ़, गंदगी और जीवन-जोखिम का कारण बन जाए, तब सवाल उठता है कि हमारी व्यवस्था आखिर बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा के प्रति कितनी संवेदनशील है। हाल ही में हरियाणा प्रदेश के 18 जिलों में बाढ़ का हाई अलर्ट घोषित होने के बावजूद स्कूलों को बंद न करने का निर्णय इस संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। स्कूल भवनों की जर्जर हालत किसी से छिपी नहीं है। कई जगहों पर दीवारों में दरारें हैं, छतों से पानी टपकता है और फर्श गीले होकर दुर्घटनाओं को न्यौता देते हैं। जिन इमारतों में सामान्य दिनों में पढ़ाई मुश्किल हो, वहां लगातार बारिश के दौरान बच्चों और स्टाफ की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है? कई सरकारी और ग्रामीण स्कूल तो वैसे भी मरम्मत और रखरखाव के अभाव में खंडहर जैसी स्थिति में हैं। साफ-सफाई की समस्या भी गंभीर है। गंदगी, पानी भराव और खुले नाले स्कूल परिसरों को अस्वस्थ और खतरनाक बना देते हैं। बारिश के दिनों में मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में बच्चों को स्कूल बुलाना केवल उनकी जान से खिलवाड़ करना है। यही नहीं, बाढ़ और जलभराव के कारण परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। बच्चे और शिक्षक स्कूल तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करते हैं। कई इलाकों में

सड़कों पर घुटनों-घुटनों पानी भरा होता है, कहीं पुल टूटे हैं तो कहीं नदियां उफान पर हैं। बच्चों का ऐसे हालात में रोजाना आना-जाना केवल प्रशासन की संवेदनहीनता का उदाहरण है। सबसे हैरानी की बात यह है कि सरकार और उच्च अधिकारी जानते हुए भी स्कूल बंद करने का आदेश नहीं देते। यह निर्णय किसी मजबूरी से अधिक औपचारिकता जैसा लगता है—जैसे केवल आदेश देकर अपनी जिम्मेदारी निभा दी गई हो। सवाल यह उठता है कि क्या बच्चों की सुरक्षा से बढ़कर भी कोई औपचारिकता हो सकती है? अगर हादसा हो जाए तो क्या प्रशासन की यह चुप्पी और लापरवाही माफ की जा सकेगी? दुनियाभर में आपदा और संकट के समय शिक्षा व्यवस्था पर अस्थायी रोक लगाना कोई नई बात नहीं है।

कोरोना काल में महीनों तक स्कूल बंद रहे और वैकल्पिक माध्यमों से शिक्षा को आगे बढ़ाया गया। जब महामारी के दौर में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि मानी गई, तो बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में वही संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई जाती? यहां तर्क दिया जा सकता है कि पढ़ाई का नुकसान न हो, इसलिए स्कूल बंद नहीं किए जा सकते, लेकिन क्या पढ़ाई का महत्व बच्चों और शिक्षकों की जान से बड़ा है?

शिक्षा तभी सार्थक है जब छात्र और शिक्षक सुरक्षित हों। गीली और टूटती छतों के नीचे, पानी से भरे आंगनों में और बीमारी के खौफ में पढ़ाई कराने का निर्णय शिक्षा नहीं, बल्कि मजबूरी और लापरवाही कहलाएगी। दरअसल, असली समस्या हमारी नीति और नीयत दोनों की है। जिन अधिकारियों को स्थानीय हालात देखकर तुरंत निर्णय लेना चाहिए, वे केवल ऊपर से आए आदेशों का इंतजार करते रहते हैं और ऊपर बैठे नीति-निर्माता आमतौर पर कागज़ी रिपोर्टों और फाइलों के आधार पर निर्णय लेते हैं। नतीजा यह होता है कि जमीनी हालात और सरकारी आदेशों के बीच बड़ा अंतर रह जाता है। आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग मिलकर एक स्पष्ट नीति बनाएं। इसमें यह तय हो कि किन परिस्थितियों में स्वत: स्कूल बंद माने जाएंगे। जैसे-जब किसी जिले में बाढ़ का हाई अलर्ट जारी हो, जब लगातार बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए, या जब भवनों की सुरक्षा संदिग्ध हो। इससे निचले स्तर के अधिकारी समय रहते फैसला ले सकेंगे और बच्चों को जोखिम से बचाया जा सकेगा। इसके साथ-साथ स्कूल भवनों की नियमित मरम्मत और रखरखाव पर भी जोर दिया जाना चाहिए।

हर बरसात में छत टपकना और दीवारें गिरना हमारी शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल देता है। यदि बच्चों के लिए सुरक्षित भवन तक उपलब्ध नहीं करा सकते तो फिर शिक्षा के अधिकार की बातें खोखली साबित होती हैं। एक और पहलू पर ध्यान देना जरूरी है। जब सरकारें 'स्मार्ट क्लास', 'डिजिटल एजुकेशन' और 'न्यू एजुकेशन पॉलिसी' की बात करती हैं, तो क्यों न आपदा के समय ऑनलाइन या वैकल्पिक शिक्षा का सहारा लिया जाए? बच्चों की पढ़ाई बिना उनकी सुरक्षा से समझौता किए जारी रखी जा सकती है, लेकिन दुर्भाग्य है कि ऐसे दूरदर्शी कदमों की जगह केवल आदेश जारी करने की औपचारिकता निभाई जाती है। बच्चे देश का भविष्य हैं—यह वाक्य हम बार-बार सुनते हैं, लेकिन जब इस भविष्य को सुरक्षित रखने का समय आता है, तो हमारी व्यवस्था सबसे ज्यादा असफल साबित होती है। बारिश और बाढ़ जैसे हालात में स्कूलों को खुला रखना बच्चों और शिक्षकों दोनों की जान को खतरे में डालने जैसा है। यह केवल संवेदनहीनता ही नहीं, बल्कि लापरवाही की पराकाष्ठा है। अब समय आ गया है कि सरकारें औपचारिकताओं से आगे बढ़कर वास्तव में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

स्कूलों को तुरंत बंद किया जाए और हालात सामान्य होने पर ही पुन: खोला जाए। शिक्षा का असली उद्देश्य तभी पूरा होगा जब बच्चे सुरक्षित माहौल में पढ़ें और सीखें। यदि यह न्यूनतम सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो शिक्षा व्यवस्था पर गहन प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। संवेदनशील शासन वही है जो संकट की घड़ी में अपने नागरिकों—खासकर बच्चों—की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यदि इस बुनियादी दायित्व में भी हम असफल रहते हैं, तो विकास, शिक्षा और प्रगति के सारे दावे केवल खोखले नारे भर रह जाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

डिजिटल लहर के बीच संयम की शाश्वत पुकार

भारतीय संस्कृति ने हमेशा चेताया है कि साधन कभी साध्य न बनें। हमारा जीवन भीतर और बाहर, स्थायी और क्षणिक के बीच एक संतुलन है। जब यह संतुलन बिगड़ता है तब प्रकाश भी अंधकार में बदल सकता है।

हितेंद्र शर्मा
किंगल, कुमारसैन, शिमला,

आज जब स्क्रीन की आभासी चमक ने रिश्तों, संवाद और आत्म-शांति पर परदा डालना शुरू कर दिया है, तब यह स्मरण और भी जरूरी हो जाता है। सोशल मीडिया, जो कभी विचार-विनिमय का साधन था अब धीरे-धीरे जीवन की धुरी बनने लगा है। यही वह क्षण है जब हमें अपनी जड़ों की ओर देखना होगा। उस परंपरा की ओर, जो कहती है कि संयम ही स्थिरता है और स्थिरता ही आनंद का मार्ग। मानव सभ्यता का इतिहास देखें तो हर युग अपने साथ नई चुनौतियां और अवसर लेकर आया है। कभी औद्योगिक क्रांति ने हमारे श्रम और उत्पादन की परिभाषा बदल दी, कभी छपाई कला ने विचारों और ज्ञान को जन-जन तक पहुंचा दिया और आज डिजिटल क्रांति ने हमारी चेतना को एक नए आकाश में फेंक दिया है।

यह आकाश उज्ज्वल भी है और विचलित करने वाला भी। सोशल मीडिया उस आकाश का सबसे चमकदार तारा है कभी ज्ञान का दीपक, कभी मनोरंजन का अखाड़ा और कभी संवाद का विराट मंच, किंतु वही तारा

अब अंधाधुंध चमक से हमारी आंखें चकाचौंध करने लगा है; वह दीपक, जो मार्ग दिखा सकता था, अब कई बार धुंध और धुएं का स्रोत भी बन जाता है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने एक साहसिक निर्णय लिया, 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध। यह कदम केवल प्रशासनिक कठोरता नहीं, बल्कि इस चेतावनी का प्रतीक है कि दुनिया अब इस आभासी दरबार के दुष्प्रभावों को गंभीरता से समझने लगी है।

प्रश्न यह है कि भारत जैसा विशाल, विविध और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश किस राह पर चले? क्या हमें भी कठोर दीवारें खड़ी करनी चाहिए या अपनी परंपरा के प्रकाश से संतुलन का मार्ग खोजकर डिजिटल समुद्र को पार करना चाहिए? भारतीय संस्कृति का हृदय उसकी संतुलन की साधना में धड़कता है। गीता का श्लोक 'युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु, युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दु:खहा' सदियों से हमें सिखाता रहा है कि जीवन का रस संयम में है, अति में नहीं। उपनिषदों की वाणी कहती है 'मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदु:खदा:' अर्थात सुख और दु:ख, आकर्षण और विरक्ति सब क्षणभंगुर हैं, किंतु आत्मनियंत्रण ही स्थिरता का द्वार है। यही दृष्टि सोशल मीडिया के प्रसंग में भी लागू होती है। यदि यह साधन हमें आत्म-विकास और संवाद की ओर ले जाए, तो वरदान है; यदि यह हमारी चेतना को अशांत कर दे, तो अभिशाप है।

आज भारत का किशोर और युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है। सोशल मीडिया की चमक क्षणिक आतिशबाजी जैसी है कुछ पल के लिए आकाश रोशन करती है, पर फिर अंधकार गहरा देती है। इसके विपरीत वास्तविक जीवन की धूप-छांव, रिश्तों की गरमी और आत्मा की शांति शाश्वत है। प्रश्न यह नहीं कि तकनीक को स्वीकारें या अस्वीकारें, बल्कि यह कि उसे कितनी सीमा तक और किस विवेक से अपनाएं। यदि हम यह संतुलन साध लें, तो डिजिटल लहर हमें डुबोने के बजाय अपनी पीठ पर बिठाकर स्थिरता और शांति की ओर ले जाएगी। यही भारतीय दृष्टि है और यही समय की पुकार।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

'डोनाल्ड ट्रंप' टैरिफ का इस्तेमाल अक्सर एक 'रणनीतिक हथियार' की तरह करते हैं। वे चाहते हैं कि अमेरिका को व्यापार में नुकसान न हो, इसलिए जो देश अमेरिका से ज्यादा मुनाफा कमाते हैं, उन पर वे टैरिफ लगाकर दबाव बनाएंगे। इसका मकसद होता है बेहतर व्यापार समझौते करना। इससे वे घरेलू उद्योगों को भी सुरक्षा देते हैं, क्योंकि विदेशी सामान महंगा होने पर लोग अमेरिकी उत्पाद खरीदते हैं। ट्रंप की ये नीति उनकी **America First** सोच का हिस्सा है। वे खुद को एक मजबूत और राष्ट्रवादी नेता की तरह दिखाना चाहते हैं, जो अमेरिका के हितों के लिए किसी से भी टकरा सकता है। टैरिफ की ये दादागिरी दरअसल एक 'राजनीतिक और आर्थिक रणनीति' है, जो उनके वोटर्स को काफी पसंद आती है।

-विकास शर्मा (चंबा)

भारत का आर्थिक मंथन और विकास की प्रगति का अमृत

भारतीय सभ्यता में हमेशा से यह मान्यता रही है कि सफलता से पहले परीक्षा होती है। जैसे समुद्र मंथन से अमृत निकला था, वैसे ही भारत के आर्थिक मंथन से भी नवाचार और प्रगति का अमृत निकला है। 1991 का संकट भारत में उदारीकरण का कारण बना, महामारी ने डिजिटल उपयोग को बढ़ाया। आज जब कुछ लोग भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहते हैं, तब हमारे पास तेजी से हो रहे विकास, मजबूत आर्थिक बुनियाद और व्यापक अवसरों की एक सशक्त कहानी है। 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि व्यापक है-सकल मूल्य वर्धन (GVA) 7.6 प्रतिशत, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नाममात्र जीडीपी 8.8 प्रतिशत बढ़ी है। यह उपभोग, निवेश और सार्वजनिक व्यय में मजबूती का परिणाम है।

हरदीप एस. पुरी
केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहे हैं। स्वतंत्र अनुमानों के अनुसार भारत वैश्विक विकास में 15 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जिसे 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को 18 वर्षों में पहली बार उन्नत किया है, जो मजबूत विकास और मौद्रिक स्थिरता को दर्शाता है। इससे उधारी की लागत कम होगी और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। यह उन लोगों के लिए भी उत्तर है जो भारत की अर्थव्यवस्था को नकारात्मक दृष्टि से देखते हैं।

2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले। यह बदलाव बैंक खाते, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, नल जल योजना और डीबीटी जैसे बुनियादी सेवाओं की व्यापक उपलब्धता से संभव हुआ है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी रिफाइनिंग क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इसे 400 मिलियन टन वार्षिक से अधिक करने का लक्ष्य है। भारत की ऊर्जा मांग 2047

तक दोगुनी हो सकती है, जो वैश्विक मांग का एक-चौथाई होगी। तेल खोज के क्षेत्रों का विस्तार 2021 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत हो गया है। 2030 तक इसे 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

नो-गो क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की कमी लाई गई है। ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण में सुधार किए गए हैं और निवेशकों को प्रोत्साहन दिया गया है। 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत था, जो अब 1.25 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत कर चुका है और किसानों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान हुआ है। 300 से अधिक बायोगैस संयंत्र स्थापित हो रहे हैं और तेल क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनियां हरित हाइड्रोजन में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। रूस से तेल खरीद पर भारत की आलोचना हुई है, लेकिन रूस पर कोई सीधा प्रतिबंध नहीं है। भारत ने G|/EU मूल्य-सीमा नीति का पालन किया है। हर लेनदेन कानूनी रूप से, शिपिंग, बीमा और ऑडिट की प्रक्रिया से हुआ है।

भारत दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। प्रतिबंधों के बाद यूरोप ने भी भारत से तेल उत्पाद खरीदे हैं। यूक्रेन संघर्ष के बाद जब वैश्विक कीमतें बढ़ीं, भारत ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने डीजल पर प्रति लीटर 10 रुपए तक का नुकसान सहा। सरकार ने करों में कटौती की और घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की। भारत ने वैश्विक तेल बाजार को स्थिर किया और 200 डॉलर प्रति बैरल की कीमत से दुनिया को बचाया। यह भारत की ऊर्जा नीतियों और वैश्विक उत्तरदायित्व का प्रमाण है। मेड इन इंडिया अब एक नई औद्योगिक क्रांति का प्रतीक है। इसमें सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, रक्षा और स्पेशियलिटी केमिकल्स शामिल हैं। PLI योजनाएं और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स इसमें सहायक हैं। हाल ही में सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार नई परियोजनाएं मंजूर की गईं हैं। जापान में प्रधानमंत्री की यात्रा और निवेश प्रतिबद्धताएं तकनीकी साझेदारी का प्रमाण हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था इस प्रगति को और गति देती है। भारत रीयल टाइम डिजिटल भुगतान में अग्रणी है। यूपीआई ने छोटे व्यवसायों की उत्पादकता को बढ़ाया है और स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को निर्यात में बदल रहा है। डिजिटल और भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर के मिलन से निवेश और उपभोग के बेहतर चक्र बन रहे हैं। EY के अनुसार, 2038 तक भारत PPP के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसकी GDP 34 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगी।

यह लक्ष्य सतत सुधार, मानव पूंजी और स्वच्छ व विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है। भारत ने हमेशा संदेहों का जवाब प्रदर्शन से दिया है - हरित क्रांति, आईटी क्रांति और शिक्षा के माध्यम से। आज का भारत लोकतांत्रिक, तेज और समावेशी विकास कर रहा है। सबसे वंचित लोगों तक लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। आलोचकों के लिए उपलब्धियां ही जवाब होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत अब सिर्फ सपना नहीं, एक वास्तविकता बन रहा है। ये आंकड़े उस कहानी का नया अध्याय हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जल प्रलय के लिए मानव जनित ग्लोबल वार्मिंग जिम्मेदार

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे जरूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिए सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियां सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं।

तनवीर जाफरी
स्वतंत्र लेखक

इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियां भारत से होते हुए पाकिस्तान में भी प्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहां की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज बारिश यहां तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और

पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई जिले तो ऐसे भी थे जहां केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फेल हो गई। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्राय: फ़ेल ही रहती है।

भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता गैर ज़िम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डंपिंग यहां तक कि मरे जानवर से लेकर रजाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फेंक देने जैसी गैर जिम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है। एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पौंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिए जरूरी हो गया था, क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुंच गया था, तो पौंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था।

इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियां उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भी बाढ़ आई, जहां रावी, सतलुज और चेनाब नदियां प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनजर भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियां जारी कर दी थीं। हमें जल प्रलय के इस संदेश को समझना होगा कि इन हालात के लिए ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप होने वाला जलवायु परिवर्तन ही सबसे अधिक ज़िम्मेदार है और निश्चित रूप से विकास और इसके नाम पर पैदा किए गए ग्लोबल वार्मिंग के यह हालात पूरी तरह मानवजनित हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्ल

बरोट-मियोट मार्ग सात दिन बाद बहाल

बरोट-घटासणी व मुल्थान के कई मार्ग अब भी अवरुद्ध, जनजीवन प्रभावित

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

भारी बारिश के कारण बरोट में स्थित बैराज गेट के सभी आठों गेट खोले गए।

बरोट। लोक निर्माण विभाग के उपमंडल झटींगरी के अंतर्गत आने वाला बरोट-मियोट 9 किमी सड़क मार्ग भारी बारिश से सात दिन बंद रहने के बाद अब बहाल कर दिया गया है। 26 अगस्त को नागनाला के पास भारी भूस्खलन और चट्टानें गिरने से यह मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था।

विभाग ने जेसीबी व ब्लास्टिंग की मदद से मलबा हटाकर सड़क को दोबारा यातायात के लिए खोल दिया है, जिससे खलैहल और मियोट गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि, बरोट-घटासणी मुख्य मार्ग गुराहला के पास अभी भी बंद है, जहां सड़क का बड़ा हिस्सा बह गया है। साथ ही, बरोट बस ठहराव के पास भी लगातार ल्हासे गिरने से खतरा बना हुआ है। इसके चलते छोटाभंगाल घाटी के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुल्थान-बड़ा ग्रां-राजगुंधा-बीड़-छिछड़ सड़क मार्ग भी भारी बारिश से बार-बार मलबा व दलदल आने के कारण बंद है।

लोक निर्माण विभाग अभी तक मुल्थान-बड़ा ग्रां 16 किमी मार्ग को पूरी तरह बहाल नहीं कर पाया है। वहीं मुल्थान-लोहारड़ी 6 किमी सड़क, जो हाल ही में छोटे वाहनों के लिए खुली थी, मंगलवार रात फिर से ल्हासों के कारण बंद हो गई है।बारिश के कारण स्थानीय किसान, व्यापारी और वाहन चालक परेशान हैं। उधर, ऊहल और लम्बाड़ग नदियों के बढ़ते जलस्तर ने बरोट में खतरा बढ़ा दिया है। दोनों नदियों के संगम स्थल पर बाढ़ की आशंका को देखते हुए शानन विद्युत परियोजना के आठों बैराज गेट खोल दिए गए हैं। गेट इंचार्ज कृष्ण कुमार के अनुसार, नदी में 35,703 क्यूसिक पानी बह रहा है, जिसमें 26,000 क्यूसिक गाद है। फिलहाल परियोजना के लिए जल प्रवाह भी बंद कर दिया गया है।

सरौर गांव में दो भाइयों के कच्चे मकान ढहे

तारा चंद व कृष्ण चंद के परिवार बेघर, बीमारी और मजदूरी से किसी तरह चल रहा था परिवार का गुजारा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत परसदा हवाणी के गांव सरौर में सोमवार को भारी बारिश ने तबाही मचा दी। यहां तारा चंद और कृष्ण चंद पुत्र बल्लू राम के स्लेटपोश कच्चे दो मंजिला मकान ढह गए। हादसे में दोनों परिवार बेघर हो गए हैं और लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तारा चंद लंबे समय से बीमार रहते हैं और परिवार की आजीविका उनकी पत्नी नरेगा में काम कर किसी तरह चला रही थीं। पुराने जर्जर मकान में ही परिवार गुजर-बसर कर रहा था। वहीं, दूसरा भाई कृष्ण चंद मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। अब दोनों परिवारों के पास न तो रहने का ठिकाना है और न ही कोई सहारा बचा है।

सरकाघाट के सरौर गांव में भारी बारिश से जमींदोज हुआ दो मंजिला मकान।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत परसदा हवाणी की प्रधान शलीता देवी मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने तुरंत पटवारी को बुलाया। पटवारी ने मौके पर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंप दी है। प्रधान शलीता देवी ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री और आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को शीघ्र हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि इन परिवारों को कठिन हालात से बाहर निकाला जा सके।

पहाड़ी धंसने से मकानों और दुकानों को खतरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। कटौला बाजार में पहाड़ी खिसकने से लोगों के मकानों और दुकानों को खतरा हो गया है। मंगलवार रात को हुई भारी बारिश के चलते कटौला ग्रामीण बैंक के सामने सड़क के उस पार के तीन मकानों और करीब आधा दजर्न दुकानों को खतरा उत्पन हो गया है। स्थानीय निवासी विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात उनकी माता को फोन आया कि कटौला में स्थित उनके मकान के नीचे की पहाड़ी खिसक कर बरामदे तक पहुंच गई है। जिससे उनके मकान समेत दुकानों को खतरा हो गया है। लेकिन बारिश व सड़क अवरूद्ध होने की वजह से वे कटौला नहीं पहुंच पाये हैं। इधर कानूनगो गंगाराम ठाकुर ने बताया कि कटौला बाजार में तीन घर और कुछ दुकानों को एहतियातन खाली करवाया गया है। जिनमें विनोद कुमार का पक्का मकान और दुकानें, परमदेव पुत्र रतन चंद का मकान व दुकानें, परस राम और परम देव दोनों भाइयों का साझा कच्चा मकान, मोतीराम पुत्र रामचंद्र और गेहर पुत्र रामचंद्र की एक-एक दुकान को खाली करवा दिया है। नायब तहसीलदार कटौला मोहन सिंह यादव ने बताया कि जिन घरों और दुकानों को भूस्खलन से खतरा है, उन्हें खाली करवा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

शिखा प्रजापत ने हासिल किया चौथा स्थान

अनंत ज्ञान, नेरचौक। अभिलाषी नर्सिंग कॉलेज टांडा की छात्रा शिखा प्रजापत ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। बीएससी नर्सिंग छठे सेमेस्टर की छात्रा शिखा ने अटल विश्वविद्यालय की ओर से घोषित बीएससी नर्सिंग पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में चौथा स्थान हासिल किया है। शिखा ने 9.09 ग्रेड प्वाइंट अर्जित कर न केवल अपने परिवार, बल्कि कॉलेज और क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है। कॉलेज प्रशासन और अध्यापकों ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है। अभिलाषी समूह के अध्यक्ष डॉ. आरके अभिलाषी, डॉ. ललित अभिलाषी, डॉ. नर्मदा अभिलाषी, डॉ. प्रोमिला अभिलाषी, नरेंद्र कुमार तथा डॉ. नीलम कुमारी ने शिखा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज की प्राचार्या ने कहा कि शिखा का यह प्रदर्शन पूरे संस्थान के लिए गर्व की बात है। शिखा ने भी अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और परिवार को दिया है।

तीन दिन में करें बिजली बिल का भुगतान

अनंत ज्ञान, पधर। सहायक अभियंता नितिन चंदेल ने विद्युत उपमंडल पधर के अधीन आने वाले सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिन उपभोक्ताओं ने अपने बिजली का बिल जमा नहीं करवाया है, वे अगले तीन दिनों में विद्युत उपमंडल पधर में या ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से इसे जमा करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि उपभोक्ता समय पर बिजली का बिल जमा नहीं करवाते हैं, तो विभाग द्वारा प्रक्रिया के अनुसार डिफॉल्टर नोटिस निकाल दिया जाएगा तथा उसके 15 दिनों के बाद अस्थाई रूप से बिजली का कनेक्शन काटने का प्रावधान है। जिसे रि-कनेक्शन करवाने के रूप में 250 रुपए या 500 रुपए अतिरिक्त राशि का भुगतान उपभोक्ता को करना पड़ेगा।

चलयार सर-ऊहल नदी संगम में पवित्र स्नान कल

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। चौहार घाटी की खलैहल पंचायत के बड़ी झरवाड़ गांव के पास स्थित चलयार सर और बरोट पंचायत के लम्बाड़ग-ऊहल नदी संगम स्थल पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 20 भादो (4 सितंबर) को पवित्र स्नान का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक परंपरा में सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेकर पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाते हैं। खलैहल पंचायत के प्रधान भागमल और बरोट पंचायत के प्रधान डॉ. रमेश कुमार ने संयुक्त बयान में श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इन पवित्र स्थलों को धार्मिक स्थल मानते हुए पूर्ण आस्था और श्रद्धा से स्नान करें। उन्होंने कहा कि यह स्थल केवल मनोरंजन के लिए नहीं हैं, बल्कि देवी-देवताओं से जुड़ी आस्था के प्रतीक हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हर किसी का कर्तव्य है। प्रधानों ने विशेष रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखने को कहा है ताकि इन स्थलों पर गंदगी न फैले और देवी-देवताओं की कृपा बनी रहे। उन्होंने हाल ही में हो रही प्राकृतिक आपदाओं को देवीय नाराजगी का संकेत बताते हुए श्रद्धालुओं को आगाह किया है कि लापरवाही से बचें।उन्होंने यह भी आग्रह किया कि श्रद्धालु बारिश के कारण बने हालात को देखते हुए स्नान स्थलों तक पहुँचने में पूरी सावधानी और सतर्कता बरतें, ताकि कोई भी दुर्घटना न हो और यह पावन अवसर सुरक्षित व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता से चलाएं वाहन

अनंत ज्ञान, करसोग। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण करसोग-शिमला और करसोग-मंडी को जोड़ने वाले सड़क मार्ग का कुछ हिस्सा सनारली के समीप क्षतिग्रस्त हो गया है। मामले की सूचना मिलने पर एसडीएम करसोग गौरव महाजन व लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन सुरेश चंदेश ने सयुंक्त रूप से मौके पर पहुंच सड़क मार्ग की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सड़क मार्ग पर वाहनों को सतर्कता से चलाने के निर्देश दिए है। एसडीएम करसोग गौरव महाजन ने बताया कि सड़क मार्ग के किनारे पर लगा डंगा दीवर के क्षतिग्रस्त होने से सड़क मार्ग को नुकसान पहुंचा हैं। उन्होंने कहा सड़क मार्ग को यातायात के लिए बहाल कर दिया गया हैं।

प्रभावितों को दी 10-10 हजार की फौरी राहत

अनंत ज्ञान, करसोग। करसोग में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण करसोग उपमंडल में अलग-अलग स्थानों पर तीन मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए है। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को राहत राशि प्रदान कर दी है। एसडीएम करसोग गौरव महाजन ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कुठेहड में बृज लाल, निवासी चैकी का दो मंजिला रिहायशी मकान, चार कमरे व रसोई घर में दरारे आने से क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्राम पंचायत पोखी के कनूट गांव में हीरा सिंह का 4 कमरों का मकान, जबकि करसोग के जोहड़ में भीषम कुमार का मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया हैं। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को 10-10 हजार रुपए की फौरी राहत प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

गड्ढों में तब्दील सड़कें बनीं नाले, बढ़ी परेशानी

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास की सड़कों की दुर्दशा अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गई है। लंबे समय से गड्ढों में पड़ी सड़कें लगातार बारिश के चलते नालों का रूप धारण कर चुकी हैं। जहां-जहां थोड़ी बहुत मरम्मत की गई थी, वे भी दो-ढाई माह तक नहीं टिक पाईं और अब भारी बरसात से धुलकर गहरी खाइयों में तब्दील हो गई हैं। लोगों का कहना है कि हालात इतने बिगड़ गए हैं कि राष्ट्रीय उच्च मार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक वाहन चलाना मुश्किल हो गया है, वहीं पैदल चलने वालों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर धनोटू-सुंदरनगर राष्ट्रीय उच्च मार्ग-21 का बड़ा हिस्सा, भरजवाणू-साई मार्ग, धनोटू-महादेव-चौक संपर्क मार्ग और महादेव-भलवाहन मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। लोगों ने लोक निर्माण विभाग पर घटिया कार्य का आरोप लगाते हुए उपायुक्त मंडी से मांग की है कि जल्द से जल्द इन सड़कों की मरम्मत कराई जाए।

10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। महिला एवं बाल विकास विभाग मंडी ने मिशन शक्ति के अंतर्गत 2 से 12 सितम्बर तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत कर दी है। अभियान के तहत मंगलवार को एक दिवसीय ऑनलाइन वर्चुअल जागरूकता सत्र का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय बदरेल की अध्यक्षता में किया गया। इसमें पर्यवेक्षकों सहित वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन और चाइल्ड हेल्पलाइन का पूरा स्टाफ सक्रिय रूप से शामिल हुआ। प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के बावजूद यह कार्यशाला वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। इससे न केवल जागरूकता अभियान की निरंतरता बनी रही, बल्कि प्रतिभागियों की व्यापक और सक्रिय भागीदारी भी दर्ज की गई। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। जेंडर स्पेशलिस्ट सुनील कुमार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नारी अदालत, शक्ति सदन, सखी निवास (कामकाजी महिला छात्रावास), पालना (क्रेच सुविधा) और जिला स्तर पर स्थापित डीएचईडब्ल्यू केंद्र की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। जिला विस्तार अधिकारी जितेंद्र वर्मा ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोर्टल पर आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान संबंधी उपयोगी जानकारी साझा की। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक रीता ठाकुर ने वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली व सेवाओं के बारे में बताया। वहीं, चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वयक अच्छर सिंह परमार ने बच्चों से जुड़े अपराधों की रोकथाम और हेल्पलाइन सेवाओं की उपयोगिता पर चर्चा की।

महापौर वीरेंद्र ने परिषद में उठाई आपदा राहत और विकास योजनाओं की मांग

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। मंडी नगर निगम के महापौर वीरेंद्र भट्ट ने करनाल हरियाणा में आयोजित 53वीं अखिल भारतीय महापौर परिषद की बैठक में भाग लिया। इस साधारण बैठक की अध्यक्षता करनाल नगर निगम की महापौर रेणु बाला गुप्ता ने की, जिसमें देश के ऊर्जा और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान महापौर वीरेंद्र भट्ट ने मंडी नगर निगम क्षेत्र में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के कारण हुए व्यापक नुकसान की जानकारी दी और केंद्र सरकार से 10 करोड़ की विशेष सहायता राशि की मांग की। उन्होंने बताया कि आपदा से मंडी नगर की सड़कों, पुलों, नालियों और जन-संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है और इसके पुनर्निर्माण व मरम्मत हेतु विशेष पैकेज की आवश्यकता है। बैठक में महापौर ने मंडी को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रस्तावित 999 करोड़ की शहरी सड़क सुधार योजना का भी विवरण प्रस्तुत किया। इस योजना में शहरी सड़कों की गुणवत्ता में सुधार, ट्रैफिक जाम में कमी, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, तटीकरण और नालों का चैनलाइजेशन, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित मार्ग, जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट्स और सड़क संकेतों का उन्नयन जैसे बिंदु शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने महापौर की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शहरी परिवर्तन योजना के तहत 1 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें मंडी नगर निगम को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा महापौर द्वारा नगर निगम क्षेत्र में गौ सदन निर्माण के लिए 5 से 6 करोड़ की राशि की मांग भी की गई, जिस पर केंद्र सरकार से जल्द सहायता मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ महापौर वीरेंद्र भट्ट।

मंडी शहर की पहाड़ियों को बचाने की गुहार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

मंडी शहर के चारों तरफ की पहाड़ियों को हरा भरा करने के लिए हिमालय पर्यावरण रक्षक मंच ने मुख्यमंत्री को एक पाती भेजी है। पाती में निवेदन किया गया है कि प्रदेश में अभी भी बरसात का कहर लगातार जारी है। मंडी शहर के चारों तरफ डीपीएफ गर्नधवधार, डीपीएफ कांगणीधार, रेहडाधार, ढागंसीधार तथा टारनाधार है। मंच की ओर से सुझाव दिया गया है कि यदि शहर को बचाना है तो इन पहाडियों पर अधिक से आधिक पौधरोपण करना होगा। जैसे कि इस बार गंर्धव वन में जगह- जगह भू-स्खलन हआ जिसके कारण जान-माल का बहत नुकसान हआ।

मंडी शहर जोन न0 5 में आता है जो कि भूकंप की दष्टि से बहत संवेदनशील है। शहर के चारों तरफ पहाडियां कच्ची है। गर्नधव वन में बान बानी, थिरा ककडे, सिरस, दुधला, टौरे, सिम्बल, दरेहन्ड्, ओई, दरेक, पलिछठा, आंवला, खिडक आदि प्रजाति के पेड़ अधिक संख्या में होते थे जो कि जमीन को पकड कर रखते थे। लेकिन अब उपरोक्त पेड़ नाम मात्र ही रह गये है जिसके कारण भू-स्खलन अधिक मात्रा में हो रहे है।

मंच के अध्यक्ष नरेंद्र सैनी ने सरकार से प्रार्थना की है कि जो पहले पेड़ों की प्रजातियां थी दुबारा उनको गन्धर्व और दूसरे वनों में लगाया जाये। जहां- जहां इस वर्ष गन्धर्व वन में भू-स्खलन हुआा है वहां पर आधिक से अधिक बांस प्रजाति के पौघे रोपे जायें। उन्होंने कहा कि यह भी मालम हआ है कि कांगणी धार में बिना परमिशन से जल शक्ति विभाग के कार्यालय और भवन बना दिये हैं। इसकी जांच हो बार- बार पेड काटे जा रहे हैं। इसकी भी जांच हो। गर्न्धव वन में आधिक से आधिक चैक डैम चारों तरफ कांटेदार तारें लगाई जायें तथा जंगलों में साफ सफाई हो। सर्दियों में कई लोग तरडी की सब्जी अवैध रूप से निकालते है उन पर सख्त कार्रवाई हो कछ वर्ष पहले वन विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी अपनी देख-रेख में डंगे आदि लगाते थे जो कि बहुत मजबूत होते थे, लेकिन ठेकेदारी प्रथा में डगें आदि कच्चे लग रहे हैं जिसके कारण करोडों रूपये की हानि हो रही है तथा पर्यावरण पर बरा प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने मांग की भविष्य में उपरोक्त पहाडियों पर किसी प्रकार की सड़क या सरकारी भवन आदि ना बने। उन्होंने निवेदन किया है कि मंडी शहर को बचाने और पहाडियों को बचाने के लिये विशेष धनराशि स्वीकृत की जाये तथा योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए।

प्राचार्य तिलकराज को 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान' से नवाजा

अनंत ज्ञान, नेरचौक

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गलमा के प्राचार्य तिलकराज शर्मा को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान' से अलंकृत किया गया। यह सम्मान भिवानी में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट तथा महात्मा ज्योति फुले धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

प्राचार्य तिलक राज शर्मा पिछले 35 वर्षों से शिक्षा जगत में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय परिसर में सीखने के पार्क, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित एवं भाषाओं से जुड़े फ्लेक्स बोर्ड, वर्किंग मॉडल्स और गतिविधियां स्थापित की गई हैं। इनमें विश्व एवं भारत का मानचित्र, पीरियोडिक टेबल,

35 वर्षों से शिक्षा जगत में उत्कृष्ट योगदान

पेरिस्कोप, अनंत कुआं अनंत दर्पण, साउंड पाइप, इको ट्यूब जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों और आसपास के बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। समारोह में महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम जोड़ी हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसके लिए महंत चरणदास जी का विशेष सहयोग रहा। यह सम्मान न केवल प्राचार्य तिलकराज शर्मा, बल्कि पूरे ब्लॉक क्षेत्र और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गल्मा के लिए गौरव का विषय है।

नशे के खिलाफ सांस्कृतिक प्रतियोगिता 8 को

लोक गायक जग्गू मामा, विपिन और ब्लॉगर प्रियंका होंगे विशेष अतिथि

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

धर्मपुर नशा मुक्ति अभियान समिति और हिमाचल ज्ञान-विज्ञान एवं साक्षरता समिति के संयुक्त तत्वावधान में 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सजाओपीपलु के अंबेडकर भवन में महिलाओं की नशा विरोधी सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त महिला मंडलों को क्रमशः 2100, 1500 और 1100 रुपए के नगद पुरस्कार व मोमेंटो प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही 50 वर्ष से अधिक आयु के उन लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने आज तक कोई नशा नहीं किया है। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी से समाज में नशे के प्रति जागरूकता फैलाना है, विशेष रूप से युवाओं को चिट्टा जैसे सिंथेटिक नशे से बचाना। कार्यक्रम की तैयारी के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता रणताज राणा ने की। सलाहकार भोलादत्त कश्यप, महासचिव सतीश उपाध्याय, ज्ञान-विज्ञान समिति से भूपेंद्र सिंह व अन्य सदस्यों ने भाग लिया। लोकगायक जग्गू मामा, विपिन सकलानी और सोशल मीडिया ब्लॉगर प्रियंका शर्मा को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।कार्यक्रम की व्यवस्थाएं भी तय की गई हैं, जिसमें बैठने, रिफ्रेशमेंट, साउंड, सजावट व वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारियां समिति सदस्यों को सौंपी गईं। आयोजकों ने महिला मंडलों से इस कार्यक्रम के लिए प्रभावशाली गीत, नाटक और रीलें तैयार करने की अपील की है।

कार्यक्रम की तैयारी के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते रणताज राणा।

नशा न करने वालों को मिलेगा सम्मान

गरीबों की सेवा के लिए बढ़ाए हाथ

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल में सेवा भारती समिति सरकाघाट हर वक्त गरीब बेसहारा परिवारों, बेसहारा बेटियों तथा पढ़ने वाले गरीब बच्चों की सहायता मे हमेशा आगे रहती है इसी कड़ी में सरकाघाट के सरौर में दो भाईयों तारां चंद पुत्र बल्लू तथा कृष्ण चंद पुत्र बल्लू निवासी सरौर के दोनों भाईयों के मकान बिल्कुल ही ध्वस्त हो चुके हैं, जिसमें एक परिवार में तीन सदस्य व दूसरे में 5 सदस्य और परिवार का मुख्य स्वयं अंदरग से ग्रस्त हैं ऐसे परिवारों की सहायता के लिए सेवा भारती समिति सरकाघाट द्वारा परिवारों को कंबल, दरियां, चादरें, आदि देकर सहारा बन कर आगे आई है। समिति के सदस्यों डॉक्टर राज कुमार जिला अध्यक्ष, ललित, विजय कुमार, विक्रम सिंह, लेख राज, सोहन सिंह शास्त्री समिति में निस्वार्थ भाव से अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

बारिश में भी गणपति उत्सव में उमड़ा जनसैलाब

छातडु की प्रधान सत्या चौधरी ने किया 11,000 रुपए का सहयोग

विनोद, अनंत ज्ञान

नेरचौक। ग्राम पंचायत छातडु के कठयाहल गांव में चल रहे गणपति उत्सव ने मंगलवार को भक्तिभाव और जनसमूह का अनोखा संगम प्रस्तुत किया। बारिश भी ग्रामीणों के उत्साह को कम न कर सकी। आयोजन स्थल पर 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत छातडु की प्रधान सत्या चौधरी और उपप्रधान हेतराम चौधरी विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे गांव की सामाजिक एकता और आस्था का प्रतीक बताया। प्रधान सत्या चौधरी ने कहा कि गांव के लोग चाहे कैसी भी परिस्थितियां हों, एकजुट होकर ऐसे धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों को सफल बनाते हैं। उपप्रधान हेतराम चौधरी ने भी समिति को शुभकामनाएं दीं और भविष्य में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्य अतिथियों ने समिति की मेहनत व उत्साह को सम्मानित करते हुए 11,000 रुपए की राशि गणपति कमेटी को भेंट की। यह सहयोग सुनकर पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। गणपति उत्सव आयोजन समिति ने सभी ग्रामवासियों व मुख्य अतिथियों का आभार जताया और कहा कि यह पर्व अब हर साल और भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

कठयाहल गांव में चल रहे गणपति उत्सव के दौरान सम्मानित करते हुए।

पधर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के इलाज के लिए मांगी मदद

कविता, अनंत ज्ञान, पधर। पधर पुलिस ने आमजन व समाजसेवी संस्थाओं से एक अज्ञात व्यक्ति की मदद के लिए आगे आने की अपील की है। जानकारी के अनुसार 31 जुलाई को पाली क्षेत्र से इस अज्ञात व्यक्ति को गंभीर अवस्था में बरामद किया गया था। उस समय उसकी दोनों भुजाएं और सिर आग से झुलस गए थे। घायलावस्था में उसे तत्काल उपचार के लिए आईजीएमसी शिमला भेजा गया, जहां उचित इलाज के बाद अब वह पूरी तरह स्वस्थ हो चुका है और दैनिक कार्य करने में सक्षम है। उपचार पूरा होने के उपरांत उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल उक्त व्यक्ति का कोई ठिकाना ज्ञात नहीं है और न ही उसके परिजनों की कोई जानकारी उपलब्ध है। ऐसे में उसके लिए तत्काल किसी आश्रय स्थल अथवा शेल्टर होम की आवश्यकता है।

पधर पुलिस ने समाजसेवी संगठनों व इच्छुक व्यक्तियों से आग्रह किया है कि वे इस जरूरतमंद की मदद के लिए आगे आएं। इच्छुक लोग अधिक जानकारी अथवा सहयोग के लिए पुलिस थाना पधर से 01908-260634 पर संपर्क कर सकते हैं।

एसपीयू से बीएड कॉलेज हटाने पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

सरदार पटेल विश्वविद्यालय से 16 बीएड कॉलेजों को हटाकर शिमला विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने के फैसले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा ने इसे छात्र विरोधी और मंडी के साथ भेदभावपूर्ण निर्णय करार दिया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में छात्रों पर दोहरी मार पड़ रही है एक तरफ प्राकृतिक संकट, दूसरी ओर शिक्षा व्यवस्था पर आघात।

निहाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार शुरू से ही भाजपा सरकार द्वारा स्थापित संस्थानों को कमजोर करने की नीयत से काम कर रही है। सरदार पटेल विश्वविद्यालय को योजनाबद्ध तरीके से खाली किया जा रहा है। पहले कांगड़ा और चंबा के कॉलेज हटाए गए, अब बीएड कॉलेज भी शिमला भेज दिए गए। इससे विश्वविद्यालय को करीब 2.5 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा मंडी में शिवधाम और मेडिकल यूनिवर्सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की गई थीं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने उन्हें भी राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि मंडी से भाजपा के अधिकतर विधायक होने के कारण यहां विकास कार्य रोके जा रहे हैं। भाजपा ने चेतावनी दी कि वह इस छात्र विरोधी निर्णय के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी और छात्रों के साथ खड़ी है।

अनदेखी सरकाघाट तहसील की लाइब्रेरी में सिर्फ 20 सीटों की व्यवस्था, खाली स्पेस में अब तक नहीं लगी कुर्सियां

चटाई पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर छात्र

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सरकाघाट तहसील की लाइब्रेरी में छात्रों को पढ़ने के लिए अब भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है। महज 20 बच्चों के बैठने की क्षमता होने के चलते बाकी छात्र आज भी चटाई पर जमीन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब सुबह के समय बड़ी संख्या में छात्र लाइब्रेरी का रुख करते हैं, लेकिन जगह न मिलने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है।

गौर करने वाली बात यह है कि मंडी के उपायुक्त द्वारा लाइब्रेरी में खाली पड़े स्पेस में सीटिंग अरेंजमेंट के लिए 10 लाख की राशि पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आज तक कुर्सियां और टेबल नहीं लगाई गई हैं। छात्रों विशाल और अन्य ने बताया कि लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मंडल भाजपा के प्रवक्ता मनीष कंवर ने इस विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तहसील स्तरीय इस लाइब्रेरी में कम से कम 200 बच्चों के बैठने की सुविधा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब जगह और बजट दोनों उपलब्ध हैं, तो फिर बच्चों को ज़मीन पर बैठकर क्यों पढ़ाई करनी पड़ रही है?

इस पूरे मामले पर एसडीएम सरकाघाट स्वाति डोगरा ने स्पष्ट किया कि एक माह के भीतर लाइब्रेरी के खाली पड़े स्पेस में बैठने की उचित व्यवस्था कर दी जाएगी। सरकाघाट कॉलेज के प्रिंसिपल को इस संबंध में अवगत करवा दिया गया है और जल्द ही कुर्सी-टेबल लगवा दी जाएंगी। छात्रों को और अधिक इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। लाइब्रेरी में बढ़ती भीड़ और सुविधाओं की कमी को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि सरकाघाट के छात्र शांतिपूर्ण और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन कर सकें।

सरकाघाट तहसील की लाइब्रेरी में जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे बच्चे।

**10

न्यूज ब्रीफ

चिंतपूर्णी मंदिर का लाइव प्रसारण ठप, श्रद्धालु मायूस

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। चिंतपूर्णी मंदिर के यूट्यूब चैनल पर माता रानी के लाइव दर्शन व्यवस्था में बाधा होने से श्रद्धालुओं में गहरी नाराजगी है। मंदिर न्यास ने यह चैनल विशेष रूप से दूरदराज के भक्तों को घर बैठे माता रानी के दर्शन और सुबह-शाम की आरती का सीधा प्रसारण उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया था। हालांकि, कुछ समय से यह सेवा बंद या फिर केवल सीमित समय के लिए ही उपलब्ध हो रही है। बताया जा रहा है कि दोपहर के कुछ घंटों को छोड़कर चैनल अधिकांश समय बंद रहता है, जिससे देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु निराश हैं। बड़ी संख्या में भक्त अपने घरों से ही इस चैनल के माध्यम से पूजा-अर्चना और आरती में शामिल होते हैं। इसी क्रम में डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने मंदिर परिसर और एलईडी स्क्रीन लगाने की घोषणा की थी ताकि चिंतपूर्णी मंदिर का प्रचार-प्रसार और बेहतर हो सके, लेकिन, लाइव प्रसारण में आई यह रुकावट भक्तों की उम्मीदों पर पानी फेर रही हैं। भक्तों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द समाधान किया जाए, ताकि वे फिर से अपने घरों से माता रानी के दर्शन और आरती का लाभ उठा सकें।

महापंचायत अंब ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

विवेक शर्मा, अंब। चिंतपूर्णी विधानसभा की महापंचायत की बैठक विकास खंड कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। महापंचायत की अध्यक्षा शालिनी गोस्वामी ने प्रस्ताव रखा कि हमारा कार्यकाल 31 जनवरी 2026 को समाप्त हो जाएगा, लेकिन कोरोना जैसे महामारी, सचिवों की हड़ताल व राज्य में दो वर्ष में आपदा और बीच में चुनावों की वजह से सुचारु रूप से नहीं चला पाई, जिससे पंचायतों के विकास कार्य नहीं हो सके। जिला ऊना व पूरे प्रदेश में जिस तरह से भारी वर्षा के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त व हर तरफ तबाही हो रही है। अध्यक्ष ने कहा कि लगभग दो वर्षों से हम पंचायत प्रतिनिधि भी अपनी अपनी पंचायतों में लोगों के विकासात्मक कार्य भू-स्थल पर नहीं करवा सके। जिला ऊना व पूरे प्रदेश में लगातार वर्षा का कहर जारी है। आपदा के इस माहौल में चुनाव होना न्याय संगत एवं उचित न होगा। महापंचायत के सदस्यों ने अपनी-अपनी सहमति जताते हुए सदन में सर्वसहमति में प्रतिलिपि प्रस्ताव मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, राज्य चुनाव आयोग शिमला को उप-मंडल अधिकारी, अम्ब, के माध्यम से भेजा।

ऊना विस क्षेत्र के सुनेहरा में कई परिवार प्रभावित

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला ऊना लगातार कई घंटों से मूसलाधार बारिश की मार झेल रहा है। ऊना विधानसभा क्षेत्र के सुनेहरा गांव में हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। खड्डों के उफान और तेज बारिश से सोमवार तड़के चार घरों में पानी घुस गया था। अब भी स्थिति सामान्य नहीं है। प्रभावित परिवारों ने अपना सामान छत पर रखकर किसी तरह सुरक्षित करने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव में गैस सिलेंडर, लकड़ी, अनाज व अन्य कीमती सामान बह गया। कई परिवार अपने रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घरों में शरण लेने को मजबूर हो गए। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब क्षेत्र में बना एक छोटा बांध टूट गया, जिससे खड्डों का जलस्तर अचानक बढ़ गया और निचले इलाकों में पानी भर गया। ग्रामीणों ने कहा कि यह बारिश उनके लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है। सूचना मिलते ही तहसीलदार विपिन ठाकुर, लोक निर्माण विभाग और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। दमकल विभाग ने राहत व बचाव कार्य शुरू कर प्रभावित परिवारों को मदद पहुंचाई। दमकल विभाग के प्रभारी अशोक राणा ने बताया कि मौसम विभाग ने ऊना के लिए रेड अलर्ट जारी किया था, जिसके चलते विभाग पूरी तरह से अलर्ट पर है। सुनेहरा सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से एक बार फिर खड्डों के चैनलाइजेशन और पक्के तटीय कार्यों की मांग उठाई। उनका कहना है कि जब तक इन कार्यों पर अमल नहीं होता, तब तक हर साल बरसात में उन्हें इस तरह की आपदा का सामना करना पड़ेगा।

डीसी ने बहाली कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान, बंगाणा। ऊना के जतिन लाल ने उपमंडल बंगाणा की पंचायत थहड़ा के गांव गिओड़ का दौरा कर भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल, नायब तहसीलदार बलबीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीसी ने प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन हर कदम पर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि राहत व सहायता में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रशासन ने मौके पर ही तत्परता दिखाते हुए तीन प्रभावित परिवारों को 10-10 हज़ार रुपए की फौरी राहत प्रदान की। उपायुक्त ने बताया कि आगे राहत मैन्युअल के अनुसार और मदद दी जाएगी। लगातार बारिश से गिओड़ गांव में तीन मकानों को नुकुसान पहुंचा है और एक पहाड़ी ढलान भी खिसक गई है। स्थिति को गंभीर मानते हुए प्रशासन ने एहतियातन 12 अन्य मकानों को खाली करवाया है। उपायुक्त ने एसडीएम बंगाणा को प्रभावित परिवारों के लिए सुरक्षित ठहराव व राहत प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात से हुए नुकसान की भरपाई और बहाली कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

कोलकावासियों ने प्रशासन से मांगी त्वरित राहत

विनोद शर्मा, अनंत ज्ञान, लठियाणी। उपमंडल बंगाणा की रायपुर मैदान पंचायत के अंतर्गत कोलका गांव में प्राकृतिक आपदा की आहट ने स्थानीय निवासियों की नींद उड़ा दी है। गांव के पास स्थित एक पहाड़ी अचानक दो हिस्सों में बंट गई है, जिससे वहां लगभग तीन मीटर लंबी और एक फुट चौड़ी दरार बन गई है, जिसने जान-माल के भारी नुकसान की आशंका को भी जन्म दिया है। गांव कोलका के स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग से अपील की है कि वे तत्काल राहत कार्य को अंजाम दें। ग्रामीणों का सुझाव है कि प्रशासन आपदा प्रबंधन के तहत अस्थायी उपाय करते हुए कच्ची नालियां (ड्रेनेज चैनल) तैयार करवाएं, ताकि बारिश का पानी दरार में समाने के बजाए गांव से ऊपर-ऊपर दाएं और बाएं दिशा में घुमाकर बाहर निकाला जा सके। इससे पानी से पहाड़ी को और अधिक नुकसान नहीं पहुंचेगा और साथ ही गांव में पानी का बहाव न होने से भूस्खलन की आशंका भी काफी हद तक कम हो जाएगी। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का हल नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है। अब ज़रूरत है कि जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और संबंधित विभाग संवेदनशीलता दिखाते हुए इस गंभीर परिस्थिति का त्वरित संज्ञान लें। विशेषज्ञों की टीम को मौके पर भेजकर भूगर्भीय सर्वेक्षण करवाया जाए, ताकि समस्या की जड़ को समझा जा सके और स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें। इसके साथ ही ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, ज़रूरत पड़ने पर एहतियाती तौर पर कुछ परिवारों का अस्थायी विस्थापन भी विचाराधीन होना चाहिए, ताकि किसी अप्रत्याशित आपदा की स्थिति में जान की हानि को टाला जा सके।

कुटलैहड़ सेवा संगठन ने बढ़ाए मदद के लिए हाथ

अनंत ज्ञान, बंगाणा । प्रदेश में हुई भारी बरसात ने हिमाचल प्रदेश में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा से कोई भी जिला अछूता नहीं रहा। ऊना जिला की कुटलैहड़ विधानसभा भी इस त्रासदी की चपेट में आई, जहां कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस कठिन समय में राष्ट्रीय वॉलीबाल फेडरेशन के अध्यक्ष एवं कुटलैहड़ विधानसभा के पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर अपनी टीम के साथ हर प्रभावित परिवार तक पहुंच रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं और 'कुटलैहड़ सेवा संगठन' के सहयोग से वे प्रभावित लोगों को न केवल राहत सामग्री और आर्थिक मदद पहुंवा रहे हैं, बल्कि प्रशासन को भी लगातार वास्तविक स्थिति से अवगत करा रहे हैं ताकि शीघ्र और ठोस कदम उठाए जा सकें।

पूर्व विधायक भुट्टो ने प्रभावितों को दी राहत सामग्री

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा की थड़ा पंचायत के अंतर्गत घरवासड़ा गांव में हाल ही में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण कई परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस आपदा में प्रभावित लोगों का हाल जानने और उन्हें राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो मंगलवार को मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों को त्रिपाल, राशन किट, वर्तन किट और आवश्यक सामग्री वितरित की, साथ ही कुछ परिवारों को नकद आर्थिक सहायता भी प्रदान की।इस मौके पर उनके साथ स्थानीय जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा उपस्थित रहे।

3 दिन से खड़ोल में बिजली बंद, ग्रामीण परेशान

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के तहत गांव खड़ोल में पिछले चार दिन से बिजली बंद है। बिजली बंद होने का मुख्य कारण झीगली खड़ोल में खड्ड किनारे लगा बिजली का पोल है। वह भारी बारिश के कारण मिट्टी खिसकने से पोल एक तरफ झुक गया है तथा तारें खेतों में झूल रही हैं। 30 अगस्त सुबह जब यह हादसा हुआ तो उसी दिन से विभाग ने उस दिन से बिजली काट दी। इस कारण लोगों को तीन दिन से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल के बच्चे न स्कूल जा पा रहे हैं और न ही ऑनलाइन सरख पा रहे हैं। क्योंकि गांव में 3 दिन से बिलजी गुल है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द समस्या का हल हो, ताकि उन्हें समस्या का सामना न करना पड़े।

घरवासड़ा में मूसलाधार बारिश से दरकी पहाड़ी, 32 परिवार बेघर

26 परिवारों की पशुशालाएं भी हुईं ध्वस्त, करोड़ों रुपए का नुकसान, 150 लोगों का प्रशासन ने किया रेस्क्यू

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बंगाणा। उपमंडल बंगाणा की थड़ा पंचायत के घरवासड़ा गांव के घयोट में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक हुई मूसलधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। लगभग 500 कनाल पहाड़ी के दरकने से यहां 32 परिवार बेघर हो गए हैं। पूरी पहाड़ी खिसक कर गांव के घरों और खेतों सहित कई फीट नीचे आ गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अचानक हुए इस हादसे से 32 परिवारों के करीब डेढ़ सौ सदस्य बेघर हो गए और उन्हें अपने ही घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा।

चीखोपुकार से गूंजी वादियां, बुजुर्गों की आंखों में आंसुओं की धार : उपमंडल बंगाणा के इसी गांव में बारिश और भूस्खलन की वजह से 26 परिवारों की पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो गईं। कई जगह मवेशी मलबे में दबने से बाल-बाल बचे। हालात यह रहे कि ग्रामीणों को अपने मवेशियों को रस्सियों से बांधकर पास के वृक्षों के साथ सुरक्षित करना पड़ा। वहीं, प्रशासन व स्थानीय लोगों की मदद से पशुओं को सुरक्षित गोशालाओं तक पहुंचाया गया। बावजूद इसके, एक मुर्गी पालक के छह चूज़े बारिश की भेंट चढ़ गए। गांव में हर तरफ चीखोपुकार और अफरा-तफरी का माहौल रहा।

सरकारी स्कूलों व धार्मिक स्थलों में बनाए आश्रय स्थल : हालात की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रधान गुरनाम सिंह एवं कर्मचारियों ने प्रभावित परिवारों को गांव के सरकारी स्कूलों व धार्मिक स्थलों में शिफ्ट किया। कई परिवारों को पंचायत भवन और स्थानीय धर्मशालाओं में भी ठहराया गया। इस दौरान जिला परिषद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा, पंचायत प्रधान गुरनाम सिंह, स्थानीय पटवारी और सचिव सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्यों का जायजा लिया। भूस्खलन और मूसलाधार बारिश के बीच ग्रामीणों को निकालना किसी चुनौती से कम नहीं था। जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा और पंचायत प्रधान गुरनाम सिंह ने खुद मोर्चा संभालते हुए निजी गाड़ियों के जरिए लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। करीब डेढ़ सौ ग्रामीणों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन और स्थानीय लोग लगातार जुटे रहे।

रिहायशी घरों में आ गई बड़ी बड़ी दरारें : उक्त गांव प्रभावित क्षेत्र के अधिकांश मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। कई घर अब रहने लायक नहीं बचे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, उनके जीवनभर की जमा पूंजी और मेहनत से बने आशियाने पलक झपकते ही खंडहर में बदल गए। खेतीबाड़ी की जमीन, पेड़-पौधे और अन्य संपत्ति भी मलबे की चपेट में आने से पूरी तरह नष्ट हो गई है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार करोड़ों रुपये का नुक़सान हो चुका है।

जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा ने कहा कि यह क्षेत्र भारी आपदा की चपेट में आ चुका है। सरकार को चाहिए कि प्रभावित परिवारों की तुरंत आर्थिक मदद की जाए, ताकि वे अपने जीवन को फिर से पटरी पर ला सकें। उन्होंने कहा कि जिन मकानों में दरारें आ चुकी हैं, वे अब पूरी तरह असुरक्षित हैं और उनमें रहना खतरे से खाली नहीं। ऐसे में प्रभावित परिवारों के लिए स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था करना अब बेहद जरूरी है।

पीड़ित परिवारों की स्थानीय लोग भी कर रहे मदद : इस हादसे के बाद आसपास के गांवों से भी लोग मदद के लिए आगे आए। किसी ने खाने-पीने का सामान पहुंचाया तो किसी ने कंबल और कपड़े उपलब्ध कराए। महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षित स्थलों पर पहुंचाया गया। प्रशासन ने क्षेत्र को संवेदनशील घोषित करते हुए चेतावनी जारी की है कि अगले कुछ दिनों तक प्रभावित इलाके में कोई भी व्यक्ति अपने घरों में वापस न जाए। मौसम विभाग ने भी अगले 48 घंटों तक भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे खतरा और बढ़ सकता है।

पंचायत के ग्रामीणों का भविष्य अनिश्चित : अचानक हुई इस प्राकृतिक आपदा से ग्रामीण दहशत में हैं। रात-दिन मेहनत कर बनाए गए उनके घर अब खंडहर बन गए हैं। लोग पूछ रहे हैं कि अब वे कहां जाएं और कैसे अपने परिवार का भरण-पोषण करें। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई है, क्योंकि कई स्कूल भी पानी और मलबे से प्रभावित हैं।

यह आपदा न केवल प्राकृतिक प्रकोप की मार है, बल्कि प्रभावित परिवारों के सामने भविष्य की अनिश्चितताओं का बड़ा संकट भी खड़ा कर गई है। सरकार और प्रशासन के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है कि वे जल्द से जल्द प्रभावित लोगों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराएं, ताकि गांव के लोग फिर से अपने जीवन को सामान्य ढर्रे पर ला सकें। कुल मिलाकर, रामगढ़ धार की थड़ा पंचायत का घरवासड़ा गांव इस वक्त भारी आपदा की चपेट में है। 32 परिवार बेघर हो चुके हैं, 26 की पशुशालाएं ध्वस्त हैं, करोड़ों की संपत्ति का नुक़सान हो चुका है। प्रशासन और जनप्रतिनिधि राहत कार्यों में जुटे हैं, लेकिन प्रभावित ग्रामीणों की पीड़ा इतनी गहरी है कि उसे मिटाना आसान नहीं होगा।

ऊना से टक्का मार्ग पर संकट

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना से टक्का मार्ग पर कोटला खुर्द के समीप बारिश से डंगा दरक गया है। डंगा टूटने से सड़क को खतरा पैदा हो गया है। स्थिति ऐसी है कि रात के समय कोई हादसा भी हो सकता है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने इस मार्ग पर चलने वाले यात्रियों को चेतावनी देते हुए सतर्कता से वाहन चलाने को कहा है।

भारी बारिश से प्रभावित परिवारों के नाम की सूची

जनकधारी चंद, तरसेम लाल, पींकी देवी पत्नी गुरबख्श सिंह, संत राम राम किशन, संजीव कुमार, जगता राम, रमेश, सुमित्रा देवी, शमशेर सिंह, प्रवीण कुमार, गंगा देवी, जसवंत सिंह, गोविंद सिंह, शशि पाल, शंकर सिंह, सुरेश कुमार, मुकेश कुमार, कुलदीप सिंह, कर्मचंद सिंह, तरसेम लाल, प्रकाश चंद, इसमाईल, संजीव कुमार, निंदू राम, तरसेम लाल, प्रमोद सिंह, विनोद कुमार, बनी लाल, सुरेंद्र सिंह, नरदा सिंह, बलवंत सिंह आदि परिवारों के 154 लोग बेघर हुए हैं।

भदसाली पुल बंद ट्रैफिक डायवर्ट

अनंत ज्ञान, ऊना। नेशनल हाईवे एनएच 503-ए पर स्थित भदसाली पुल भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। इस दौरान यातायात को लोक निर्माण विभाग के सम्पर्क मार्ग जैजों मोड़ से होते हुए भदसाली तक डायवर्ट किया गया है। उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि भदसाली पुल की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने के कारण पुल को नुकसान पहुंचा और इसे वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुल के मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक वाहनों की आवाजाही निर्धारित वैकल्पिक मार्ग पर रहेगी। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सड़क बंद करने को लेकर जनता को सूचित करने और मार्ग परिवर्तन की जानकारी देने के लिए अग्रिम बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं।

गग्गी हत्याकांड : मुख्य शूटर समेत दो आरोपी ट्रांजिट रिमांड पर ऊना लाए गए

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जिला ऊना के ख्वाजा बसाल में गत 27 जुलाई को दिनदिहाड़े हुए राकेश कुमार उर्फ गग्गी हत्याकांड मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। पुलिस की ओर से जिन आरोपियों को ट्रांजिट वारंट पर लाया गया है, उनमें एक शूटर विपिन कुमार शामिल है, जो मूल रूप से पंजाब के होशियारपुर का रहने वाला है। उसे कुछ समय पहले पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने खरड़ से हथियार सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ में विपिन ने ख्वाजा बसाल हत्याकांड में अपनी संलिप्तता भी कबूल की थी। पुलिस ने इस मामले से जुड़े दो लोगों को हिरासत में लिया है।

बता दें कि पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मोहाली एरिया में एक गैंगस्टर को दबोचा था। आरोपी हिमाचल प्रदेश के ऊना में हुई हत्या में शामिल था। वहीं, वह विदेश में बैठे अपने हैंडलर से जुड़ा हुआ था। आरोपी के पास से एक पिस्टल और 6 कारतूस बरामद हुए थे।

आरोपी की पहचान विपिन कुमार निवासी बस्सी मुदा, बाघपुर मंदिर, होशियारपुर के रूप में हुई थी। शुरूआती जांच से पता चला है कि काबू किया गया विपिन कुमार हिमाचल प्रदेश के ऊना के ख्वाजा बसल गांव में राकेश कुमार उर्फ गग्गी की हत्या में शामिल मुख्य शूटरों में से एक था।

यह घटना विदेशी गैंगस्टर लाडी भज्जल उर्फ कूनर और मोनू गुज्जर (रवि बलाचौरिया गिरोह) और बब्बी राणा (सोनू खत्री गिरोह) के बीच गैंगवार का सीधा परिणाम थी। मृतक, राकेश कुमार उर्फ गग्गी, विदेशी गैंगस्टर बब्बी राणा का सहयोगी था, जो सोनू खत्री का करीबी सहयोगी है।

कटिंग करवाते समय हुई थी हत्या

ऊना के अप्पर बसाल में गत 27 जुलाई को राकेश कुमार उर्फ गग्गी की हत्या उस समय हुई, जब वह नाई की दुकान पर बाल कटवाने गया था। हमलावर मोटरसाइकिल पर आए थे। उन्होंने पीड़ित पर लगभग सात-आठ राउंड फायर किए, लेकिन राकेश के साथियों पर एक भी गोली नहीं चलाई। यह घटना ऊना से लगभग 7 किलोमीटर दूर चंडीगढ़-धर्मशाला राजमार्ग पर स्थित दुकान में हुई थी। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके मेडिकल कराकर रिमांड हासिल किया है। इस मामले में कई और रहस्य उजागर हो सकते हैं।

अद्भुत प्लास्टिक सर्जरी से बचाई जंगली सांभर की जान

अनंत ज्ञान, ऊना

पशु चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज करते हुए बहुआयामी पशु चिकित्सालय ललड़ी की विशेषज्ञ टीम ने एक गंभीर रूप से घायल जंगली सांभर के बच्चे की जान बचाई है। डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. नवनीत और डॉ. नेहा की टीम ने इस जटिल सर्जरी को अंजाम दिया।

डॉ. शर्मा ने बताया कि यह घायल सांभर ऊना के जंगलों में मिला था, जिसका जबड़ा किसी जंगली जानवर के हमले में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। सूचना पर वन विभाग ने उसे राधा माधव गौशाला की मदद से ललड़ी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए प्लास्टिक सर्जरी की गई। करीब चार घंटे चली इस सर्जरी में सांभर की दोनों नासिकाएं कृत्रिम रूप से बनाई गईं और जबड़े की टूटी हड्डियों को शरीर के अन्य हिस्सों से जोड़कर पुनर्निर्मित किया गया। दो घंटे तक सांसें कृत्रिम रूप से संचालित रहीं। यह सर्जरी पशु कल्याण और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अद्भुत उदाहरण बनी।

यह अस्पताल अब ऊना व आसपास के पशुपालकों के लिए वरदान बन चुका है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के प्रयासों से यहां आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो से अब तक 800 से अधिक पशुओं का सफल इलाज हो चुका है।

बंगाणा उपमंडल में आपदा से अब तक 100 करोड़ का नुकसान

अनंत ज्ञान, बंगाणा

बंगाणा। उपमंडल बंगाणा में बीते दो दिनों की लगातार मूसलाधार बारिश ने तबाही का ऐसा मंजर दिखाया है कि प्रशासन से लेकर आम जनता तक हर कोई हतप्रभ है। आंकड़ों के अनुसार केवल लोक निर्माण विभाग को ही करीब 16 करोड़ रुपए की चपत लगी है। विभाग के एक्सईएन अरविंद लखनपाल ने बताया कि इस तबाही के चलते उपमंडल की 21 सड़कें पूरी तरह से बंद हो चुकी हैं, जिससे आवागमन बुरी तरह प्रभावित है। लोक निर्माण विभाग का अब तक 68 करोड़ रुपए तक नुकसान पहुंच गया है।

इसी तरह जल शक्ति विभाग भी इस आपदा से अछूता नहीं रहा। विभाग के एक्सईएन हरभजन सिंह ने जानकारी दी कि दो दिनों की बारिश में विभाग को 2.50 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और कुल नुकसान का आंकड़ा बढ़कर 25 करोड़ रुपए तक जा पहुंचा है। स्थिति यह है कि विभाग की दो मुख्य योजनाएं बंद हो गई हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

राजस्व विभाग ने बताया कि अब तक करीब 400 रिहायशी मकान और पशुशालाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। तहसीलदार अमित कुमार के अनुसार विभाग को केवल पिछले दो दिनों में ही 12.50 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान हुआ है। इसके अलावा कृषि और पंचायतीराज विभाग के अंतर्गत किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं और पंचायत स्तर पर छोटे-मोटे ढांचागत नुकसान भी दर्ज किए गए हैं। सिर्फ सरकारी आंकड़ों की बात करें तो उपमंडल बंगाणा में कुल नुकसान का आंकड़ा 100 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है, लेकिन असल नुकसान केवल पैसों तक सीमित नहीं है। जिन परिवारों के मकान मलबे में तब्दील हो गए हैं, जिनके खेतों की फसलें बह गई हैं, जिनके पशुशालाएं ध्वस्त हो गईं, उनके लिए यह नुकसान उनकी जिंदगी की कमाई और सपनों के चकनाचूर होने जैसा है।

एक-एक रुपए जोड़कर गरीब किसान और मजदूर अपना छोटा सा आशियाना खड़ा करता है। वर्षों की मेहनत के बाद जब दीवारें खड़ी होती हैं, तब जाकर जीवन में एक सुरक्षित छत का एहसास होता है, लेकिन जब इसी मेहनत का फल पलक झपकते ही मलबे में बदल जाए तो इंसान की हिम्मत भी टूट जाती है। यह आपदा भी लोगों के लिए वैसा ही दर्द लेकर आई है। ग्रामीणों की आंखों के सामने उनके सपने बिखरते दिखे और उनके पास सिर्फ आंसू ही बचे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस भारी नुकसान की भरपाई कैसे होगी?

सरकार और प्रशासनिक मशीनरी राहत और पुनर्वास कार्यों में जुटी है, लेकिन सौ करोड़ के पार पहुंच चुका यह नुकसान जल्द पूरा होना संभव नहीं लगता। राहत राशि और मुआवजे से अस्थायी सहारा जरूर मिलेगा, परंतु टूटी छत और बर्बाद खेतों को दोबारा खड़ा करने के लिए सालों लग जाएंगे। उपमंडल बंगाणा की यह स्थिति एक बार फिर यह सोचने को मजबूर करती है कि प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए स्थायी समाधान कब तलाशे जाएंगे। फिलहाल यहां के लोग टूटे हुए दिलों और बिखरे हुए आशियानों के बीच केवल उम्मीद की डोर पकड़कर आगे बढ़ने को मजबूर हैं।

बंगाणा क्षेत्र में मलबे में तब्दील हुआ एक घर।

- इलाके की 21 सड़कें हुईं बंद 400 मकान व पशुशालाएं ध्वस्त
- ग्रामीणों की आंखों के सामने हुए सपने चकनाचूर

भारी बारिश से हुआ नुकसान चिंतनीय : विवेक

कुटलैहड़ क्षेत्र में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान के बीच स्थानीय विधायक विवेक शर्मा पीड़ित परिवारों के साथ खड़े दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में वे अपने क्षेत्र की जनता को अकेला नहीं छोड़ेंगे और हरसंभव मदद उपलब्ध करवाई जाएगी। विधायक विवेक शर्मा ने आश्वासन दिया कि सरकार से बात कर प्रभावित परिवारों को शीघ्र आर्थिक मदद दिलाई जाएगी, ताकि वे फिर से अपने जीवन को सामान्य बना सकें। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक आपदा ने कुटलैहड़ क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। कई परिवार बेघर हो गए हैं, घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा है तथा सड़कों के बाधित होने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन हर स्तर पर राहत और बचाव कार्य में जुटा है तथा शीघ्र ही प्रभावित परिवारों तक आर्थिक सहायता पहुंचाई जाएगी। उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता को पारिवारिक सदस्य बताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे हमेशा साथ खड़े रहेंगे। विधायक ने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे प्रभावित गांवों का लगातार दौरा कर समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें। विवेक शर्मा ने जनता से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और प्रशासन के साथ सहयोग करें।

अफरा-तफरी शॉर्ट-सर्किट से मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान जलकर राख

चौकीमन्यार में भीषण आग, लाखों रुपए का नुकसान

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान

बड़ूही (ऊना)। उपमंडल बंगाणा के तहत चौकीमन्यार बाजार में सोमवार सुबह अचानक लग गई। आग ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान में लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और चंद मिनटों में ही पूरी दुकान राख हो गई। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की टीम समय रहते मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूनिस खान उर्फ राजा पुत्र उमर दीन, गांव अमरोह (पंचायत बैरियां) निवासी, चौकीमन्यार बाजार में किराये पर मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान चलाता है। घटना के समय दुकान के अंदर 5 मोटरसाइकिलें रिपेयर के लिए और एक उसकी खुद की बुलेट मोटरसाइकिल खड़ी थी। इसके अलावा दुकान में रखे स्पेयर पार्ट्स, औजार और अन्य सामान भी पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रारंभिक कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। यूनुस खान को इस हादसे में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

दुकान की मालिक तृप्ता देवी पत्नी सत्य प्रकाश ने बताया कि इस भीषण अग्निकांड से उनकी दो अन्य दुकानें और दुकान के नीचे बने बेसमेंट के दो कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आग की तेज लपटों और धमाकों से लेंटर फट गया और दीवारों में गहरी दरारें आ गईं। अनुमान के अनुसार, उन्हें करीब 15 से 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि दुकान के बेसमेंट में एक किरायेदार रहता है, उसने तुरंत दुकान मालिक को सूचना दी। सूचना मिलते ही दुकान मालिक मौके पर पहुंचे। इस बीच स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया।

दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया हमें सुबह लगभग साढ़े नौ बजे सूचना मिली थी। हमारी टीम तुरंत मौके पर रवाना हुई और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग का कारण प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट ही लग रहा है, लेकिन जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। यूनुस खान की रोजी-रोटी का सहारा राख में बदल गया। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन और विधायक से मांग की है कि पीड़ित दुकानदार को न केवल फौरी राहत दी जाए बल्कि उचित मुआवजा भी दिलवाया जाए, ताकि वह दोबारा अपना कारोबार खड़ा कर सके।

नायब तहसीलदार जोल अश्वनी धीमान मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पटवारी को नुकसान का विस्तृत आकलन करने के आदेश दिए। वहीं, विधायक सुंदर्शन सिंह बबलू का कहना है प्रशासन को नुक़सान का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं, जल्द ही पीड़ित दुकानदार को फौरी राहत जारी की जाएगी।

मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान के जलकर राख होने से पीड़ित को लाखों का नुकसान हो गया।

पुलिया के टूटने से चुआर गांव

लाहौल-स्पीति में बारिश और बर्फबारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में बारिश के साथ बर्फबारी के क्रम भी जारी है। आलम यह है कि बारिश व बर्फबारी से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

लगातार जारी बारिश से लाहौल के पागल नाले में बना अस्थायी पुल बहा गया है, जिससे लेह-मनाली मार्ग पर फिर से वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। लाहौल घाटी में बारिश का कहर लगातार जारी है। चंद्रभागा नदी का जल स्तर बढ़ गया है। नदी पट्टन घाटी में जोबरंग पुल के ऊपर से बह रही है। पागल नाले में फिर से बाढ़ ने कहर ढाया है। नर्सरी से बाया टेलिंग मार्ग बंद होने से समस्या दो गुना हो गई है, अब छोटे वाहनों की आवाजाही भी पूर्ण रूप से बंद हो गई है। दूसरी ओर चंद्रभागा नदी का पानी जोबरंग पुल के ऊपर से बह रहा है, जिस कारण जोबरंग, रापे व राशेल गांव के ग्रामीणों की दिक्कत बढ़ गई हैं। लाहौल-स्पीति प्रशासन ने मौसम खुलने तक सफर न करने का आग्रह किया है। बारिश के साथ-साथ बर्फबारी ने भी दिक्कत को बढ़ाया है। रोहतांग दर्रे सहित शिंकुला, बारालाचा व तंगलंगला में हिमपात हो रहा है। ऊंची चोटियों के साथ-साथ लाहौल-स्पीति के ऊंचाई वाले ग्रामीण क्षेत्रों में भी बर्फ के फाहे गिरने शुरू हो गए हैं। स्पीति के लोसर गांव सहित लाहौल के छीका, रारिक व दारचा में बर्फ के फाहे गिरने शुरू हो गए हैं। हालांकि, दर्रों में अभी वाहनों की आवाजाही सुचारु है, लेकिन हिमपात का क्रम ऐसा ही रहा, तो सभी दर्रों में आवाजाही बंद हो जाएगी। डीसी लाहौल-स्पीति किरण भडाना ने कहा कि जिले में भारी बारिश हो रही है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात का क्रम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि पागलनाले में बना बीआरओ का अस्थायी पुल भी बह गया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि मौसम साफ होने तक सफर न करें।

लाहौल-स्पीति में हुई बर्फबारी, प्रशासन का आग्रह, मौसम खुलने तक न करें सफर।

लगातार बारिश के कारण सभी नाले उफान पर हैं तथा मुख्य मार्ग एवं संपर्क मार्ग भी जगह-जगह बाधित हैं। मौसम अनुकूल होते ही बीआरओ व पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क बहाली शुरू कर दी जाएगी। कृपया घर पर रहें, सुरक्षित रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। शासन-प्रशासन मुस्तैदी से हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा है। **अनुराधा राणा, विधायक लाहौल-स्पीति।**

आनी के नए बस स्टैंड में ताश के पत्तों की तरह ढह गया भवन

प्रशासन ने एहतियातन खाली करवाए 8 भवन, प्रभावितों के ठहरने व खाने-पीने का किया प्रबंध

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

आनी। जिला कुल्लू के आनी में भी बारिश के कारण भारी नुकसान हो रहा है। मंगलवार को आनी में भूस्खलन के चलते नए बस स्टैंड के ठीक ऊपर एक निर्माणाधीन भवन क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह है कि भवन खाली था।

इसके चलते किसी भी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। यह वही क्षेत्र है, जहां वर्ष 2023 में कुछेक भवन गिरने की घटना हुई थी और तब से यह भवन भी खतरे की जद में था और खाली पड़ा था। वहीं, आनी उपमंडल प्रशासन ने नया बस अड्डा में भूस्खलन के पश्चात 8 भवनों को एहतियातन खाली करवाया है। मंगलवार सुबह भूस्खलन के कारण और इसकी चपेट में आए एक निर्माणाधीन भवन के पश्चात प्रशासन ने उक्त कार्रवाई की। एसडीएम लक्ष्मण कनेट सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का दौरा करने के पश्चात यह फैसला लिया। उक्त भवनों में रहने वाले लोगों को पंचायत समिति के पास बने लोक भवन और पंचायत समिति गेस्ट हाऊस में शिफ्ट किया गया है। इन लोगों के ठहरने व खाने की प्रशासन की ओर से उचित व्यवस्था की गई है। भूस्खलन वाले क्षेत्र का दौरा करने के पश्चात प्रशासन ने पाया कि अन्य भवन भी भूस्खलन की चपेट में आ सकते हैं। इसके चलते एसडीएम आनी लक्ष्मण कनेट ने लोगों की सुरक्षा के मध्यनजर भवनों को खाली करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि मंगलवार सुबह क्षतिग्रस्त हुआ भवन वर्ष 2023 से खाली था। इसके चलते कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। खाली किए गए 8 भवनों में से तीन भवन पहले ही खाली करवा दिए गए थे। अन्य 5 भवनों से लोगों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें शिफ्ट किया गया है। भूस्खलन वाले क्षेत्र का दौरा करने के दौरान तहसीलदान आनी रत्नेश्वर शर्मा, बीडीओ विद्या चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा एनएच-305 भी जगह-जगह से अवरुद्ध है, जबकि अन्य कुछ संपर्क मार्ग भी बाधित हैं। उन्होंने कहा कि भूस्खलन वाले क्षेत्र के पास नया बस स्टैंड में पुलिस के दो जवानों को निगरानी के लिए तैनात किया गया है, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

आनी के नए बस स्टैंड में भूस्खलन के कारण गिरता भवन।

बहाली कार्य में जुटे सभी विभाग

उन्होंने कहा कि आनी उपमंडल में विभिन्न विभाग भारी बारिश के बावजूद सड़क, बिजली और पेयजल सुविधा को बहाल करने में जुटे हुए हैं। कुछेक क्षेत्रों में समस्या अधिक होने के कारण उक्त सुविधाएं सुचारू करने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन प्रशासन युद्ध स्तर पर विभिन्न सेवाओं को बहाल करने में प्रयासरत है। उन्होंने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए एहतियात बरतने की सलाह दी है।

दूसरी महिला का शव भी मिला

बीते 29 अगस्त को पटारना में भूस्खलन की चपेट में आई दूसरी महिला का शव भी बरामद हो गया है। 29 अगस्त को आनी की कराड़ पंचायत के पटारना गांव में 3 मकान भूस्खलन की चपेट में आ गए थे, इनमें दो महिलाओं समेत 3 लोग दब गए थे। इनमें एक महिला का शव उसी दिन निकाल लिया गया है, जबकि दूसरी महिला लापता थी, जिसका शव मंगलवार को बरामद हुआ है, जबकि एक व्यक्ति को घायलावस्था में सुरक्षित निकाल लिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

ब्यास नदी किनारे जा गिरी जिप्सी, दो युवक घायल

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली के रागड़ी में रात दस बजे एक जिप्सी एचपी 6 ए 1515 ब्यास नदी किनारे जा गिरी। इस दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए, जबकि जिप्सी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों की पहचान मनु पुत्र राज कुमार उम्र 25 वर्ष निवासी उदयपुर, लाहौल-स्पीति व आशीष कुमार पुत्र बलजीत सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी भजोगी, मनाली जिला कुल्लू के रूप में हुई है। अग्निशमन केंद्र मनाली की टीम ने दोनों युवाओं को रेस्क्यू कर मनाली अस्पताल पहुंचाया। मनाली अग्निशमन केंद्र के प्रभारी शरणपत ने बताया कि रात 10 बजकर 20 मिनट में उन्हें बचाव काल प्राप्त हुई कि एक जिप्सी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जो ब्यास नदी के किनारे गिर गई। जिप्सी में दो घायल व्यक्ति फंस गए हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। अग्निशमन दल ने दोनों युवाओं को रेस्क्यू कर स्वास्थ्य उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनाली पहुंचाया।

नग्गर-रूमसू सड़क का डंगा गिरा

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। जिले में पिछले कई दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। वहीं, ऐतिहासिक गांव नग्गर से ग्राम पंचायत रूमसू की ओर जाने वाली सड़क का डंगा गिर गया है। इससे बड़े वाहनों की आवाजाही ठप है और छोटे वाहन निकल रहे हैं। डंगा गिरने से नग्गर कैसल के भवन और सड़क किनारे दोनों ओर बसे रिहायशी क्षेत्रों को खतरा बना हुआ है। हालांकि, जिस स्थान पर सड़क का डंगा गिरा है। वहां दोबारा भूस्खलन होने से चार ग्राम पंचायतों का कुल्लू-मनाली वाया नग्गर सड़क से संपर्क कट जाएगा। ग्राम पंचायत रुमसू, नथान, जाणा और नग्गर के कुछ गांव सड़क बंद होने से प्रभावित हो सकते हैं। ग्राम पंचायत नग्गर के वार्ड सदस्य सुरेश ने बताया कि जैसे ही नग्गर कैसल के समीप सड़क का डंगा गिरा, वहां पर मौजूद लोगों ने सीटियां बजाकर नीचे ग्रामीणों को सचेत किया। समय रहते ग्रामीण अपने घरों से बाहर की ओर भागे।

राजीव ने झटका रजत पदक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा। 19 डोगरा बटालियन के वीर सैनिक और अल्ट्रा धावक नाइक राजीव सिंह ने सूर्या स्पीति अल्ट्रा मैराथन कुंजुम चैलेंज में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल किया। यह 77 किलोमीटर लंबी हाई-एल्टीट्यूड रेस भारतीय सेना द्वारा आयोजित की गई थी। रेस का दूसरा संस्करण 15,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित दुर्गम कुंजुम पास से शुरू हुआ और काजा में समाप्त हुआ। यह चुनौतीपूर्ण ट्रैक हिमालय की सबसे कठिन पगडंडियों में से एक माना जाता है। नाइक राजीव सिंह ने इस दौड़ में दूसरी बार हिस्सा लिया और इस बार पहले से बेहतर समय में दौड़ पूरी कर अपनी उपलब्धि को और भी गौरवशाली बनाया। पुरस्कार समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, सेंट्रल कमांड ने नाइक राजीव सिंह को उनकी इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए पदक प्रदान किया।

ढालपुर में भूस्खलन की चपेट में आई महिला, मौत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू जिले में आफत बनकर बरस रही बारिश से अभी तक भारी नुकसान हो चुका है। मंगलवार को भी बारिश का क्रम जारी रहा। ऐसे में जिला मुख्यालय कुल्लू के ढालपुर स्थित विक्रांत होटल के समीप एक घर के पास भूस्खलन की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार उक्त महिला सुबह किसी काम से अपने घर के पीछे गई थी कि अचानक भूस्खलन की चपेट में आने से मलबे में दब गई। वहीं, जब महिला को बचाने के लिए एक स्थानीय व्यक्ति गया, तो वह भी मलबे में फंस गया और घायल हो गया। इस घटना में भूस्खलन की चपेट में आई उक्त महिला की मौत हो गई है, जबकि पुरुष घायल है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस होमगार्ड व स्थानीय लोगों ने भूस्खलन में दबी महिला को रेस्क्यू करने के लिए कड़ी मशक्कत की और उसके बाद महिला को क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया गया, जहां पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित किया। मृतक महिला की पहचान लता देवी (57) निवासी ढालपुर जिला कुल्लू के रूप में हुई है। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, भूस्खलन की इस घटना में एक व्यक्ति भी घायल हुआ है, जिसका इलाज क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में चल रहा है। उधर, जिला प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवार को फौरी राहत देने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, कुल्लू के लोअर ढालपुर स्थित खोरीरोपा में एक दीवार गिरने से एक प्रवासी मजदूर घायल हुआ है। वहीं, भुंतर- मनाली वामतट सड़क मार्ग पर भी भूस्खलन हुआ है, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया था।

कुल्लू में बारिश के कारण मंगलवार को काफी नुकसान हुआ है। कुल्लू शहर के सुल्तानपुर में बीती रात जमीन धंसने से निर्माणाधीन पार्किंग के साथ बिजली का खंबा गिर गया है, उस समय वहां से कोई गुजर नहीं रहा था। इसके चलते सुल्तानपुर के कुछ इलाकों में बिजली नहीं है। वहीं, सुल्तानपुर से अखाड़ा बाजार को जोड़ने वाली सड़क में भी जगह-जगह भूस्खलन हुआ है।

शमशी में एक घर में घुसा सड़क का पानी

कुल्लू के शमशी में मुख्य सडक मार्ग पास संजीव शर्मा के मकान में बारिश का पानी भर गया है। सड़क मार्ग के आसपास के नालों में ड्रेजिंग ठीक न होने से यहां स्थानीय लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मुख्य सडक मार्ग के आसपास ड्रेजिंग सिस्टम जल्द ठीक किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिले। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी बारिश के दौरान यही स्थिति सामने आई थी और प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक इस समस्या का कोई हल नहीं निकला है।

वहीं, अपर बदाह में भी जमीन खिसक रही है और ऊपर से बहुत बड़े पत्थर गिरने का भी खतरा बना हुआ है। लोगों ने उस जमीन पर तिरपाल लगाकर थोड़ा बचाव करने की कोशिश की है। उधर, कुल्लू-भेखली सड़क मार्ग पर भी भूस्खलन हुआ है।

डीसी की अवज्ञा करने पर बिजली बोर्ड का अधिशाषी अभियंता निलंबित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में प्राकृतिक आपदा के इस दौर में एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। जानकारी के अनुसार डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना की शिकायत पर केलांग में तैनात बिजली बोर्ड के अधिशाषी अभियंता को बोर्ड प्रबंधन की ओर से निलंबित किया गया है।

यह निलंबन लाहौल और स्पीति की उपायुक्त किरण भड़ाना द्वारा एचपीएसईबीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और अतिरिक्त मुख्य सचिव (जनजातीय विकास) सहित राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखे गए पत्र के बाद किया गया है। पत्र में अधिकारी पर कर्तव्य में गंभीर लापरवाही और अनुचित आचरण का आरोप लगाया गया है। डीसी के पत्र के अनुसार, उक्त अधिकारी बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के 30 दिनों से ज्यादा की छुट्टी पर चले गए थे। आपदा के इस दौर में यह कदम बेहद गैर-जिम्मेदाराना माना गया। वापस बुलाए जाने के बाद भी, अधिकारी कथित तौर पर सीधे ड्यूटी पर नहीं लौटे। इसके बजाए उन्होंने मनाली से सेवा फिर से शुरू कर दी, जबकि रोहतांग दर्रे के रास्ते मनाली-कोकसर मार्ग 30 अगस्त से चालू था। 1 सितंबर को केलांग पहुंचने पर भी उपायुक्त को रिपोर्ट नहीं किया।

2 सितंबर को स्थिति तब और बिगड़ गई, जब अधिकारी को उपायुक्त कार्यालय में बुलाया गया, लेकिन उन्होंने उपस्थित होने से इनकार कर दिया और उपायुक्त के निजी सहायक द्वारा वापस लौटने के अनुरोध के बावजूद परिसर से चले गए। बाद में जब उन्होंने रिपोर्ट की, तो उन्होंने कई अधिकारियों की उपस्थिति में डीसी के साथ दुर्व्यवहार किया और किसी भी आधिकारिक बैठक में भाग लेने से इनकार कर दिया। उधर, डीसी लाहौल-स्पीति ने बताया कि उनका गलत आचरण व अनुशासनहीनता है, जोकि सही नहीं है।

कुल्लू में बारिश ने बढ़ाई दुश्वारियां, नुकसान का सिलसिला जारी

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। कुल्लू जिले में भारी बारिश के कारण बढ़ी दुश्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आलम यह है कि भारी बारिश, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के कारण नुकसान का सिलसिला कम होने की जगह बढ़ता जा रहा है। वहीं, एक बार फिर से ब्यास नदी सहित सभी नदी-नाले उफान पर हैं। ब्यास नदी अपने रौद्र रूप में है और जगह-जगह ब्यास की चपेट में सड़कों सहित अन्य क्षेत्रों को भारी नुकसान हो रहा है। भारी बारिश के कारण जगह-जगह हो रहे भूस्खलन तथा जलस्तर की वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि सभी लोग अनावश्यक यात्राओं से बचें, जहां भी आवश्यक आवागमन करना हो तो पूर्ण एहतियात बरतें। डीसी ने लोगों से अपील की कि अत्यधिक वर्षा के कारण नदी-नालों के जलस्तर के बढ़ने के साथ यात्रा करना जोखिमपूर्ण बनता जा रहा है। प्रशासन प्रत्येक स्थान पर राहत व बचाव कार्य के साथ-साथ सभी लोगों की सुरक्षा के सभी प्रबंधन में मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। कुल्लू में दो दिनों के लिए स्कूल बंद के आदेश, जिले में जहां जहां मोबाइल नेटवर्क है, वहां पर ऑनलाइन कक्षाएं लगाने के डीसी ने निर्देश दिए हैं।

बाजारों में सन्नाटा

लगातार हो रही बारिश के कारण व सड़क मार्ग बाधित होने से जिले के बाजारों में भी सन्नाटा छाया हुआ है। इस कारण दुकानदारों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बाजारों में आजकल रौनक गायब है और इस कारण दुकानदार ज्यादातर दुकानें भी बंद ही रख रहे हैं। वहीं, पर्यटन नगरी मनाली में तो हालात बेहद खराब हैं।

भारी बारिश से ब्यास नदी सहित सभी नदी-नाले उफान पर।

बिजली, पानी, सहित मोबाइल सिग्नल भी नहीं

बारिश के कारण जहां जिलावासियों को बिजली, पानी व यातायात बंद होने के कारण दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। वहीं, जिलेभर में जियो सहित अन्य नेटवर्क का सिग्नल भी न होने से उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिले के मनाली, पतलीकूहल, आनी व सैंज में मोबाइल सिग्नल न होने के कारण लोगों को और भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बंदरोल स्थित जेएनवी स्कूल में बढ़ा खतरा

जिले के बंदरोल स्थित जवाहर नवोदय स्कूल के नीचे ब्यास के कारण भूमि कटाव होने से स्कूल भी खतरे की जद में आ गया है। मंगलवार को इस समस्या के समाधान को लेकर जिला अध्यक्ष यूथ इंटक लाल चंद द्वारा डीसी कुल्लू और एसडीएम कुल्लू को ज्ञापन दिया गया। जवाहर नवोदय विद्यालय बंदरोल में 100 मीटर दूर लैंडस्लाइड हो रहा है। इस कारण विद्यालय के स्टूडेंट्स व शिक्षकों, कर्मचारी व अविभावक में डर का माहौल बन गया है। प्रतिनिधिमंडल ने डीसी और एसडीएम से आग्रह किया कि नदी के पास उच्च गुणावत्ता वाली आरसीसी दीवारें लगाई जाएं, ताकि नदी के बहाव को रोक जा सके। डीसी ने प्रतिनिधिमंडल को अवगत करवाया कि बंदरोल नवोदय विद्यालय के आगे जो लैंडस्लाइड हो रही है, उसकी जांच प्रशासन द्वारा की गई है। साथ ही आश्वासन दिया कि मौसम साफ होते ही उस जगह उच्च गुणवता वाली आरसीसी दीवारें लगाई जाएंगी।

बारिश में जान जोखिम में डालकर बहाली कार्य में जुटे कर्मी

जिले में सड़कें जहां अवरुद्ध हैं वहीं, जिले के कई गांव पिछले कई दिनों से अंधेरे में डूबे हुए हैं। गांव ही नहीं कुल्लू शहर में भी बिजली की आंख मिचौली सुबह से ही जारी रही। हालांकि, सभी संबंधित विभागों के कर्मी लगातार बारिश में दिन-रात बहाली कार्य में जुटे हुए हैं। भारी बारिश में बिजली बोर्ड के कर्मी जहां बिजली लाइनों को दुरुस्त करने में लगे हैं। वहीं, बारिश व नदी-नालों के बीच जाकर जलशक्ति विभाग के कर्मी भी दिन-रात कार्य कर रहे हैं। लोनिवि के कर्मी भी बारिश व भूस्खलन के खतरे के बीच बहाली कार्य कर रहे हैं। सभी विभागों के कर्मचारियों के साथ-साथ अधिकारी भी बहाली कार्य में लगातार प्रयासरत हैं। लिहाजा सभी संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी जान जोखिम में डालकर बहाली कार्य को अंजाम देने में जुटे हैं, लेकिन बारिश के कारण बार-बार बहाली कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी पूरा दिन बारिश होने के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। एहतियात के तौर पर अखाड़ा के बेली ब्रिज से आवाजाही को रोक दिया गया है।

मनाली में बारिश का क्रम लगातार जारी

मनालसु नाले में पानी बढ़ने से फंसा वाहन, दिनभर बंद रही आवाजाही

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली में तीसरे दिन भी बारिश का क्रम लगातार जारी है। बारिश के कारण राहत कार्य प्रभावित हो गए हैं। सुबह मनालसु नाले में पानी बढ़ने से लाहौल जा रहा वाहन नाले में फंस गए। वाहन चालक ने बड़ी कोशिश की, लेकिन वाहन नहीं निकाल पाया।

नाले में पानी बढ़ने व वाहन फंसने के कारण लाहौल, पलचान व सोलंग के लिए वाहनों की आवाजाही बंद रही। तीन दिन से जारी बारिश के कारण आज ब्यास नदी में फिर से बाढ़ आ गई। बाढ़ आने के कारण नदी किनारे रहने वाले लोग दिन भर चिंतित रहे। जल शक्ति विभाग शहर में पानी की आपूर्ति सुचारु करने में जुटा है। विभाग ने कुछ क्षेत्र में पानी पहुंचा दिया है, लेकिन कुछ एक क्षेत्र में पानी की पाइप ने हवा ले ली है। इस कारण पानी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। एसडीओ दीक्षांत शर्मा ने बताया कि मंगलवार को बारिश के बीच कार्य जारी रहा। शेष जगह भी जल्द पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। समाहन में सड़क तैयार करना बीआरओ के लिए चुनौती बन गया है। ब्यास की बाढ़ के कारण हुए भूमि कटान से 70 मीटर खाई बन गई है। नदी पहाड़ी से होकर बह रही है। एक तरफ ब्यास की बाढ़ का पानी तो दूसरी तरफ भूस्खलन से बनी खाई बीआरओ के लिए चुनौती बन गई है। आज भारी बारिश बीआरओ के कार्य में बाधा बनी रही। कमांडर कर्नल गौरव ने बताया कि इस जगह सड़क तैयार करना बीआरओ के लिए चुनौती बन गया है। उन्होंने बताया कि मौसम ने साथ दिया, तो दो-तीन दिन के भीतर सड़क तैयार होने की उम्मीद है। ब्यास नदी में आई बाढ़ से रांगड़ी के पास बाहनू पुल में सड़क फिर से क्षतिग्रस्त हो गई है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने रविवार को ही सड़क तैयार कर रागडी को जगतसुख से जोड़ा था।

मनाली में बारिश का क्रम लगातार जारी, मनालसु नाले में बाढ़ आने से फंसी गाड़ी।

पूरा बंजार विधानसभा क्षेत्र संकट में, हालात परेशान करने वाले : शौरी

अनंत ज्ञान, बंजार

विधानसभा सत्र के दौरान बंजार विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेंद्र शौरी ने क्षेत्र की जनता द्वारा झेली जा रही गंभीर समस्याओं को सदन के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा व भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-305 सहित सभी ग्रामीण सड़कों पर यातायात पूर्णत: बाधित हो चुका है।

इससे न केवल मालवाहक वाहनों का आवागमन ठप हो गया है, बल्कि छोटे वाहन भी आवाजाही नहीं कर पा रहे हैं। पूरी बंजार व सैंज घाटी में बड़े वाहनों की आवाजाही बंद हुए एक माह से ऊपर का समय होने को है और अभी भी हालात सुधारने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। क्षेत्र में नेटवर्क भी आंख-मिचौली खेलकर परेशानियां बढ़ा रहा है। विधायक ने सदन को अवगत करवाया कि बागवानों की नकदी फसल सेब खेतों में ही फंस गई हैं, जो समय पर बाजारों तक न पहुंच पाने के कारण भारी आर्थिक नुकसान की ओर बढ़ रही है। क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं, विशेषकर खाद्यान्न व राशन की आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में संकट गहराता जा रहा है। दवाइयों व स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित हो गई है, जिससे स्थानीय जनमानस का जीवन-यापन कठिन हो रहा है। सैंज से लेकर बंजार तक के सभी दूरस्थ ग्राम पंचायतें इस संकट से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हैं। विधायक शौरी ने क्षेत्र के सारी, बंदल, शराई, शिल्ह, बर्डा गांवों, वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुशैनी व आयुर्वेदिक अस्पताल बजौरा के नदी में बहने व भूस्खलन में जमीदोज होने की चिंता भी जताई व त्वरित पुनर्वास व सरंक्षण की मांग रखी। विधायक ने कहा कि यदि इस स्थिति का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में पूरा बंजार और सैंज क्षेत्र गहन मानवीय संकट का सामना करेगा।

उन्होंने सरकार से मांग की कि एनएच-305 के त्वरित पुनर्निर्माण/पुन:खोलने के लिए विशेष निधि उपलब्ध करवाई जाए और कार्य को प्राथमिकता पर पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं व दवाइयों की आपूर्ति के लिए वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था की जाए। अति दुर्गम शाकटी मरौड़, मशियार, मझली, घलिंगचा गांवों तक हेलिकॉप्टर के माध्यम से खाद्यान्न व दवाइयां पहुंचाई जाएं।

बैठक दुर्गम क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से पहुंचाया जाएगा राशन व अन्य आवश्यक सामग्री

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को दें प्राथमिकता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

भारी वर्षा व भूस्खलन से उत्पन्न हालातों के मद्देनजर डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने जिला मुख्यालय में आपदा प्रबंधन संबंधी समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रभावित क्षेत्रों की ताजा स्थिति का आकलन किया गया तथा राहत और पुनर्वास कार्यों को तेज गति से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एसपी डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन, एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर, एनएचआई से संदीप सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी, जबकि वर्चुअल माध्यम से मनाली, बंजार, आनी और निरमंड के एसडीएम और एनएच के अधिकारी शामिल रहे। बैठक में प्रभावित गांवों में मानव जीवन व संपत्ति की हानि पर विस्तृत चर्चा हुई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध करवाई जाए और जिन स्थानों पर भूमि धंसने से घरों को खतरा है, वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। डीसी ने जिले में सड़कों की स्थिति, पेयजल और बिजली आपूर्ति की जानकारी ली तथा इन सेवाओं की बहाली के लिए विभागों के अधिकारियों तथा फील्ड स्टाफ के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को जिले की अवरुद्ध संपर्क सड़कों को जल्द खोलने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सेवाओं से जुड़ी गाड़ियां गांव तक पहुंच सकें। उन्होंने जिले में बिजली आपूर्ति के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में पेयजल की आपूर्ति भी सुचारू करने के लिए विशेष बल दिया गया। उन्होंने विभागाध्यक्षों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। डीसी ने पेट्रोल, डीजल, राशन, दूध, सब्जियों और गैस जैसी आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को पुलिस के साथ समन्वय बनाने के निर्देश दिए। इन गाड़ियों को भी अवरुद्ध मार्गों के खुलने पर प्राथमिकता से निकाला जाए, ताकि कहीं भी आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं हो। डीसी ने राष्ट्रीय उच्च मार्ग-305 को जल्द खोलने के निर्देश दिए, ताकि सेब की गाड़ियों और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने मंडी-मनाली फोरलेन के कार्यों की प्रगति पर एनएचएआई अधिकारियों से जानकारी ली और बहाली के कार्य को तेज करने पर बल दिया।

एनएचआई अधिकारियों ने बताया कि फोर लेन सड़क को जल्द खोलने के लिए मशीनरी को एयरलिफ्ट करने के लिए एसडीआरएफ तथा सरकार को लिखा गया है। बैठक में सड़क मार्गों के बार-बार अवरुद्ध होने से राशन की सप्लाई के प्रभावित होने पर चर्चा की गई। डीसी ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में सड़क मार्ग से पहुंचना संभव नहीं है, वहां हेड लोड से राशन पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि जहां पैदल रास्ते भी कटे हैं, ऐसे स्थानों में ड्रोन से राशन पहुंचाने के लिए ड्रोन कंपनी से बात की गई है। उन्होंने कहा कि जिले के कुछ दुर्गम क्षेत्रों में एयर ड्रॉप के माध्यम से राशन व अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने सभी एसडीएम व डीएफएससी को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों तक राशन पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

डीसी कुल्लू अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन संबंधी समीक्षा बैठक में चर्चा करती हुईं।

उपभोक्ता गैस सिलेंडर खरीदते समय आधिकाधिक डिजिटल भुगतान करें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला नियंत्रक खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले कुल्लू ने बताया कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं की सुविधा व डिजिटल पेमेंट के प्रचलन व मांग को देखते हुए जिले की सभी गैस एजेंसियों को यह सुविधा देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता डिजिटल मैन से इस सुविधा की मांग कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता की दृष्टि से भी डिजिटल भुगतान की महत्वपूर्ण भूमिका है। डिजिटल पेमेंट की सुविधा उपलब्ध ब्योरा जिले की समस्त गैस एजेंसियों का ब्यौरा गैस एजेंसी के नाम, डिजिटल पेमेंट कंपनी के नाम तथा मोबाइल नंबर सहित जारी किया गया है। डिजिटल पेमेंट की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए जिले का समस्त गैस एजेंसियों का ब्यौरा/विवरण निम्न प्रकार से हैं मै. स्पिक-एन-स्पेन इंडेन वितरक सरवरी (आईओसी) पेमेंट 94189-24746, मै. कात्यायन भारत गैस देवधार कुल्लू (बीपीसी) पेमेंट,98164-00090, मै. विश्श्रुत गैस वितरक भुंतर (एचपीसी),फोन पे 98160-24823, मै. मनाली गैस सर्विस मनाली (बीपीसी) फोन पे 70358-59000, नै. हिप्रा नाआनि गैस एजेंसी कुल्लू (आईओसी) (डिजीटल मैन के पास स्कैनर की सुविधा होगी),मै. जय ज्वाला एचपी गैस सर्विस हुरला (बीपीसी) फोन पे 98167-86742,मै. उपाध्याय भारत ग्रामीण वितरक कटराईं (बीपीसी) पीएनबी बैंक स्कैनर 92188-75782,मै. हिप्रा नाआनि गैस एजेंसी मनाली (आईओसी) (डिजीटल मैन के पास स्कैनर की सुविधा होगी),मै. शारदा गैस एजेंसी बंजार (बीपीसी) (डिजीटल मैन के पास स्कैनर की सुविधा होगी),मै. मणीकर्ण वैली गैस एजेंसी इंडेन जरी (आईओसी) फोन पे 88948-13930, मै. मिश्रा गैस एजेंसी आनी (आईओसी) पीएनबी

भौगुड़ी में मकान गिरा, महिला की मौत, बाल-बाल बचे परिजन

सोलन जिले में बारिश से 144 करोड़ रुपए का हुआ नुकसान, नेशनल हाईवे-5 के कंडाघाट में भूस्खलन, यातायात बंद

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। सोलन जिले में लगातार हो रही भारी बारिश जानलेवा साबित होने लगी है। तीन दिन से जारी बारिश के कारण कसौली उपमंडल की पंचायत भौगुड़ी में मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग बाल-बाल बचे। बारिश के कहर से मलेनी पंचायत का सोरी भूस्खलन की चपेट में आ गया है। इसके चलते गांव को खाली किया जा रहा है।

सोलन के खुंडीधार में एक घर का कुछ हिस्सा गिर गया, जिस वजह से परिवार के सदस्यों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह घर सोहनलाल ठाकुर का है। इसमें रसोई और गोशाला गिर गई हैं। इससे वह पशुओं को अपने साथ रखने को मजबूर हैं। वहीं, उन्होंने प्रशासन से फौरी राहत की मांग की है। अभी तक बारिश से जिले में करीब 144 करोड़ का नुकसान हो चुका है। वहीं, कसौली उपमंडल की पंचायत भौगुड़ी में सोमवार रात 10 बजे एक दर्दनाक हादसा पेश आया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बस्तला (समलोह) गांव में हेमराज का मकान भारी बारिश के कारण पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। इसमें दबने से उनकी पत्नी हेमलता की मौत हो गई। हादसे के समय मकान में सात लोग मौजूद थे, जिसमें हेमराज के चार बच्चे और 85 वर्षीय माता मौजूद थे। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने राहत बचाव का कार्य शुरू कर मकान में रह रहे सभी लोगों को बाहर निकाला। इस घटना में हेमराज को मामूली चोटें आईं, जबकि उनकी पत्नी हेमलता को पट्टा महलोग सीएचसी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पंचायत प्रधान दुर्गावती व पूर्व प्रधान बलदेव सिंह मौके पर पहुंचे। फौरी राहत के तौर पर नायब तहसीलदार सूरत सिंह की ओर से 20 हजार की राहत राशि पीड़ित परिवार को दी गई। चंडीगढ़-शिमला फोरलेन पर भूस्खलन होने से राजमार्ग बार-बार अवरुद्ध होने से यातायात बाधित हो गया। कंडाघाट के नजदीक पहाड़ी से लैंडस्लाइड होने से काफी समय तक ट्रैफिक रूका रहा। बाद में मौके पर तैनात मशीनरी से मलबा हटाया गया। इसके बाद वनवे ट्रैफिक सुचारू किया गया। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे चंडीगढ़-शिमला फोरलेन पर जय हिंद पेट्रोल पंप धर्मपुर के नजदीक कसौली रोड से नीचे भारी भूस्खलन होने से दोनों लेन में वाहनों की आवाजाही रुक गई। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने बाद में सड़क को खुलवा दिया। वहीं, जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले करीब दो दर्जन मार्ग अभी भी बंद हैं। किसान टमाटर व शिमला मिर्च की फसल मंडी तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। राजगढ़ रोड, डांगरी, जौणाजी रोड बंद है। डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने बताया कि जिले में सड़क, बिजली व पेयजल योजनाओं को नुकसान हुआ है। कई जगह मकान भी गिरे हैं। अभी तक 144 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। सड़कों को सुचारु करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

सोलन जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से नेशनल हाईवे में हुआ भूस्खलन।

हादसों से गमगीन हुई चायल घाटी

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान, कंडाघाट। चायल घाटी के तहत हुए दो हादसों में एक बच्ची सहित तीन लोगों को जान गवानी पड़ी। इससे समूची घाटी में गम का सन्नाटा छाया हुआ है। चायल घाटी के तहत जिला शिमला की ग्राम पंचायत बलोग डूबलू के उपगांव जोट में रविवार रात को अपने घर में सो रहे 35 वर्षीय वीरेंद्र शर्मा और उसकी 10 वर्षीय छोटी बच्ची मकान के ऊपर ल्हासे के साथ भारी मात्रा में मलुआ-पत्थर आए। इससे मकान के साथ दोनों उसमें दब गए। दबने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद ग्रामीणों ने बचाव कार्य करते हुए इन्हें मलबे से बाहर निकाला। प्रशासन व एनडीआरएफ की टीम को डूबलू पहुंचने में जगह-जगह सड़क बंद होने के कारण देरी हुई। हादसा इतना दर्दनाक था कि अपने ग्रामीणों का यह दर्द लोगों को शायद कभी भूल सके। दूसरे हादसे में कंडाघाट ब्लॉक की ग्राम पंचायत झाजा के चौहड़ा गांव के 46 वर्षीय युवा जसवंत को रविवार देर सायं करंट लग गया। खराब स्थिति में उसे नागरिक अस्पताल चायल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर सोमवार को शव उसके परिजनों को सौंप दिया। जसवंत एक प्रगतिशील किसान और समाजसेवा के कामों में आगे रहने वाला व्यक्ति था। उसके निधन पर समूचा क्षेत्र स्तब्ध हैं। वह अपने पीछे अपनी माता, पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। इन दोनों घटनाओं से चायल घाटी में शोक का माहौल है।

निचला गाता गांव में भूस्खलन का खतरा, ग्रामीणों में दहशत

अनंत ज्ञान, नाहन/संगड़ाह

जिला सिरमौर में संगड़ाह उपमंडल के तहत भारी बारिश के कारण ग्राम पंचायत सांगना के गांव निचला गाता में निरंतर भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।

इससे इस गांव के स्थानीय लोग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन इस गांव की कोई भी सुद नहीं ले रहा है। लोगों का आरोप है कि गांव के पीछे सड़क संपर्क मार्ग है, जिसमें पानी की निकासी के लिए कोई भी ट्रेन नहीं है। इससे भारी भूस्खलन हो रहा है और गांव के लिए पूरा खतरा बना हुआ है इस बारे में लोक निर्माण विभाग को कई बार आगाह भी किया था, लेकिन उसके उपरांत भी लोक निर्माण विभाग ने गांव के पीछे पानी की निकासी के लिए कोई भी ट्रेन आज तक नहीं बनाई है। संगड़ाह नोहराधार भाजपा के पूर्व जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत, पूर्व पंचायत प्रधान रमेश शर्मा, पूर्व पंचायत उपप्रधान जालम सिंह शर्मा, बहादुर सिंह आदि ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से आग्रह करते हुए कहा कि जिला प्रशासन जल्द ही किसी उच्च अधिकारी को मौके पर भेजकर हालात का जायजा ले अन्यथा यहां पर बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो हो सकती है बड़ी दुर्घटना

इसके लिए सरकार व प्रशासन जिम्मेदार होगा। सड़क संपर्क मार्ग में ड्रेन न होने के कारण हरिजन बस्ती धाला के लिए भी खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि गाताधार से सांगना सड़क संपर्क मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बना है, लेकिन इस सड़क संपर्क मार्ग के बहुत ही खस्ता हाल है। इस सड़क संपर्क मार्ग में एक छोटा नाला पड़ता है, जहां पर विभाग ने न तो पुली डाली है और न ही गांव के पीछे पानी निकासी के लिए कोई व्यवस्था की है। इससे गांव नीचला गाता के लिए निरंतर खतरा बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस नेता रोशन के आकस्मिक निधन पर शोक

अनंत ज्ञान, अर्की। ब्लॉक कांग्रेस अर्की की मासिक बैठक स्थानीय विश्राम गृह अर्की में ब्लॉक कांग्रेस अर्की के पूर्व अध्यक्ष सतीश कश्यप की अध्यक्षता में हुई। बैठक के प्रारंभ में कांग्रेस संगठन के मीडिया प्रभारी व सोशल मीडिया समन्वयक रहे स्वर्गीय रोशन ठाकुर के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए संकल्प लिया गया कि उनके अधूरे कार्यों को कांग्रेस परिवार मिलकर आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर सतीश कश्यप ने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस अर्की संगठनात्मक रूप से निरंतर सक्रिय है और हर कार्यकर्ता को जनता की आवाज बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सीमा शर्मा, हेमंत वर्मा, रजिंदर शर्मा, मदन भारद्वाज, विनय शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगरपालिका निर्वाचन नियम-2015 में संशोधन का प्रस्ताव

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला प्रशासन के एक प्रवक्ता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 2015 में संशोधन करने का प्रस्ताव है, इन्हें जनसाधारण की सूचना के लिए राजपत्र (ई-गजट) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया गया है, जो कि जनसाधारण के अवलोकन के लिए उपमंडलाधिकारी कार्यालय नाहन, पांवटा साहिब, राजगढ़ व शिलाई तथा नगर परिषद नाहन, पांवटा साहिब और नगर पंचायत राजगढ़ में उपलब्ध रहेगी। इन प्रारूप नियमों से संभाव्य प्रभावित होने वाले यदि किसी हितबद्ध व्यक्ति को इन नियमों से संबंधित कोई आक्षेप या सुझाव हैं, तो वह दस दिनों की अवधि के भीतर प्रधान सचिव (शहरी विकास) हिमाचल प्रदेश को भेज सकते हैं। नियत अवधि के भीतर प्राप्त हुए आक्षेपों या सुझावों पर इन प्रारूप नियमों को अंतिम रूप देने से पूर्व सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

पांवटा साहिब में उफान पर यमुना नदी

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

जिला सिरमौर के पांवटा साहिब में यमुना नदी के साथ-साथ इसकी सहायक नदियां टौंस और गिरि भी उफान पर हैं। इससे क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले एक दशक में टौंस नदी में इतना अधिक जलस्तर पहली बार देखा गया है। स्थिति ने लोगों में दहशत का माहौल बना दिया है। एसडीएम ने मौके का निरीक्षण कर लोगों से नदी किनारे न जाने की अपील की है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, गिरि नदी का जलस्तर बढ़ने पर जटोन बैराज के गेट नंबर 1 से 7 तक पानी छोड़ा गया। जिला प्रशासन हालात पर पूरी तरह नजर रखे हुए है और लोगों से नदी-नालों से दूर रहने की अपील की है। हालांकि, प्रशासनिक चेतावनियों के बावजूद कुछ लोग यमुना घाट पर सेल्फी लेने के लिए पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने मौके पर तैनात गोताखोरों और अधिकारियों से वाद-विवाद तक किया। प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सख्त रवैया अपनाया है।

जिला सिरमौर के पांवटा साहिब में यमुना के उफान को देखते हुए मौके पर पहुंचे एसडीएम।

यमुना घाट पर प्रवेश किया तो होगी कार्रवाई

पांवटा साहिब के एसडीएम ने चेतावनी दी कि यदि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति यमुना घाट क्षेत्र में प्रवेश करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने और सुरक्षित रहने की अपील की।

सेल्फी लेना खतरनाक न करें लापरवाही

पांवटा साहिब के एसडीएम ने स्पष्ट किया कि यमुना घाट के आसपास बिना अनुमति किसी भी प्रकार की आवाजाही सख्त वर्जित है। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें न केवल संबंधित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि बचाव कार्यों में भी गंभीर बाधा डालती हैं।

भारी बारिश के कारण सिरमौर में जनजीवन अस्त-व्यस्त : डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान, सोलन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि पिछले कई दिनों से लगातार भारी बरसात के कारण सिरमौर जिला का पूरा जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि सिरमौर जिले की 70 प्रतिशत जिले में 250 से अधिक मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर रहने के काबिल नहीं रह गए हैं और इतने से अधिक मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसी प्रकार हजारों बीघा जमीन पर खड़ी लहलहाती फसल दलदल में और रेत के मैदान में तबदील हो चुकी है। सैकड़ों पशुशालाएं ध्वस्त हो गई हैं और अनेक जाने चली गई हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि राहत व बचाव कार्य में तेजी लाने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार की ओर से बड़ी मात्रा में सहायता दूरदराज तक पहुंचे, यह आज की आवश्यकता है। डॉ. बिंदल ने कहा कि नाहन शहर दशकों तक पेयजल की समस्या से जूझता रहा। खैरी ऊठाऊ पेयजल योजना, नहर स्वार पेयजल योजना दोनों का संवर्धन हमने बहुत प्रयासों के साथ किया, जिस पर लगभग 13 करोड़ रुपए व्यय हुए। तत्पश्चात गिरि पेयजल योजना का निर्माण किया गया। इसके बाद पीने के पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई। डॉ. बिंदल ने कहा कि विगत 7 दिन से जहां लगातार सब तरफ पानी ही पानी है, लेकिन नाहन शहर में पीने का पानी नदारद है, कारण है केवल सरकार की लापरवाही और बेरूखी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गिरि पेयजल योजना के पंप हाउस नदी में पानी अधिक होने के कारण पंपिग के लिए बंद कर दिए गए हैं, जिस कारण शहर में पानी की सप्लाई बाधित हुई है।

लोगों को सुरक्षित जगह किया शिफ्ट

अनंत ज्ञान, नाहन। गिरि नदी में आई भारी बाढ़ के कारण बांगड़ान बस्ती से 50 से अधिक लोगों को प्रशासन द्वारा सुरक्षित रूप से निकाला गया। यह कार्रवाई बांगड़ान पुल के समीप नदी द्वारा भूमि कटाव के चलते उत्पन्न गंभीर खतरे को देखते हुए की गई। इसी दौरान गिरि नदी के तेज बहाव में लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस) बांगड़ान नंबर-2 का संपवेल तथा 5 सबमर्सिबल पंप सेट बह गए। इससे सिंचाई ढांचे को भारी क्षति पहुंची है। जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचान के साथ-साथ आवश्यक राहत प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। नुकसान के आकलन व बहाल करने का कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। प्रशासन आमजन से पुन: अपील करता है कि नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोग सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार की असावधानी न बरतें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें।

20 से 26 तक होंगी ग्रामसभा की बैठकें

अनंत ज्ञान, नाहन। डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा ने निर्देश जारी करते हुए बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के आगामी सामान्य निर्वाचन के लिए जिला सिरमौर की सभी 259 ग्राम पंचायतों में 20 से 26 सितंबर तक एक विशेष ग्राम सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। इस विशेष ग्राम सभा की बैठक में प्रारूप मतदाता सूचियों की प्रतियां जनसाधारण के समक्ष अवलोकन के लिए रखी जाएंगी, ताकि प्रारूप मतदाता सूचियों में किसी भी प्रकार की त्रुटियों की जांच की जा सके तथा और अधिक सटीकता प्राप्त की जा सके। इस विशेष ग्रामसभा में पंचायत सचिव की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी तथा बैठक की तिथि पंचायत सचिव की उपलब्धता के अनुसार ही रखी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए की बैठक की कार्रवाई प्रतिभागियों के समक्ष तैयार कर अधिकारिक अभिलेख में दर्ज की जाएगी यदि मतदाता सूचियों के प्रारूप में किसी प्रकार की विसंगतियां पाई जाती हैं, तो बैठक की कार्रवाई में इसका उल्लेख किया जाएगा तथा आयोग से जारी दिशा निर्देशों के अनुसार इसमें सुधार किया जाएगा।

30 खतरनाक पेड़ों पर कार्रवाई की मांग

अनुराग गुप्ता, अनंत ज्ञान

पांवटा साहिब। भारी बारिश के चलते जहां नदियां-नाले उफान पर हैं। वहीं, दलदली जमीन के कारण कई पेड़ अपनी जड़ें छोड़कर गिरने लगे हैं।

यह मामला ग्राम पंचायत कोटड़ी व्यास, विकासखंड पांवटा साहिब का है, जहां अब तक बरसात के दौरान तीन विशालकाय पेड़ गिर चुके हैं। ग्राम पंचायत प्रधान सुरेश कुमार ने बताया कि ऐसे करीब 30 पेड़ खतरे की स्थिति में हैं। इनकी जानकारी विभाग को लगभग एक वर्ष पूर्व लिखित रूप में दी जा चुकी थी। इसके बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार शिकायतों व व्यक्तिगत रूप से मिलकर चेताने के बावजूद विभाग द्वारा अनदेखी की गई। बीती रात 1 सितंबर को करीब 10:30 बजे एक बड़ा पेड़ गिरने से रमेश कुमार, शीशपाल और डिपो देवी के मकानों को भारी क्षति पहुंची। सड़क भी बाधित हो गई। इससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत पेश आ रही है। सौभाग्य से किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। हालांकि, प्रभावित परिवार के पशुशाला और घर के हिस्से ढह गए।

पीड़ित परिवार के सदस्य लेखराज ने बताया कि वे पिछले डेढ़ महीने से प्रशासन से पेड़ कटवाने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन लंबी कार्रवाई और प्रशासन की सुस्ती के चलते यह हादसा हो गया। ग्राम पंचायत कोटड़ी व्यास के निवासी अब इन जर्जर व खतरनाक पेड़ों की छाया में जीने को मजबूर हैं और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत कोटड़ी व्यास में बरसात के दौरान तीन विशालकाय पेड़ गिर चुके हैं।

रफी नाइट सीजन 10 के ऑडिशन

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। विजयी फोरम द्वारा आयोजित रफी नाइट सीजन-10 के अंतर्गत पांवटा साहिब के विश्वकर्मा मंदिर हॉल में ऑडिशन संपन्न हुए। इस अवसर पर कुल 120 प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। निर्णायकों व दर्शकों ने प्रतिभागियों की गायकी व नृत्य की खूब सराहना की। इस ऑडिशन में से सिंगिंग कैटेगरी में 13 प्रतिभागी, डांसिंग कैटेगरी में 32 प्रतिभागी व ग्रुप डांस कैटेगरी में 4 टीमों का चयन अगले दौर के लिए किया गया। इससे पूर्व, पहला ऑडिशन 17 अगस्त को दाड़लाघाट में, दूसरा 24 अगस्त को सोलन में आयोजित हुआ था। पांवटा साहिब में तीसरे ऑडिशन के बाद अब चौथा ऑडिशन 7 सितंबर को शिमला में होगा, जबकि ग्रैंड फिनाले 13-14 सितंबर को सोलन में आयोजित किया जाएगा। विजयी फोरम के चेयरमैन तरसेम भारती ने कहा कि रफी नाइट का उद्देश्य नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। हम चाहते हैं कि हिमाचल के युवा कलाकार अपनी कला को निखारें और राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन करें।

किन्नौर में लैंडस्लाइड का कहर एनएच-5 पर 5 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, रिकांगपिओ

किन्नौर में नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह लैंडस्लाइड होने से पांच गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। पहाड़ी से भारी पत्थर गिरने से राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर वांगतू के पास रास्ता बंद हो गया। नाथपा स्लाइड प्वॉइंट बंद होने से ये गाड़ियां वांगतू पुल के पास सड़क किनारे खड़ी थीं।

गाड़ियों में सो रहे ड्राइवर सुरक्षित बच गए। जिले में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं। निगुलसरी और नाथपा में मार्ग अवरुद्ध है। यहां मशीनों से रास्ता खोलने का काम चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग-505 पर मालिंग नाला के पास सड़क धंसने से मार्ग बंद हो गया है। बीआरओ की मशीनें मार्ग को खोलने में जुटी हैं। नाथपा-कचरंग संपर्क सड़क पर भी पहाड़ी से बड़े पत्थर गिर रहे हैं। एनएच-5 रल्ली के पास चट्टान खिसकने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई है।

कार में सवार लोग समय रहते गाड़ी से बाहर आ गए, जिससे कार सवारों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। किन्नौर जिले के नाथपा डेम साइड वैकल्पिक मार्ग पर दोपहर करीब 1:50 बजे भारी लैंडस्लाइड हुआ, जिससे वैकल्पिक मार्ग बंद बंद हो गया। प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए निचार उपमंडल के सभी शिक्षण संस्थान व आंगनबाड़ी केंद्रों को अगले दिन भी बंद रखने का आदेश दिया है।

लंबी दूरी की यात्रा कर रहे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ब्रोनी खड्ड में यात्रियों के लिए खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं है। इस मार्ग से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी और वन विभाग ने इस स्थान की व्यवस्था को सुधारने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं फिर भी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी के एक्सइएन केएल सुमन ने बताया कि विभाग की मशीनें मौके पर पहुंच गई हैं और यातायात बहाल करने का काम जारी है।

सौगात सुबाथू में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा

मेले धार्मिक व सामाजिक परंपराओं के संवाहक : शांडिल

अनंत ज्ञान, सोलन

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय व अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि हमारे मेले धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक परंपराओं के संवाहक हैं और इनके माध्यम से क्षेत्र विशेष की जनता को अपनी संस्कृति को सही परिप्रेक्ष्य में देखने का अवसर मिलता है।

स्वास्थ्य मंत्री सोलन जिला उपमंडल के सुबाथू में जिला स्तरीय गुग्गा माड़ी मेले में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने इस अवसर पर गुग्गा माड़ी मंदिर सुबाथू में शीश नवाया और प्रदेशवासियों के खुशहाल व समृद्ध जीवन की कामना की। स्वास्थ्य मंत्री ने क्षेत्रवासियों को गुग्गा माड़ी मेले की शुभाकामनाएं देते हुए कहा कि गुग्गा माड़ी मेला अत्यंत प्राचीन है और समूचे उत्तर भारत में गुग्गा माड़ी मेलों का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की संस्कृति आस्था की संस्कृति है और हमारे विभिन्न मेलों व उत्सवों का विशिष्ट वैज्ञानिक आधार है। उन्होंने कहा कि यह मेला सुबाथू में लगभग 150 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। डॉ. शांडिल ने कहा कि देश-प्रदेश में आयोजित होने वाले मेले व त्योहार युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से अवगत भी करवाते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने में सहयोगी बनें। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आग्रह भी किया। उन्होंने सुबाथू में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुबाथू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्तरोन्नत करने का मामला उच्च स्तर पर उठाने का आश्वासन भी दिया। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने इस अवसर पर लोगों को जिला स्तरीय गुग्गा माड़ी मेले की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंडोर बैडमिंटन कोर्ट निर्माण के लिए पांच लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर गुग्गा नवमी दंगल समिति रविदासपूरा सुबाथू द्वारा दंगल का आयोजन किया गया। कृषि उपज विपणन मंडी सोलन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर, ग्राम पंचायत रणो के प्रधान संजीव ठाकुर, ग्राम पंचायत धर्मपुर के पूर्व प्रधान महेश गुप्ता, कांग्रेस पार्टी के देवेंद्र शर्मा, गुग्गा माड़ी समिति के प्रधान भूमेश सिंगला, महासचिव मोहन बंगा, गुग्गा नवमी दंगल समिति रविदासपूरा सुबाथू के प्रधान हेमंत जुनेजा आदि मौजूद रहे।

गुग्गा माड़ी मंदिर सुबाथू मेले के समापन पर पहुंचे मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल पहलवानों से मिलते हुए।

कंडाघाट उपमंडल में बारिश से चौतरफा नुकसान

अनंत ज्ञान, कंडाघाट

पिछले चार दिनों से कंडाघाट उपमंडल में लगातार भारी बारिश के कारण कई सड़कें बहाली के बाद फिर बंद हो गई। स्कूलों के परिसर को क्षति पहुंची, खेतों, रास्तों, कई लोगों के घरों और गोशालाओं को आंशिक क्षति पहुंची। अधिकतर सड़कें सोमवार को बहाल हो गई थी।

भारी बारिश के चलते कंडाघाट चायल कुफरी, चायल गौड़ा सहित कई सड़कें बंद हो गई। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ शुभम अग्रवाल ने बताया कि कंडाघाट चायल कुफरी सहित कई सड़कें बहाल कर दी हैं। अभी विभाग के इस उपमंडल कार्यक्षेत्र की बंद छह सड़कों को बहाल करने का काम चल रहा है। ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग के कार्यक्षेत्र में आने वाली बांजनी आंजी बीनू सहित कई ग्रामीण संपर्क सड़कें बंद और क्षतिग्रस्त हैं। क्षेत्र की शिमला जिले से जोड़ने वाली साधुपुल-शोघी सड़क बंद हैं। इसके अतिरिक्त साधुपुल-जुन्गा, चायल डूबलू सड़क भी कई घंटों बंद रही। प्राइमरी और मिडल स्कूल नगाली परिसर में पानी और मिट्टी आ गई। प्राइमरी और हाई स्कूल घैंटी परिसर व प्राइमरी और मिडल स्कूल मही परिसर में डंगे गिरने से भवन को भी खतरा हो गया है। खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने इस क्षति की पुष्टि की है। कई जगह घर व गोशालाओं, खेतों, घरों के आस - पास के डंगों को आंशिक क्षति पहुंचने के समाचार हैं। लगातार बारिश के कारण किसानों को अपनी नकदी फसलें मंडियों तक पहुंचाने में बाधा आ रही है।

पेयजल योजना धौण में भूस्खलन से मुख्य लाइन क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन की जीवनरेखा मानी जाने वाली गिरि उठाऊ पेयजल योजना पर इन दिनों मौसम की मार पड़ रही है। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही मूसलधार बारिश और बार-बार हो रहे भूस्खलन ने इस योजना के समक्ष गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।

धौण गांव के पास भारी भूस्खलन के चलते इस योजना की मुख्य पेयजल पाइपलाइन कई स्थानों पर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके बावजूद जल शक्ति विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। धौण के समीप जहां लैंडस्लाइड हुआ है, वहां विभाग की तकनीकी टीमों ने अस्थायी टेंट लगाकर मरम्मत कार्य शुरू किया है। कर्मचारी लगातार जान जोखिम में डालकर पानी की पाइपलाइन की मरम्मत कर रहे हैं ताकि शहर में जलापूर्ति बाधित न हो। अधीक्षण अभियंता राजीव महाजन ने बताया कि विभाग इस समय आपदा जैसी स्थिति में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जहां भी पाइपलाइन टूट रही है, वहां तुरंत वेल्डिंग कर उसे जोड़ा जा रहा है, लेकिन लगातार बारिश के चलते वही लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है। उन्होंने बताया कि विभाग की पूरी कोशिश है कि जल्द से जल्द इस योजना को सुचारू रूप से बहाल किया जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। विभाग को उम्मीद है कि मौसम में सुधार होते ही स्थिति पर जल्द नियंत्रण पा लिया जाएगा।

पांवटा साहिब कालाअंब नेशनल हाईवे बहाल

अनंत ज्ञान, नाहन पांवटा साहिब-कालाअंब नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड और पेड़ गिरने से मंगलवार सुबह करीब 2 घंटे आवाजाही ठप रही। इससे वाहन चालकों व यात्रियों को भारी बारिश के बीच दिक्कतें झेलनी पड़ीं। एनएच के अधिकारियों को जैसे ही इसकी सूचना मिली, तो वह मौके पर पहुंचे और जेसीबी से मलबा और पेड़ हटाकर यातायात को बहाल करवाया। बता दें कि खजूरना और मारकंडा पुल के पास सुबह सवा 5 बजे हुए भूस्खलन से सड़क पर यातायात पूरी तरह से रुक गया था। इससे हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिसमें कई महत्वपूर्ण रूटों की बसें भी फंस गईं। एनएच के जेई रामलाल शर्मा ने बताया कि मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच पूरा एनएच प्रशासन हाई अलर्ट पर है। हाईवे को बहाल कर दिया गया है। खजूरना पुल के पास एक पेड़ हाईवे पर गिर गया था और यहां लैंडस्लाइड भी हुआ। इसके बाद इसे जेसीबी से बहाल किया गया है। हाईवे पर यातायात सुचारू है।

न्यूज ब्रीफ

महेश ने माउंट मणिरंग में फहराया तिरंगा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पर्वतारोही महेश कुमार ने हिमाचल के माउंट मणिरंग (6,593 मीटर) पर तिरंगा फहराने के साथ ही सूर्य नमस्कार कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। माइनस 7 डिग्री तापमान और कम ऑक्सीजन की उपलब्धता के बीच महेश ने ऐसा कर योग के प्रति अपनी आस्था व समर्पण को दुनिया के सामने रखा। महेश ने दावा किया कि इतनी ऊंचाई पर सूर्य नमस्कार करने वाले वह पहले पर्वतारोही हैं। मणिरंग हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिले की सीमा पर स्थित है। हिमाचल का सर्वोच्च पर्वत 6816 मीटर ऊंचा रेओ पुरगियल है। इसके पास ही मणिरंग है, जो आधुनिक यातायात आने से पहले स्पीति घाटी और किन्नौर के बीच व्यापारिक मार्ग था। महेश ने कहा कि उनका लक्ष्य दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराने का है। बारिश व खराब मौसम के बीच महेश ने 17 अगस्त को चढ़ाई शुरू की। 18 अगस्त को बेस कैंप पर पहुंचे और 25 अगस्त को माउंट मणिरंग पर तिरंगा लहरा दिया। भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन ने पर्वतारोही महेश का फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। जयसिंह वर्मा ने बताया कि संगठन एसे व्यक्ति की हमेशा मदद करता है, जो समाज और देश के लिए कुछ करना चाहते हैं। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, महासचिव परवीन विरोधियों, अजेश प्रजापति अध्यक्ष पंचकूला, मोनू अधिवारिया, रोहित बुडानिया अध्यक्ष मोहाली, महेश डुंढाड़ा, जसवंत सरपंच, विशाल और रणबीर सिंह प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

स्कूल खेलों में वॉलीबाल के माध्यम से परिवर्तन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारत में जमीनी स्तर पर खेलों को नई दिशा देने की दिशा में चंडीगढ़ में उड़ान-स्कूल वॉलीबाल कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना व विद्यालय स्तर पर वॉलीबाल को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रशासन, एफआईवीबी, एबीएफटी तथा वॉलीबाल फाउंडेशन के बीच सहमति पत्र का आदान-प्रदान हुआ, जो खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए अवसर उपलब्ध कराने की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। समारोह में विशिष्ट अतिथियों में फाबियो अजेवेदो, अध्यक्ष, एफआईवीबी, स्टीव टटन, जनरल स्पोर्ट्स डायरेक्टर, एफआईवीबी सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव, खेल एवं शिक्षा, चंडीगढ़ प्रशासन; हरसुहिंदर पाल सिंह बराड़, निदेशक शिक्षा; सौरभ कुमार अरोड़ा, निदेशक खेल, चंडीगढ़ प्रशासन तथा भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता व एबिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अभिनव बिंद्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व विद्यालय प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो इस पहल के पीछे मजबूत सामुदायिक भावना का प्रमाण है। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए अभिनव बिंद्रा ने कहा कि उड़ान केवल एक खेल कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो पहुंच, सशक्तिकरण और प्रेरणा पर आधारित है। वॉलीबॉल केवल खेल नहीं है, यह अनुशासन, टीमवर्क और आत्मबल का मार्ग है जो बच्चों को जीवनभर सशक्त बनाएगा।

भर्ती से जुड़ी समस्याओं का समाधान करें

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा ओलंपिक संघ ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग से आग्रह किया कि वह खेल कोटे के अंतर्गत भर्ती से जुड़ी लंबे समय से लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान करे। आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने उन खिलाड़ियों की पीड़ा सामने रखी है, जो पिछले 8 से 10 वर्षों से लंबित रिक्तियों के कारण अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। आयु सीमा में छूट, कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पूर्व में विज्ञापनों के तहत आवेदन किया था, अब भर्ती में देरी के कारण आयु सीमा से बाहर हो रहे हैं। हरियाणा ओलंपिक संघ ने अनुरोध किया कि ऐसे खिलाड़ियों को विशेष आयु छूट दी जाए, ताकि वास्तविक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों से वंचित न होना पड़े। हरियाणा ओलंपिक संघ ने मांग की है कि खेल कोटे के अंतर्गत सभी विभागों में लंबित भर्तियों को समेकित कर जल्द से जल्द नया विज्ञापन जारी किया जाए और भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए। इस विषय पर हरियाणा ओलंपिक संघ अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने कहा, लंबे समय से हो रही देरी के कारण अनेक खिलाड़ियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। मुख्यधारा और पैरा खिलाड़ियों दोनों के अधिकारों की रक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाना आवश्यक है।

हरियाणा सरकार ने आपदा से प्रभावित पंजाब जम्मू-कश्मीर को दी 5-5 करोड़ की सहायता

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पांच-पांच करोड़ रुपए की सहायता राशि जारी की है।

इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुंचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार व प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा व बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य व मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक जल्द और पर्याप्त सहायता पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की आवश्यकता हो तो नि:संकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पत्र लिखकर आपदा की इस घड़ी में मानवता व भाईचारे के नाते हरियाणा सरकार की ओर से सहयोग की पेशकश की थी।

जल निकासी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के आदेश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को सुलझाने की दिशा में सक्रिय पहल करते हुए, नगर निगम चंडीगढ़ की इंजीनियरिंग टीम ने सेक्टर-35 का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में मुख्य रूप से सड़कों, वर्षा जल निकासी और कचरा प्रबंधन व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह निरीक्षण नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस के निर्देश पर किया गया। निरीक्षण का नेतृत्व मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने किया, जिनके साथ क्षेत्र की पार्षद प्रेमलता भी मौजूद थीं। इस दौरान रोड विंग, बागवानी विंग, सार्वजनिक स्वास्थ्य विंग और एमओएच स्टाफ के अधिकारी भी उपस्थित रहे। रोड विंग को तुरंत पैचवर्क शुरू करने और व्यापक सड़क मरम्मत के लिए समय पर निविदाएं जारी करने के निर्देश दिए गए। बीबीएमबी गेस्ट हाउस व समीपवर्ती मंदिर के पास जलभराव पाया गया। सार्वजनिक स्वास्थ्य विंग को जल निकासी कार्यों को अलग-अलग चरणों में विभाजित कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने और अतिरिक्त रोड गली लगाने के निर्देश दिए गए, ताकि जल निकासी प्रणाली में सुधार हो सके। क्षेत्र में एक परित्यक्त एसएसके पाया गया। बागवानी विंग को इसे पुन: सक्रिय करने और उद्यान संबंधी कचरे को निस्तारण से पहले श्रेडिंग (काट-छांट) के लिए उपयोग करने के निर्देश दिए गए।

छात्राओं को सही प्राथमिक उपचार तकनीकों की जानकारी दी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, सेक्टर 36-ए की आपदा प्रबंधन समिति ने इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, पंजाब राज्य के सहयोग से चार दिवसीय प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को जीवन-रक्षक कौशलों का व्यावहारिक ज्ञान देना, उनकी सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना, आत्मविश्वास विकसित करना और आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार करना था। इस कार्यक्रम में सत्रों का संचालन रेड क्रॉस की प्रशिक्षित विशेषज्ञ डॉ. शैना वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को आपातकालीन व जीवन-घातक परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय बताए। दुर्घटना की काल्पनिक स्थितियों व प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने छात्राओं को सही प्राथमिक उपचार तकनीकों की जानकारी दी। पहले दिन डॉ. वर्मा ने सीपीआर तकनीक व श्वसन मार्ग अवरोध (चोकिंग) को संभालने की विधियों पर प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की बैंडेजिंग सिखाई गई। तीसरे दिन हीट स्ट्रोक, आत्महत्या प्रयास और अन्य गंभीर परिस्थितियों में आपातकालीन प्रतिक्रिया पर चर्चा हुई। 100 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सत्रों में भाग लिया। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या नीना शर्मा ने कहा कि एमसीएम का उद्देश्य छात्राओं को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि आवश्यक जीवन-कौशलों से भी सशक्त बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि रेड क्रॉस के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण उन्हें संकट की घड़ी में, चाहे महाविद्यालय परिसर के भीतर हो या बाहर, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केवल एक मौका दो, स्वस्तिक गौतम की छात्रों से भावुक अपील

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 3 सितंबर को होने वाले छात्र संघ चुनावों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के डीआर कैंडिडेट स्वस्तिक गौतम ने छात्रों से वोट, समर्थन और उन्हें निर्वाचित करने की अपील की है।

पर्यटन विभाग से चुनाव लड़ रहे स्वस्तिक ने कहा कि उन्हें केवल एक मौका दिया जाए, ताकि वे छात्रों की आवाज को मजबूती से प्रशासन तक पहुंचा सकें। यूआईएचटीएम हॉल में आयोजित चुनाव पूर्व जनसभा में बोलते हुए स्वस्तिक गौतम ने कहा कि पिछले वर्षों में जिस तेजी से छात्र हितों और विभागीय विकास के कार्य हुए हैं, उसी का परिणाम है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक बार फिर अध्यक्ष पद से लेकर डीआर पदों तक पर विजय प्राप्त करने की स्थिति में है। सभा में छात्रों का भारी समर्थन देखने को मिला, और कई छात्र-छात्राओं ने उन्हें पहले से ही बधाई देना शुरू कर दिया है। स्वस्तिक गौतम ने कहा कि यदि वे चुनाव जीतते हैं, तो विभाग के साथ-साथ पूरे विश्वविद्यालय क्षेत्र की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। उनका लक्ष्य है कि बिना किसी भेदभाव के विश्वविद्यालय के हर विभाग और छात्र तक सुविधाएं व विकास के कार्य पहुंचाए जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि 11 सितंबर को होने वाले ऑफिस-बेयरर चुनावों में भी एबीवीपी का परचम लहराएगा।

नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी : हाईकोर्ट

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा आयोग की नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया को चुनौती देते हुए पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। मंगलवार को उच्च न्यायालय ने इस याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि आयोग द्वारा अपनाई गई नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, वैध और न्यायसंगत है। हिम्मत सिंह ने कहा कि यह निर्णय उन लाखों अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिन्होंने हाल ही में आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा में भाग लिया था। आयोग का उद्देश्य सदैव सभी अभ्यर्थियों के लिए निष्पक्षता व समान अवसर सुनिश्चित करना रहा है। नॉर्मलाइजेशन एक वैज्ञानिक और तार्किक प्रक्रिया है, जिससे विभिन्न पालियों में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का निष्पक्ष मूल्यांकन संभव हो पाता है। उन्होंने बताया कि कुछ अभ्यर्थियों को गलत जानकारी देकर गुमराह किया गया, जिससे उन्हें अनावश्यक कानूनी प्रक्रिया में समय और धन खर्च करना पड़ा।

ट्राइडेंट ग्रुप ने बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता का हाथ बढ़ाया

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

ट्राइडेंट ग्रुप ने पंजाब में हालिया बारिश व बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

कंपनी ने राहत अभियान आरंभ करते हुए 70 प्रभावित परिवारों को जरूरी राशन सामग्री उपलब्ध करवाई, ताकि उन्हें समय पर सहयोग मिल सके। राहत अभियान ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस पद्मश्री राजिंदर गुप्ता व ग्रुप सीएचआरओ, सुश्री पूजा लूथरा के मार्गदर्शन में आरंभ हुआ। इस अभियान को सफल बनाने में रूपिंदर गुप्ता और पवन सिंगला का विशेष योगदान रहा। ट्राइडेंट ग्रुप ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) निभाते हुए

4,00,000 की राशि का एक चेक बरनाला के उपायुक्त टी बेनिथ को सौंपा, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत कार्यों को सहयोग मिल सके।

ट्राइडेंट ग्रुप के प्रतिनिधियों ने संगठन की उस प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसके तहत वह हमेशा जरूरत की घड़ी में समुदायों के साथ खड़ा रहता है। ट्राइडेंट ग्रुप का मानना है कि सामूहिक प्रयास व संवेदनशीलता से प्रभावित परिवारों में उम्मीद व राहत पहुंचाई जा सकती है। कंपनी ने आश्वासन दिया कि आगे भी हर आपदा में समुदायों के साथ मिलकर काम करेगी और सामाजिक जिम्मेदारी निभाती रहेगी। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं के समय सामूहिक प्रयास जीवन को पुन: संवारने व आशा बहाल करने में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ट्राइडेंट ने समुदायों की भलाई के लिए निरंतर योगदान देने व एक जिम्मेदार कॉरपोरेट के रूप में अपनी भूमिका निभाने के संकल्प को दोहराया।

देश-विदेश

अफगानिस्तान में भूकंप से अब तक 1411 मौतें, 3124 लोग घायल

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी अफगानिस्तान का कुनार प्रांत रविवार रात के बाद एक भयानक भूकंप से दहल उठा। भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई और इसका केंद्र कुनार की राजधानी असदाबाद के पास लगभग 27 किलोमीटर गहराई में था। इस विनाशकारी प्राकृतिक आपदा ने अब तक 1,411 लोगों की जान ले ली है और 3,124 लोग घायल हुए हैं।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस दुखद घटना की पुष्टि की और बताया कि अब तक कुनार में 5,412 घर पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। सरकार की ओर से लगातार राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। विशेष रूप से प्रभावित इलाकों में हेलीकॉप्टर के जरिए घायलों को निकाला जा रहा है, ताकि उन्हें तुरंत इलाज मिल सके। इससे पहले अफगान रेड क्रिसेंट सोसायटी ने मरने वालों की संख्या 1,124 बताई थी और कहा था कि करीब 3,251 लोग घायल हुए हैं। संस्था ने यह भी कहा था कि 8,000 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है और बहुत से लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। यही कारण है कि राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं और मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

कुनार प्रांत इस भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां के अस्पतालों में इतनी भीड़ है कि घायलों को जमीन पर लिटाकर इलाज किया जा रहा है। कई लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया है। (अनंत ज्ञान)

यूके में सड़क हादसे में हैदराबाद के 2 छात्रों की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। एक दुखद घटना में यूनाइटेड किंगडम के एसेक्स में एक सड़क दुर्घटना में दो तेलुगु छात्रों की मौत हो गई। पीड़ितों में से एक की पहचान हैदराबाद के बोडुप्पल निवासी छात्र ऋषितेजा रापोलू (21) के रूप में हुई है, जो ब्रिटेन में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था। एसेक्स पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रेले स्पर राउंडअबाउट के पास ए130 डुअल कैरिजवे पर हुई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार नौ छात्रों का एक समूह सभी रूममेट और इलफोर्ड-बार्किंग क्षेत्र के निवासी साउथएंड-ऑन-सी की यात्रा कर रहे थे, जब यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए दो पीड़ितों को हवाई मार्ग से रॉयल लंदन अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

भारत की चीन-रूस से नजदीकी अमेरिका में मची खलबली

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के एक साथ देखे जाने को ''चिंताजनक'' बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है।

मोदी, शी और पुतिन के बीच ''एकजुटता के प्रदर्शन'' के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से कहा, ''यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है।'' ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े तानाशाहों, पुतिन और शी जिनपिंग, के साथ देखा जाना बेहद शर्म की बात है। इसका कोई मतलब नहीं है।''

नवारो की ये टिप्पणियां और मोदी, पुतिन व शी जिनपिंग के बीच दिखी घनिष्ठता ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार और शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली में यमुना नदी उफान पर, बाढ़ का खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। मंगलवार सुबह 6 बजे यमुना का जलस्तर 205.68 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। लगातार बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण खतरा और बढ़ गया है। अनुमान है कि आज शाम तक यमुना का जलस्तर 206.50 मीटर तक पहुंच सकता है। निचले इलाकों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट ने की कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी की जमानत रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली। कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत रद्द करने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है। कन्हैया लाल के बेटे यश तेली और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जावेद की जमानत को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ मौजूद महत्वपूर्ण सबूतों की अनदेखी की है। जून 2022 में उदयपुर में दर्जी का काम करने वाले कन्हैया लाल की गला काट कर निर्मम हत्या हुई थी। उन दिनों पैगम्बर मोहम्मद के बारे में भाजपा नेता नूपुर शर्मा के एक बयान को लेकर काफी विवाद चल रहा था। कन्हैया लाल ने नूपुर का समर्थन करने वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया था, इसलिए मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौस ने उन्हें मार डाला। दोनों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित भी किया। (अनंत ज्ञान)

तेजस्वी ने मरीन ड्राइव पर किया डांस, कहा- मोदी को नचाता हूं

एजेंसी, पटना। 16 दिन की वोटर अधिकार यात्रा खत्म करने के बाद तेजस्वी यादव युवाओं के साथ डांस करते दिखाई दिए। पटना के मरीन ड्राइव पर तेजस्वी यादव का डांस करते वीडियो सामने आया है। इसमें वह रात में लोअर और टीशर्ट में युवाओं के साथ डांस करते दिख रहे हैं। रोहिणी आचार्य ने मंगलवार को वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- 'मामा-भांजा फन अनलिमिटेड इन पटना मरीन ड्राइव।' तेजस्वी ने एक्स पर वीडियो शेयर कर लिखा- 'गर्मी, बारिश और उमस के बीच कल 16 दिनों तक चली वोटर अधिकार यात्रा समाप्त हुई। रात में सिंगापुर से आए भांजे ने कहा, ड्राइव पर चलें।' रास्ते में सड़क पर कुछ युवा साथी कलाकार मिले। वो गाना गा रहे थे, रील बना रहे थे। रिक्वेस्ट करने लगे तो हमने भी हाथ-पैर आजमाए। हम सब सहजता, सरलता और सुगमता के साथ युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और उम्मीदों संग कदमताल कर जाति-धर्म से ऊपर उठ नए बिहार के निर्माण का संकल्प लेकर सत्ता परिवर्तन करेंगे। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली दंगा मामला: उमर खालिद, शरजील इमाम की रिहाई नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 में हुए दंगों से जुड़ी साजिश के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इनके साथ ही मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिकाएं भी कोर्ट ने खारिज कर दी हैं। अभियोजन की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि यह दुनिया में भारत को बदनाम करने की साजिश थी। ऐसे में सिर्फ इस आधार पर जमानत देना ठीक नहीं होगा कि आरोपी लंबे समय से कैद में हैं। अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध करते हुए दलील दी कि यह सिर्फ दंगों का मामला नहीं है बल्कि एक ऐसा मामला है जहां दंगों की साजिश पहले से ही एक भयावह मकसद और सोचे-समझे षड्यंत्र के साथ बनाई गई थी। इससे पहले, शरजील इमाम के वकील ने दलील दी कि दंगे की जगह, समय से उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसने उमर खालिद समेत अन्य आरोपियों से भी अपने जुड़ाव को खारिज किया। (अनंत ज्ञान)

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से होंगे सम्मानित

एजेंसी, वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडोल्फ गिउलिआनी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करेंगे।

यह सम्मान उनके लंबे समय के राजनीतिक सहयोगी के कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के दो दिन बाद दिया गया है। यह फैसला उस व्यक्ति को दिया गया है जिसकी 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद न्यूयॉर्क का नेतृत्व करने के लिए प्रशंसा की गई थी और बाद में 2020 के चुनाव के बारे में झूठे दावों को बढ़ावा देने के लिए अदालतों द्वारा दंडित किया गया और अयोग्य घोषित किया गया। गिउलिआनी पर दो राज्यों में आपराधिक आरोप भी लगाए गए थे। उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक बयान में गिउलिआनी को 'न्यूयॉर्क शहर के इतिहास में सबसे महान मेयर और उतना ही महान अमेरिकी देशभक्त' कहा। (अनंत ज्ञान)

सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग पहली बार आएंगे भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग 2 से 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच शिपिंग, नागरिक उड्डयन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के रूप में वोंग की यह पहली भारत यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना है। प्रधानमंत्री मोदी और वोंग वीरवार को महाराष्ट्र में एक कंटेनर टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। (अनंत ज्ञान)

यूपी पंचायत चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में मिली गड़बड़ी

एजेंसी, लखनऊ

आगामी पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची की जांच के दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। निर्वाचन आयोग ने राज्य की मतदाता सूची की समीक्षा की तो एक करोड़ से अधिक ऐसे संदिग्ध मतदाता पाए गए, जिनके नाम और पते समान थे। इस खोज ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक करोड़ से ज्यादा मतदाता पाए गए संदिग्ध

निर्वाचन आयोग ने बताया कि फर्जीवाड़े की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इस तकनीक की मदद से मतदाता सूची में डुप्लीकेट नाम और पता वाले रिकॉर्ड की पहचान करना संभव हुआ। आयोग का कहना है कि इससे न केवल फर्जी वोटिंग की संभावना कम होगी, बल्कि चुनाव में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

अब प्रत्येक ब्लॉक लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर मतदाताओं की सत्यापन प्रक्रिया करेंगे। इसके तहत हर मतदाता का नाम, पता और पहचान सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी घर में शिकायत या संदेह मिलता है, तो उसके आधार पर अतिरिक्त जांच की जाएगी। यह कदम चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह से निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 207 अंक टूटा, निफ्टी 24600 के नीचे हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई

बाजार दिन की ऊंचाई से फिसला है। बाजार ने आखिरी घंटों में पूरी बढ़त गंवाई है। सेंसेक्स, निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। रियल्टी, फाइनेंशियल्स, आईटी शेयरों में मुनाफावसूली देखने को मिला। निफ्टी बैंक ऊपरी स्तर से करीब एक प्रतिशत फिसलकर बंद हुआ।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 206.61 अंक यानी 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ 80,157.88 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 45.45 अंक यानी 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ 24.579.60 के

स्तर पर बंद हुआ। बाजार दिन की ऊंचाई से फिसला है। बाजार ने आखिरी घंटों में पूरी बढ़त गंवाई है। सेंसेक्स, निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। रियल्टी, फाइनेंशियल्स, आईटी शेयरों में मुनाफावसूली देखने को मिली। निफ्टी बैंक ऊपरी स्तर से करीब एक प्रतिशत फिसलकर बंद हुआ।(अनंत ज्ञान)

नोटाम इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तानी एयरबेस के पास अरब सागर में शुरू किया अभ्यास

भारतीय वायुसेना पाक को दिखाएगी ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने पाक को नोटाम जारी कर पाकिस्तानी एयरबेस के पास अरब सागर में एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। इंडियन एयरफोर्स ने यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान के पास अरब सागर में 2 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे से शुरू कर दिया। दो दिवसीय यह अभ्यास 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

आईएएफ का यह रूटीन अभ्यास है, लेकिन जगह संवेदनशील है, क्योंकि यह

स्पोर्ट्स विंडो

प्राइम वॉलीबॉल लीग ने सीजन 4 का शेड्यूल जारी किया, फाइनल 26 अक्तूबर को

एजेंसी, हैदराबाद । प्राइम वॉलीबॉल लीग ने मंगलवार को अपने सीजन 4 के मुकाबलों का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह सीजन 2 अक्तूबर से 26 अक्तूबर तक खेला जाएगा। लीग की शुरुआत मेजबान टीम हैदराबाद ब्लैक हॉक्स और सीजन 3 की चैंपियन टीम कालीकट हीरोज के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। 26 अक्तूबर को फाइनल मुकाबले के साथ सीजन का समापन होगा। इस बार लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें नई टीम गोवा गार्डियन्स का भी नाम जुड़ गया है। यह अब तक लीग का सबसे बड़ा संस्करण होगा। टीमों को पांच-पांच के दो पूल में बांटा गया है। कुल 38 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 35 लीग चरण के होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल की चार और दूसरे पूल की तीन टीमों के खिलाफ खेलेगी। लीग चरण के अंत में अंकों के आधार पर शीर्ष चार टीमें (पूल की परवाह किए बिना) सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। बेसलाइन वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा ने कहा, 'सीजन 4 अब तक का हमारा सबसे बड़ा सीजन है। (अनंत ज्ञान)

शेफील्ड यूनाइटेड ने फुटबॉलर एलेक्स माटोस को अपने साथ जोड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । शेफील्ड यूनाइटेड ने मिडफील्डर एलेक्स माटोस को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। यह करार तीन वर्षों के लिए है। शेफील्ड यूनाइटेड फ्रेंचाइजी चेल्सी को एक ऐसे खिलाड़ी की सेवाओं के लिए भुगतान करेगा, जो अलग-अलग पोजीशन पर खेल सकता है। फिलहाल, यह पता नहीं लग सका है कि इसके लिए शेफील्ड यूनाइटेड ने कितनी रकम चुकाई है। 3 अक्तूबर 2004 को बेडफोर्ड में जन्मे एलेक्स माटोस ने ल्यूटन टाउन से फुटबॉल करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 2016 में नॉर्विच सिटी गए। नॉरफॉक में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से पहचान बनाई। वह कैनरीज की अंडर-18 टीम के नियमित खिलाड़ी बने। इसके साथ ही अंडर-21 टीम तक भी पहुंचे। जुलाई 2023 में मैटोस चेल्सी से जुड़े और अपने 19वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर प्रीमियर लीग में डेब्यू किया। उन्होंने फुलहम के खिलाफ 2-0 से जीत में एनजो फर्नांडीज की जगह मैदान संभाला। (अनंत ज्ञान)

बाढ़ से प्रभावित पंजाब को देखकर दिल टूट गया : शुभमन गिल

एजेंसी, नई दिल्ली। पंजाब इस समय भीषण बाढ़ संकट से जूझ रहा है। इस बाढ़ के चलते ढाई लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। कुछ लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। बाढ़ से प्रभावित पंजाब को देखकर भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का दिल टूट गया है। हालांकि, उनका मानना है कि पंजाब इस आपदा का मजबूती के साथ सामना करेगा और लोग इससे उबर जाएंगे। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'बाढ़ से तबाह हुए अपने पंजाब को देखकर दिल टूट गया है। पंजाब हर मुसीबत से ज्यादा मजबूत है। हम इससे उबरकर फिर खड़े होंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।' पंजाब में बाढ़ का सबसे ज्यादा असर अमृतसर में देखने को मिला है, जहां 35 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, फिरोजपुर में 24 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में हैं। फाजिल्का, होशियारपुर, पठानकोट, गुरदासपुर, कपूरथला, जालंधर, बरनाला और मोगा में भी बाढ़ का प्रभाव देखने को मिला है। (अनंत ज्ञान)

दाएं हाथ की गेंदबाज मैया बाउचर

मैया एमिली बाउचर एक अंग्रेजी क्रिकेटर हैं जो वर्तमान में हैम्पशायर, सदर्न वाइपर्स, सदर्न ब्रेव और मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलती हैं। वह दाएं हाथ की बल्लेबाज के रूप में खेलती हैं और कभी-कभी दाएं हाथ की मध्यम गति से गेंदबाजी करती हैं। वह पहले मिडलसेक्स के लिए खेलती थी, साथ ही ऑकलैंड के साथ एक सीज़न बिताती थी।

विदेशी खिलाड़ियों पर सुनील ने उठाए थे सवाल, अब पूर्व क्रिकेटर ने किया पलटवार

एजेंसी, नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बैटर ब्रैड हैडिन ने सुनील गावस्कर पर हमला बोला है। ये हमला उन्होंने इसलिए बोला है क्योंकि जब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान हुआ था तब कुछ विदेशी क्रिकेट एक्सपर्ट्स इस टीम से खुश नहीं थे और उन्होंने अपनी राय दी थी। वहीं कई पूर्व क्रिकेट्र्स भी इस टीम से चौंक गए थे क्योंकि अजीत अगरकर की सेलेक्शन कमेटी ने टीम में श्रेयस अय्यर और यश्सीव जायसवाल को नहीं रखा था। एशिया कप की शुरुआत यूएई में 9 सितंबर से होगी। स्पोर्ट्स स्टार में पिछले हफ्ते लिखे कॉलम में गावस्कर ने कई विदेशी खिलाड़ियों पर सवाल उठाए थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि ये लोग आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। गावस्कर ने लिखा था कि, मुझे सबसे खराब यही लग रहा है कि विदेशी खिलाड़ी बिना किसी जानकारी के भारतीय क्रिकेट में इतनी दिलचस्पी क्यों दिखा रहे है। वो फालतू की बहस कर रहे हैं और आग में घी डाल रहे हैं. भारतीय टीम के चयन को लेकर उन्हें अपनी राय देने की जरूरत नहीं है। ये उनका काम नहीं है। गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने बड़ा बयान दिया है। हैडिन ने कहा कि, मुझे काफी खुशी है कि सुनील गावस्कर हमारा शो सुनते हैं। यानी की हम वर्ल्डवाइड सुने जाते हैं। अय्यर के बाहर होने को लेकर उन्होंने कहा कि, उनका ये काम है कि वो खिलाड़ियों को लेकर अलग अलग राय दें। हैडिन ने एक पॉडकास्ट पर ये बातें कहीं। (अनंत ज्ञान)

ट्राई सीरीज अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हराया

राशिद खान टी-20 के टॉप विकेट टेकर बने

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 3 विकेट लेकर पुरुष टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए। उनके 165 विकेट हो गए। दुबई में खेले जा रहे ट्राई सीरीज के अपने दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हरा दिया। टीम को पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 3 विकेट लेकर मेंस टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए। उनके 165 विकेट हो गए हैं। वह न्यूजीलैंड के गेंदबाज टिम सउदी से आगे निकल गए हैं। सउदी के 164 विकेट हैं।

राशिद के अलावा, इब्राहिम जदरान और सेदिकुल्लाह अतल की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से अफगानिस्तान ने 188 का स्कोर बनाया। यूएई की टीम टारगेट का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन तक ही पहुंच सकी।

सेदिकुल्लाह-इब्राहिम के बीच 84 रन की साझेदारी टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यूएईके तेज गेंदबाजों जुनैद सिद्दीकी और मुहम्मद रोहिद ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी की और पहले तीन ओवरों में केवल 16 रन दिए। रोहिद ने रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर अफगानिस्तान को शुरुआती झटका दिया। हालांकि, छठे ओवर में यूएई ने सागिर खान को गेंदबाजी के लिए उतारा, और यहां से सेदिकुल्लाह और इब्राहिम जदरान ने मोर्चा संभाला। सागिर के ओवर में 18 रन बने। जिसकी वजह से अफगानिस्तान ने पावर प्ले में 1 विकेट के नुकसान पर 43 रन बना लिए। सेदिकुल्लाह अतल और इब्राहिम जदरान के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 गेंदों पर 84 रन की साझेदारी हुई। अतल ने 40 गेंदों का सामना कर 54 और जदरान ने 40 गेंदों का सामना कर 63 रन बनाए। (अनंत ज्ञान)

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

- राशिद खान (अफगानिस्तान)- 165 विकेट
- टिम साउदी (न्यूजीलैंड)-164 विकेट
- ईश सोढ़ी (न्यूजीलैंड)-150 विकेट
- शाकिब अल हसन (बांग्लादेश) - 149 विकेट
- ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड) - 140 विकेट

इब्राहिम जादरान ने 40 गेंदों का सामना कर 63 रन बनाए

अफगानिस्तान ने आखिरी चार ओवर में 49 रन बनाए आखिरी चार ओवरों में अफगानिस्तान ने 49 रन जोड़े, जिससे स्कोर 188 तक पहुंचा। 19वें ओवर में 22 रन बनें। इस ओवर में 2 छक्के और दो चौके भी लगे। अच्छी शुरुआत के बाद भी यूएई नहीं जीत पाई 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत शानदार रही। कप्तान मुहम्मद वसीम ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 37 गेंदों में 67 रन की पारी खेली। वें 10वें ओवर में शराफुद्दीन की गेंद पर गलत शॉट खेल कर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद राशिद ने आसिफ खान को पहली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। राशिद ने इसके बाद एथन डिसूजा और ध्रुव पराशर को भी पवेलियन भेजा, जिससे यूएई की पारी बिखर गई। राशिद ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। राहुल चोपड़ा ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर नाबाद अर्धशतक बनाया। हालांकि टीम को टीम को जीत नहीं दिला सके।

गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने टी20 इंटरनेशनल से लिया संन्यास

एजेंसी, सिडनी। दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज के तौर अपर पहचान बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के मुख्य तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने क्रिकेट के फटाफट फॉर्मेट टी-20 से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है।

बताया जा रहा है कि, स्टार्क अगले साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम और 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को प्राथमिकता देने के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। (अनंत ज्ञान)

अंतरराष्ट्रीय करियर में लिए 700+ विकेट

कैसा रहा है स्टार्क का क्रिकेट करियर

35 वर्षीय स्टार्क भले ही क्रिकेट के इस तेज फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया हो लेकिन उनका क्रिकेट करियर शानदार रहा है। बात टी-20 की ही करें तो उन्होंने ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट को शीर्ष तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सबसे तेज फॉर्मेट में स्टार्क ने 65 मुकाबलों में 23.8 की औसत से 79 विकेट लिए है। उनका इकोनॉमी दर 7.74 रहा है। इसी तरह स्टार्क ने 100 टेस्ट में 402 विकेट्स और एकदिवसीय क्रिकेट में खेले गए127 मुकाबलों में 244 विकेट्स अपने नाम किए है। इस तरह स्टार्क ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट्स अपने नाम किए है।

'टेस्ट क्रिकेट मेरी प्राथमिकता'

स्टार्क ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए हर टी20 मैच के हर मिनट का आनंद लिया है, खासकर 2021 विश्व कप के लिए, सिर्फ इसलिए नहीं कि हम जीते, बल्कि इसलिए भी कि हम एक अविश्वसनीय ग्रुप में थे और उस दौरान जो मजा आया, उससे भी ज्यादा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जांपा।

शतरंज में प्रणव वेंकटेश ने की दर्ज जीत

एजेंसी, फुजैरा (यूएई)

फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स

विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव वेंकटेश ने स्पेन के ग्रैंडमास्टर एलेन पिचोट को हराकर फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया । प्रणव ने नौ में से सात अंक बनाए और अमेरिका के ब्रैंडन जैकबसन, मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज और ईरान के अमीन टाबाटाबाइ से एक अंक आगे रहे ।

ग्रैंडमास्टर आदित्य मित्तल और शीर्ष वरीयता प्राप्त ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन 5.5 अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे । आदित्य कुल छठे और निहाल 12वें स्थान पर रहे ।

अठारह वर्ष के प्रणव ने नौ दौर के टूर्नामेंट में एक भी पराजय का सामना नहीं किया । उन्होंने पांच जीत दर्ज की जबकि चार मुकाबले ड्रॉ रहे । उन्हें इस प्रदर्शन के साथ 23000 डॉलर और 28 ईएलओ रेटिंग अंक मिले । वह उजबेकिस्तान के समरकंद में ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट खेलेंगे ।

इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती, पी हरिकृष्णा जैसे भारतीय धुरंधरों के अलावा उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव , नीदरलैंड के अनीश गिरी और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि भी खेलेंगे। (अनंत ज्ञान)

कमिंस सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर

एजेंसी, मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि उनके टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे।

बोर्ड ने इस निर्णय का कारण उनकी पूरी तरह से फिटनेस पर ध्यान देना बताया, ताकि वह आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार हो सकें। बोर्ड की आधिकारिक घोषणा में कहा गया, कमिंस को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन में शामिल नहीं लिया जाएगा। वह अपनी रिहैबिलिटेशन योजना पर ध्यान देंगे और गेंदबाजी में वापसी का समय एशेज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

पीठ में तनाव से जूझते कमिंस

कमिंस का टीम में न होना ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका हो सकता है। हाल ही में किए गए स्कैन में उनकी पीठ के निचले हिस्सों में हड्डियों में तनाव पाया गया है। यह चोट चिंताजनक है क्योंकि उनका वनडे और टी20 में शारीरिक भार पहले ही काफी बढ़ चुका था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही उन्हें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से आराम दिया था, लेकिन पिछले टेस्ट दौरे के बाद उनकी पीठ में दर्द बना रहा और अब उसकी गंभीरता सामने आई है।

भारत के लिए रणनीतिक फायदे

कमिंस की अनुपस्थिति भारत के लिए बड़ा फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते दिखेंगे। एक प्रमुख तेज गेंदबाज न होने से भारतीय बल्लेबाजों के मनोबल को बढ़ावा मिलेगा।

टीम इंडिया की जर्सी पर छपेगा नए ब्रांड का लोगो, स्पॉन्सर की तलाश

बीबीसीआई ने आधिकारिक इंविटेशन किया जारी

फाइल फोटो

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम की जर्सी पर किस ब्रांड का नाम लिखा होगा, उसका फैसला अगले कुछ दिनों में हो जाएगा। मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीबीसीआई) ने आधिकारिक इंविटेशन जारी किया।

एशिया कप का आगाज होने में अब करीब डेढ़ सप्ताह बचा है। इसके लिए भारतीय टीम की घोषणा काफी पहले ही कर दी गई है, लेकिन अब बीसीसीआई ने टीम के यूएई रवाना होने से पहले बड़ा अपडेट दिया है। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने स्क्वॉड की घोषणा के साथ ही पांच रिजर्व खिलाड़ियों के नाम भी घोषणा किए थे। (अनंत ज्ञान)

ब्रांड लोगो?

एशिया कप क्रिकेट का ब्रांड लोगो एशियाई एकता, प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का प्रतीक है। इसमें आमतौर पर एक क्रिकेटर की आकृति ऊर्जा और एक्शन को दर्शाती है, जबकि रंग विभिन्न एशियाई देशों की विविधता और जीवंतता को दर्शाते हैं। यह लोगो पूरे एशिया को क्रिकेट के माध्यम से जोड़ने की भावना को दर्शाता है। टूर्नामेंट के गौरव, परंपरा और प्रतिस्पर्धात्मकता को भी यह लोगो प्रतीकात्मक रूप में सामने लाता है, जिससे यह एक मजबूत ब्रांड पहचान बनाता है।

न्यूजीलैंड ने मैकमिलन को महिला टीम का क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया

एजेंसी, ऑकलैंड। न्यूजीलैंड ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले पूर्व ऑलराउंडर क्रेग मैकमिलन को मंगलवार को अपनी महिला टीम का बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया। न्यूजीलैंड की तरफ से 55 टेस्ट और 197 वनडे मैच खेलने वाले मैकमिलन मुख्य कोच बेन सॉयर की अगुवाई वाली कोचिंग टीम का हिस्सा बनेंगे।

मैकमिलन इससे पहले 2024 में टी20 विश्व कप जीत के दौरान न्यूजीलैंड महिला टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैकमिलन ने कहा, ''व्हाइट फर्न्स (न्यूजीलैंड की महिला टीम) के साथ इस भूमिका को लेकर मैं बेहद खुश हूं। महिला क्रिकेट लगातार प्रगति कर रहा है और मैं हमारी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करने और उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्साहित हूं।''

न्यूजीलैंड विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। (अनंत ज्ञान)

अमांडा अनिसिमोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी, न्यूयॉर्क

यूएस ओपन में मंगलवार को अमांडा अनिसिमोवा ने बीट्रिज हद्दाद माइया को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं, नाओमी ओसाका ने बड़ा उलटफेर करते हुए कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से मात देकर चार बाद अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अमांडा अनिसिमोवा की क्वार्टर फाइनल में भिड़ंत दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से होगी तो नाओमी ओसाका चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी। (अनंत ज्ञान)

शुरुआत से ही हावी रहीं अनिसिमोवा

अनिसिमोवा ने पहले ही गेम में हद्दाद माइया की सर्विस तोड़ी और उसके बाद उनका खेल और तेज हो गया। उन्होंने हद्दाद माइया को कोई मौका नहीं दिया। बेहतरीन सर्विस करते हुए कोर्ट पर गहरी और सटीक टू-हैंडेड बैकहैंड शॉट्स लगाए। दूसरा सेट ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। हद्दाद माइया की सर्विस फिर से शुरुआती गेम में टूटी, लेकिन लगातार सात गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक ब्रेक हासिल किया। अनिसिमोवा ने वापसी की, चौथे गेम में ब्रेक प्वाइंट से बचते हुए गेम को संभाला और हद्दाद माइया के धैर्य के बावजूद, आखिरी गेम में ब्रेक लेकर जीत सुनिश्चित की।

अब मुकाबला स्वियातेक से

2019 में रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंची चुकीं अनिसिमोवा ने हद्दाद माइया पर जीत के साथ अपना ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 42-22 कर लिया। इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 35-14 तक सुधार लिया। अब क्वार्टर फाइनल में अनिसिमोवा का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से होगा। यह दोनों के बीच दूसरा मुकाबला होगा। अनिसिमोवा विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की खिलाड़ी से मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेंगी।

ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में ओसाका

नाओमी ओसाका ने कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से मात देकर 2021 के बाद से अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आंकड़े बताते हैं कि ओसाका ने जब भी किसी बड़ी चैंपियनशिप में इस मुकाम तक का सफर तय किया, उन्होंने अंततः खिताब जीता है। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन यूएस ओपन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी।

हॉकी एशिया कप भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची

भारत को कोरिया के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की जरूरत

एजेंसी, राजगीर

पूल चरण में अपराजेय रहने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप सुपर 4 चरण के मुकाबले में बुधवार को पांच बार की चैंपियन और पिछली विजेता कोरिया के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा ।

भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची है । उसने चीन को 4.3 से, जापान को 3.2 और कजाखस्तान को 15.0 से हराया। जीत के बावजूद भारत का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है।चीन और जापान के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद उसने टूर्नामेंट में दूसरी ही बार खेल रही कजाखस्तान टीम पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर कोरियाई टीम भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है। वह पूल बी में मलेशिया के बाद दूसरे स्थान पर रही और मलेशिया ने उसे 4 . 1 से हरा दिया था।

भारतीय टीम ने सोमवार को हर क्षेत्र में बेहतर खेल दिखाया चाहे गोलकीपिंग हो, डिफेंस , मिडफील्ड या आक्रमण । फॉरवर्ड पंक्ति का प्रदर्शन तारीफ के काबिल रहा जिसमें अभिषेक ने चार गोल दागे । सुखजीत सिंह ने भी हैट्रिक लगाई और फ्लैंक से उनकी ड्रिबलिंग और 'डी' के भीतर शांतचित्त रवैया जबर्दस्त था ।

भारत की फॉरवर्ड पंक्ति में एकमात्र कमजोर कड़ी दिलप्रीत सिंह रहे जिन्होंने गोल तो किया लेकिन एक आसान मौका गंवाया भी । अभी तक टूर्नामेंट में वह जूझते ही नजर आये हैं और अब उन्हें प्रदर्शन में सुधार करना होगा ।

मनप्रीत सिंह की अगुवाई में मिडफील्ड का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डिफेंस की कमान बखूबी संभाल रखी है । पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है । कोच फुल्टोन ने हालांकि कहा कि असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है जिसमें पिछले नतीजे मायने नहीं रखते । उन्होंने कहा ,'' हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है । खिलाड़ी लय में है और हम यही चाहते हैं ।''(अनंत ज्ञान)

टीम में शामिल खिलाड़ी

भारत : सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक (गोलकीपर) हरमनप्रीत सिंह (कप्तान) , अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय ,जुगराज सिंह , मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल , हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह

कोरिया : डी अंग (गोलकीपर), जिहुन यांग, चियोलियोन पार्क, जिनकांग रिम, डेन सोन, जुंगजुन ली (कप्तान), जोंगसुक बाए, सियोग ओह, जेवोन सिम, सुंगह्युन बाएक, सूंग मिन बाए, जाएहान किम, जियोनहो जिन, हियोनहोंग किम, सियुंगवू ली, मिन सू चियोन, यूनहू कोंग, येसियुंग ली ।

मैच का समय : शाम 7 . 30 से ।

कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई कर दी : चिराग शेट्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी।

चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया।

भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी से हार के साथ टूट गया। चिराग ने कहा, ''मुझे लगता है कि आरोन और सोह के खिलाफ जीत निश्चित रूप से बहुत खास है। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि अगर हम सही रणनीति के साथ खेलें तो हम किसी को भी हरा सकते हैं। हाल ही में उनके खिलाफ हमारा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा था। विशेष कर ओलंपिक खेलों में जहां हमें उनके हाथों हार का सामना करना पड़ा था।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए उन्हें लगातार गेम में हराने से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ा और यह पिछले साल के ओलंपिक खेलों की एक तरह से भरपाई भी थी। हम ओलंपिक में उसी कोर्ट पर उनसे हार गए थे। चिराग ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। सभी को इस बार मुश्किल ड्रॉ मिले थे लेकिन हमारे सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।'' (अनंत ज्ञान)